

زباعتیات

عمر خیام



بنگاه انتشارات «رادوگا»

شعبه تاشکند

سال ۱۹۸۵

РУБОЙЛАР
УМАР ХАЙЁМ



«РАДУГА» НАШРИЕТИНИНГ ТОШКЕНТ БУЛИМИ

Тошкент — 1985

РУБАЙЯТ
ОМАР ХАЙЯМ



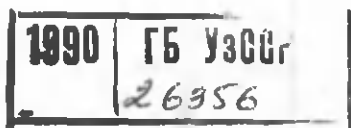
ТАШКЕНТСКОЕ ОТДЕЛЕНИЕ ИЗДАТЕЛЬСТВА «РАДУГА»

Ташкент — 1985

مترجمان:
شاسلام شامحمدف
نيكلاى سترىژكف

ШОИСЛОМ ШОМУҲАМЕДОВ
таржимаси

Русский перевод
НИКОЛАЯ СТРИЖКОВА



У—47

10 19 719
2

Умар, хайём.

Рубойлар [Тузувчи Ш. Шомуҳамедов; Форс тилидан Ш. Шомуҳамедов тарж.; Рус тилига Н. Стрижков тарж.]—Т.: Радуга, 1985.— 456 б., расм.

Тит. в. ва текст форс, ўзб. ва рус тилларида.

Омар, Хайям, Рубайят.

И(Эрон) + С(Тож)

X $\frac{4703000000-290}{031(05)-85}$ без объявлен.

© Форс, ўзбек, рус тилларида, расмлар, «Радуга» нашриётининг Тошкент бўлими, 1985 йил.

1

عاشق همه سال مست و شیدا بادا
 دیوانه و شوریده و رسوا بادا
 در هشیاری غصه هر چیز خوریم
 چون مست شدیم هر چه بادا بادا

* * *

Ошиқ бўлсанг бўлгил шайдо-ю мастон,
 Девона, шўрийда, расвойи жаҳон.
 Хушёрликда ташвиш ҳамма нарса ҳам,
 Маст бўлгач тўпиқдан келмайди туфон.

* * *

Ты влюблен — так с веселой ватагою будь,
 Опозоренным, пьяным бродягою будь.
 Трезвый вечно хлопочет, не знает покоя,—
 Беззаботным и полным отвагою будь.¹

¹ Это и 142 других рубаи переведены в соавторстве с А. Ша-
 мухамедовым. (ред.)

چون عهده نمی‌شود کسی فردارا
 حالی خوش دار این دل پرسودارا
 می‌نوش به ماهتاب ای ماه که ماه
 بسیار بتابد و نیابد مارا

* * *

Тонгла уҳдасидан чиқолмас киши,
 Не ҳожат савдоли дилинг ташвиши!
 Ойдинда май ичгин, эй ой, биздан сўнг
 Ой бизни тополмас, кезиб ёз-қиши.

* * *

Кто мне скажет, что завтра случится со мной?
 Буду радовать сердце усладой земной,
 Буду счастье искать в этом мире подлунном,
 Ибо все мы не вечны под вечной луной.

تا بتوانی رنجه مگردان کسرا
 بر آتش خشم خویش منشان کسرا
 گر راحت جاودان طمع میداری
 میرنج همیشه و مرنجان کسرا

* * *

Кимсани ранжитма, ранжитма ҳайҳот,
 Ғазабинг бировга сочмагил, эй зот.
 Ўзинг ранж чеку ҳеч кимни ранжитма,
 Роҳат десанг агар ўзинг ғамга бот.

* * *

Пусть друзей не поранит твой меч никогда,
 Не обидит горячая речь никогда.
 Если в пламени гнева находишь блаженство —
 Сам сгори, чтоб других не обжечь никогда.

هر چند که رنگ و بوی زیباست مرا
 چون لاله رخ و چو سر و بالاست مرا
 معلوم نشد که در طریخانه خاک
 نقاش ازل بهر چه آراست مرا

* * *

Ҳар қанча бўлса ҳам юзгинам гўзал,
 Қоматим сарв каби тикка, мукаммал,
 Тушуна олмадим, нега бунчалик
 Оро берган экан наққоши азал.

* * *

Я красив: кипарису подобен мой стан,
 Борода — словно шелк, щеки — вешний тюльпан,
 Но зачем так старался предвечный ваятель?
 Если вся эта видимость — краткий обман?

چون در گذرم بپاده شوئيد مرا
 تلقين ز شراب ناب گوئيد مرا
 خواهيد بروز حشر يابيد مرا
 از خاک در ميکنه جوئيد مرا

* * *

Мен ўлсам, май бирла ювишни кўзланг,
 Йўқловда жом бирла шаробдан сўзланг,
 Қиёмат кунида топмоқ бўлсангиз,
 Майхона тупрогин тубидан изланг.

* * *

Как умру, меня чистым омойте вином,
 И в могилу кувшин мне поставьте тайком,
 В Судный день отыскать меня будет нетрудно:
 Средь руин кабака, в его прахе хмельном.

گر می نخوری طعنه مزن مستان را
 بنیاد مکن تو حيله و داستان را
 تو غره بدان مشو که می نخوری
 صد کار کنی که می غلامست آنرا

* * *

Мастни таъна қилма, ичмасанг соғар,
 Гийбат — дoston қилма, бўлма ҳийлагар,
 Кеккая кўрма ҳеч май ичмайман, деб
 Сенинг қилмишларинг бундан бешбаттар.

* * *

Не кори́ тех, кто пьян, уходя с кутежа
 Не живи лицемерьем, неправде служа.
 Ты не пьешь, но гордиться тебе не пристало:
 Твой порок хуже пьянства, презренный ханжа.

قران که مهین کلام خوانند آنرا
 که گاه نه بردوام خوانند آنرا
 برگرد پیاله آیتی هست مقیم
 کاندز همه جا مدام خوانند آنرا

* * *

Дунёда улуғ сўз — қуръон ўқилур,
 У ҳам мудом эмас, аҳён ўқилур.
 Пиёла четида бир оят борки,
 Ҳар жойда, ҳамиша, ҳамон ўқилур.

* * *

Даже грамоте крепко ученый и тот,
 Весь коран прочтает, пожалуй, за год.
 Мудрый стих, опоясавший винную чашу,
 И неграмотный, выпив изрядно, прочтет,

برخیز بتا بیار بهر دل ما
 حل کن بجمال خویشتن مشکل ما
 یک کوزه شراب تا بهم نوش کنیم
 زان پیش که کوزه‌ها کنند از گل ما

* * *

Тур, гўзал, очилсин баҳри дилимиз,
 Жамолинг ҳал қилсин ҳар мушкулимиз.
 Тупроғимиз кўза бўлмасдан бурун
 Бир кўза ичайлик, жўйсин кўнглимиз.

* * *

О кумир! Ты вместилище сладостных чар,
 Утоли в моем сердце любовный пожар.
 И кувшин принеси, чтоб мы выпили вместе,
 Прежде чем превратит, нас в кувшин гончар.

آمد سحرى ندا ز ميخانه ما
 كاي رند خراباتي ديوانه ما
 بر خيز كه ير كنيم پيمانه زمي
 زان پيش كه ير كنند پيمانه ما

* * *

Сахар садо берди бизнинг майхона,
 Ки, э майхонамиз ринди — девона,
 Тургил, паймонани тўлдир шаробга,
 Ҳали тўлмай туриб бизнинг паймона.

* * *

Ринд, бродяга, мудрец — собираемся мы,
 Чуть рассвет — в кабаки пробираемся мы,
 Чаша жизни еще не сравнялась с краями,
 Полнить чаши хмельные стараемся мы.

يا ببط مي گفت ماهي در تب و تاب
 باشد كه جوي رفته باز آيد آب
 ببط گفت كه چون من و تو گشيم كباب
 دنيا پس مرگ ما چه درياچه سراب

* * *

Ўрдак балиққа дер: «Оқиб кетган об —
 Қайтиб, ариқ яна бўлурму кўлоб?
 Ул дейди: «Мену сен бўлурмиз каоб,
 Сўнг не фойда, дунё дарёми, сароб?!»

* * *

В знойный день рыба утке сказала: «Беда!
 Неужели в наш пруд не вернется вода?»
 «Вот когда нас зажарят, — ответила утка, —
 Безразлично — хоть море здесь будет тогда».

مانيم و مي و مطرب و اين كنج خراب
 جان و دل و جام و جامه ير درد شراب
 فارغ ز اميد رحمت و بيم عذاب
 آزاد ز خاك و باد و از آتش و آب

* * *

Харобада мену май, маъшуқ учов
 Уст-бош, жону дил шаробга гаров!
 Лутф умиди, азоб ваҳми писандмас,
 Бизга бедахл шамол, тупроқ, сув, олов.

* * *

С любимой и с вином трущоба нас укрыла,
 Свободных от забот и страха пред могилой.
 Одежда, плоть, душа — все отдано вину,
 Чтоб от земных оков свободно сердце было.

چندان بخورم شراب کآن بوی شراب
 آید ز تراب چون روم زیر تراب
 ور برسر خاک من رسد مخموری
 از بوی شراب من شود مست و خراب

* * *

Шундай ичайинки, ўлсам ул шароб —
 Ҳиди мозоримдан чиқсин гуркираб.
 Хумори ўтарса қабрим бошидан
 Иси элитсину айласин хароб.

* * *

Будем до смерти пить, чтоб из наших могил
 Винный дух, как из доброго жбана, разил,
 Чтобы мимо идущий несчастный бродяга
 Опьянел и о горестях мира забыл.

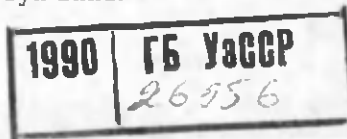
روزی دو که نپلست میخور می ناب
 کاین عمر دو روزه بر نگرده در یاب
 دانی که جهان رو به خرابی دارد
 تو نیز شب و روز همی باش خراب

* * *

Беш кунлик ҳаётда ичгил майи ноб,
 Беш кунлик умрингни ўтказгил шодоб.
 Хароб этмак эрур жаҳоннинг иши,
 Сен ҳам кеча-кундуз бўл масту хароб.

* * *

На два дня эта жизнь нам с тобою дана,
 Прощумит и назад не вернется она.
 С этим миром ты скоро простишься, несчастный,
 Днем напейся и на ночь потребуй вина.



در کوی نیاز هر دلی را در یاب
 در کوی حضور مقبل را در یاب
 صد کعبه ی آب و گل بیکدل نرسد
 کعبه چه روی برو دلی را در یاب

* * *

Муҳтожлик кӯйида кӯнгилни овла,
 Юракка яқину маъқулни овла.
 Бир дилча турмас юз лойхона Қаъба,
 Қаъбада нима бор, бир дилни овла.

* * *

Сердце живо надеждой одною — ищи!
 Золотые сердца под луною ищи!
 Не в мечети найдет утешенье влюбленный,
 Не Каабу, а сердце родное ищи!

ای دل ز زمانه رسم احسان مطلب
 و ز گردش دوران سروسامان مطلب
 درمان طلبی درد تو افزون گردد
 یا درد بساز و هیچ درمان مطلب

* * *

Эй дил, замонадан эҳсон кутмагил,
 Айланар, тўхтамас даврон, кутмагил.
 Даво истаб дардинг ошар кундан кун,
 Дардга кўникавер, дармон кутмагил.

* * *

Счастья, сердце, в подлунной юдоли не жди,
 От небес светлой доли и воли не жди.
 Не терзайся потом, что судьба обманула,
 От нее ничего, кроме боли, не жди.

خیام که خیمه های حکمت میدوخت
 در کوره غم فتاد و ناگاه بسوخت
 مقراض اجل طناب عمرش ببرید
 دلال امل بر ایگانش بفروخت

* * *

Ҳикмат чодирини тиклади Хайём,
 Андуҳ қўрасида ёнди ул ноком.
 Умр ипин шарт кесди ажал қайчиси,
 Хизматиға охир шул эрди инъом.

* * *

Сшил Палаточник мудрости гордый шатер,
 Сам сгорел — и подернулся пеплом костер.
 Смерть кинжалом обрезала нить его жизни,
 Превратила дела и труды его в сор.

گل صبحدمی بخود بر آشفت و بریخت
 با باد صبا حکایتی گفت و بریخت
 به عهدی چرخ بین که گل در ده روز
 سر برزد و غنچه کرد و بشکفت و بریخت

* * *

Гул бағрини насим тилди, тўкилди.
 Сабога ҳикоят қилди, тўкилди.
 Фалак ишига боқ, бир ҳафтада гул
 Чиқди, гунчалади, кулди, тўкилди.

* * *

Чуть расцвел, осыпается алый цветок.
 «Небосвод, — плачет бедная роза, — жесток.
 Десять дней я росла, набирала бутоны,
 Но едва улыбулась — мой кончился срок».

می در کف من نه که دلم در تاب است
 وین عمر گریز پای چون سیما بست
 در یاب که آتش جوانی آبست
 خوش دار که بیداری دولت خوبست

* * *

Майни кафтимга қўй, дилим олмиш тоб,
 Ҳаётнинг таянчи мисоли симоб.
 Билиб қўйки, ёшлик оташи сувда,
 Ҳушни йиғ, бедорлик асли уйқу — хоб.

* * *

Если чаша в руке, светом полнится грудь.
 Жизнь в руках не удержишь, она словно ртуть.
 Помни: молодость, страсть — это быстрые волны,
 Смерть и ночью и днем начеку, не забудь!

می خوردن من نه از برای طرب است
 نز بهر نشاط و ترك دین و ادب است
 خواهم که به بیخودی بر آرم نفسی
 می خوردن و مست بودنم زین سبب است

* * *

Мен майни қувнамоқ учун ичмайман,
 Шодлик деб одобу диндан кечмайман.
 Мақсадим — ўзликдан кечиб бир нафас,
 Ором олса, бехуш бўлиб жону тан.

* * *

Не веселья ищу в этой чаше на дне,
 Я не варвар беспутный, погрязший в вине.
 Стыдно жить без надежды, без пользы, без цели,—
 Эта чаша дарует забвение мне.

من بنده عاصيم، رضای تو کجاست
 تاريك دلم نور و ضیای تو کجاست
 مارا تو بهشت اگر به طاعت بخشی
 این مزد بود، لطف و عطای تو کجاست؟

* * *

Мен осий бандангман ризойинг қани,
 Дилим қоп-қоронғи, зиёйинг қани?
 Итоатим учун жаннатни берсанг,
 Бу менинг ҳаққим-ку, атойинг қани?!

* * *

Бунтовщик я, но где же твоя правота?
 Где твой свет — одолела меня темнота.
 Говоришь — будь послушным — и рай обещаешь,—
 Это плата, но где же твоя доброта?

سیم ارچه نه مایه حردمندانست
 بی سیمان را باغ جهان زندانست
 از دست تھی بنفشه سر بر زانوست
 در کسیه زر دهان گل خندانست

* * *

Бойликдан кўлаймас ақл ё ҳунар,
 Аммо пул бўлмаса хун бўлур жигар.
 Сероқча атр гул яшнар қуёшда,
 Бинафша сояда бош эгиб турар.

* * *

Мы богаты не золотом и серебром,
 Ринд прекрасно живет без добра и хором.
 Но богатая роза всюду веселится,
 А фиалка — бедняжка рыдает тайком.

پیش از من و تو لیل و نهارى بودست
 گردنده فلک بر سر کارى بودست
 ز نهار قدم به خاک آهسته نهی
 کان مردمک چشم نگارى بودست

* * *

Сен-мендан олдин ҳам тун-кун бор эди,
 Айланган фалак ҳам бутун бор эди.
 Тупроққа авайлаб қадамингни қўй,
 Бу тупроқ қора кўз бир нигор эди.

* * *

Дни и ночи сменялись до нас чередой,
 Небо грозно вершило свой суд роковой.
 Пыль земную топчи осторожней, прохожий, —
 Эта пыль была плотью, прекрасной, живой.

دارنده چو ترکیب طبایع آراست
 از بهر چه افکندش اندر کم و کاست
 گر نیک آمد شکستن از بهر چه بود
 در نیک نیامد این صور عیب گراست

* * *

Табиат тартибин яратиб оллоҳ,
 Нечун чил-чил қилиб отади, э воҳ,
 Яхши бўлса нега парчалар уни
 Ёмон бўлганида айт, кимда гуноҳ?!

* * *

Этот мастер всевышний — большой верхогляд:
 Он недолго мудрит, лепит нас наугад.
 Если мы хороши — он нас бьет и ломает,
 Если плохи — опять же не он виноват!

یزدان چو کل وجود ما می آراست
 دانست ز فعل ما چه بر خواهد خاست
 بی حکمت نیست هر گناهی که مراست
 پس سوختن قیامت از بهر چه خواست؟!

* * *

Азалда лойимни қорганда худо,
 Биларди феълимдан не бўлур пайдо.
 Ҳукмидан ташқари эмас гуноҳим,
 Ҳўш, нечун маҳшарда беради жазо?!

* * *

Знал господь до того, как слепил нас, друзья,
 Что прожить без грехов в этом мире нельзя.
 Сам диктует дела, предрешает поступки,
 А потом и пугает нас, адом грозья.

عمری است مرا تیره و کاری است نه راست
 محنت همه افزوده و راحت کم و کاست
 شکر ایزدرا که آنچه اسباب بلاست
 مارا ز کس دگر نمیاید خواست

* * *

Умрим қийноқдадир, дардим бе илож,
 Роҳат қисқа, заҳмат топмоқда ривож,
 Худога минг бора шукурки, бало
 Ва кулфатга мени этмади муҳтож.

* * *

Не устроена жизнь, в беспорядке дела,
 Нет покоя, все больше коварства и зла.
 Мы не просим — творец нас бедой награждает,—
 И за это всевышнему честь и хвала!

گر گل نبود نصیب ما خار بس است
 و نور به ما نمی رسد نار بس است
 گر خرقة و خانقاه و شیخی نبود
 ناقوس و کلیسیا و زنار بس است

* * *

Бизга гул тегмаса, тикан — хор ҳам бас,
 Нур етмаса, олов-гулхан — нор ҳам бас.
 Жанда тўн, хоноқоқ ё шайх бўлмаса,
 Кўнғироғу черков ва зуннор ҳам бас.

* * *

Если роз нам не дали — довольно шипов,
 Свет небесный отняли — довольно костров.
 Если рубище снимут и шейхов отнимут,
 Нам довольно зуннара, довольно попов.

از منزل كفر تا به دين يك نفس است
 وز عالم شك تا به يقين يك نفس است
 اين يك نفس عزيز را خوش ميدار
 چون حاصل عمر ما همين يك نفس است



Тоатми ё куфр сўзи — бир нафас.
 Шак-шубҳа, ҳақиқат кўзи — бир нафас.
 Шул дамни қувончсиз ўтказмак абас,
 Умримиз ҳосили ўзи бир нафас.



От сомненья до веры — мгновенье одно,
 От любви до измены — мгновенье одно.
 Посвяти это краткое время веселью,
 Ибо жизни размеры — мгновенье одно.

بر چهره کل نسیم نوروز خوش است
 در صحن چمن روی دل افروز خوش است
 از دی که گذشت هر چه گوئی خوش نیست
 خوش باش و زدی مگو که امروز خوش است

* * *

Гул узра кўкламнинг шабнами яхши,
 Чаманда юз очган ҳамдами яхши.
 Яхшимас кечаги кундан сўз очмоқ,
 Қувнаб қол, бу куннинг ҳар дами яхши.

* * *

Розы прекрасны, покрытые вешней росой,
 Милой лицо даже розы затмило красой.
 Полно, Хайям, себе сердце тиранить тоской,
 Ибо прекрасно, что живы пока мы с тобой.

سر دفتر عالم معانی عشق است
 سر بیت قصیده جوانی عشق است
 ای آنکه خبر نداری از عالم عشق
 این نکته بدان که زندگانی عشق است

* * *

Олам сардафтари ишқнинг имлоси,
 Ёшлик қасидасин жилва зиёси,
 Эй ишқ оламидан хабарсиз, билгил,
 Ишқ эмасми асли ҳаёт маъноси.

* * *

Молода и чиста, безгреховна любовь,
 Лишь одно в этом мире духовно — любовь.
 Кто не знает любви, не пылает любовью.
 Тот мертвец, ибо жизнь безусловно — любовь.

اسرار جهان چنانکه در دفتر ماست
 گفتن نتوان که آن و بال سرماست
 چون نیست در این مردم دانا اهلی
 نتوان گفتن هر آنچه در خاطر ماست

* * *

Жаҳон сирн бўлсин дил дафтарнда,
 Очсанг бошга бало эл назарида,
 Дилдаги ҳар гапни айтиб бўлмайди,
 Сен бу нодонлардан тургил нарида.

* * *

Тайны мира, как я записал их в тетрадь,
 Головы не сносить, коль другим рассказать.
 Средь ученых мужей благородных не вижу.
 Наложил на уста я молчанья печать.

این کهنه ریاطرا که عالم نام است
 و آرامگه ابدق صبح و شام است
 بز میست که وا مانده صد جوشیدست
 قتم ریست که تکیه گاه صد بهرام است

* * *

Бу кўп эски равот, олам унга ном, —
 Тун-кун тулпориға бор бунда ором.
 Бу эски базм юзлаб Жамшиддан қолди,
 Бу гўрда ётади юз-юзлаб Баҳром.

* * *

Мир — прибежище краткое наших страстей,
 Усыпальница пегая дней и ночей.
 Он — остатки от пиршества сотен царей,
 Он — могила героев, владык мавзолеей.

عالم همه محنتست و ایام غم است
 کردون همه آفتست و گیتی ستم است
 فی الجملة چو در کار جهان مینگرم
 آسوده کسی نیست و گر هست کم است

* * *

Олам бари меҳнат, кунларимиз ғам,
 Фалак иши офат, айёми ситам.
 Хар ён назар солдик, кўп кездик олам,
 Бирор кимса йўқдир дили хотиржам

* * *

Этот мир — средоточие зла и скорбей,
 Небосвод посылает нам беды, злодей.
 Много лет за мирской суетой наблюдаю,
 Но покуда не встретил счастливых людей.

در دایره که آمد و رفتن ماست
 انرا نه بدایت نه نهایت پیداست
 کس می نزند دمی در این معنی راست
 کاین آمدن از کجا و رفتن بکجاست

* * *

Биз келиб кетувчи тўгарак жаҳон
 На боши маълуму на сўнгги аён
 Ҳеч кимса ростини айтиб беролмас:
 Биз қайдан келдигу кетурмиз қаён.

* * *

Некий круг заключил наш приход и уход,
 В нем конца и начала никто не найдет.
 И никто еще верно сказать не сумел нам:
 Мы откуда пришли? Что за гробом нас ждет?

آبادی میخانه ز می خوردن ماست
 خون دو هزار توبه در کردن ماست
 گرم نکنم گناه رحمت چه کند
 آرایش رحمت از گنه کردن ماست

* * *

Бизлар ичамизки, майхона обод,
 Бизлар келиб майни этамиз барбод.
 Биз гуноҳ қилмасак, раҳмат қаёқда,
 Раҳмати бўлмаса қолмас эътиқод.

* * *

Эту истину знает последний дурак:
 Бросим пить — и дотла разорится кабак,
 Перестанем грешить — озадачим аллаха, —
 Он проявит свое милосердие как?

کردون کمری برتن فرسوده ماست
 جیحون اثری ز چشم پالوده ماست
 دوزخ شرری ز آه بیهوده ماست
 فردوس دمی زوقت آسوده ماست

* * *

Шұрлик умримизга чарх сиртмоқ — камар,
 Жайхун кўзимизнинг ёшидан асар,
 Беҳуда ранжимиз дўзах учқуни,
 Жаннат — умримизда тинч бир дам магар.

* * *

Небосвод — легкий пояс на плоти земной,
 А Джейхун — это слезы, пролитые мной.
 Ад — лишь искра в костре наших тщетных желаний.
 Рай — мгновенная тень, утолившая зной.

در عالم بیوفا که منزلکه ماست
 بسیار بجستم بقیاسیکه مراست
 چون روی تو ماه نیست روشن گفتم
 چون قد تو سرو نیست میگویم راست

* * *

Манзилдмиз экаи бевафо олам,
 Тинмайин истадим камоли одам.
 Сенинг ёногингдек ойни кўрмадим,
 Қаддинг мисоли сарв топмадим, санам.

* * *

В этом призрачном мире утрат и теней,
 С чем сравнить тебя — думал я множество дней.
 И решил, что лицо твое солнца светлее,
 Что прекрасный твой стан кипариса стройней.

برخیز و بده باده چه جای سخن است
 کامشب دهن تنک تو روزئی من است
 مارا چو رخ خویش می گلگون ده
 کاین توبه من چو زلف تو پر شکن است

* * *

Йўқ дема, қадаҳ тут, эй қаро кўзим,
 Бул кеч ёқут лабинг менинг ризқ-рўзим.
 Юзинг ёноғидек май қуй қадаҳга,
 Товбамда зулфингдек чигал ҳар сўзим.

* * *

Полный кубок — мой друг, собеседник и брат,
 Губы милой — мой дом и мой розовый сад.
 У ланит твоих цвет виноградного сока,
 Я в кудрях твоих, грешник, запутаться рад.

بيگانه اكر وفا كند خویش من است
 ور خویش چفا كرد بدندیش من است
 گر زهر موافقت كند ترياق است
 ور نوش مخالفت كند نیتس من است

* * *

Бегона ҳам вафо қилса, жигар менга
 Қариндошим жафо қилса, дигар менга,
 Заҳар дардга даво бўлса, тарёқдир ул,
 Асал агар ёқмас экан, заҳар менга.

* * *

Верный друг мне родня, он роднее, чем брат.
 Брат — предатель, опасней чужого стократ.
 Так бывает: привычные средства бессильны,
 А целебным лекарством окажется яд.

امروز که نوبت جوانی من است
 می نوشم از آنکه کامرانی من است
 عیبش مکن اگر چه تلخ است خوش است
 تلخ است از آنکه زندگانی من است



Букум менинг қувноқ ёшлик замоним,
 Ичамен, ушалур орзу-армоним.
 Айб қилмангиз, аччиқ бўлса-да, шароб
 Аччиқдир, чунки у ҳаётим, жоним.



Я вином отмечаю свой юный расцвет,
 Без вина ни блаженства, ни радости нет.
 В этой чаше смешались и сладость, и горечь —
 Мед надежд и отравы изменчивых лет.

می نوش که عمر جاودانی این است
 خود حاصلت از دور جوانی این است
 هنگام گل و پاده و یاران سرمست
 خوش باش دمی که زندگانی این است

* * *

Май ич мангу ҳаёт, ҳайҳот, мана шу,
 Ёшликнинг даврони, эй зот, мана шу.
 Гул фаслида маю маст улфат билан
 Бир дам шод бўл, асли, ҳаёт мана шу!

* * *

Пей вино, ибо молодость вечная в нем,
 Пей вино, ибо жизнь бесконечная в нем.
 Сядь с друзьями в саду на цветущей поляне,
 Пей вино, ибо радость беспечная в нем.

دنیا بمثال چو کوزه زرین است
 که آب در او تلخ کهی شیرین است
 تاغره مشو که عمر من چندین است
 چون اسپ عجل زیر زین است

* * *

Мисоли бир олтин кўза бу дунё,
 Суви гоҳо ширин, аччиқдир гоҳо.
 Шунча умрим бор, деб керилма асло,
 Эгарлоқдир ажал оти доимо.

* * *

Мир сияет, блестит, как кувшин золотой,
 Он пленил, опьянил нас своей красотой.
 Жаль, что конь под седлом и всегда наготове,
 Чтобы смертных умчать безвозвратной тропой.

گویند مخور باده به شعبان نه رواست
 نه نیز رجب که آن مه خاص خداست
 شعبان و رجب مه خدایست و رسول
 مادر رمضان خوریم کان خاصه ماست

* * *

Дерларки, шаъбонда май ичиб бўлмас,
 Ражаб худо ойи, ичма бир нафас.
 Шаъбон, ражаб — худо, пайғамбар ойи,
 Рамазон бизники, шунда ичсак бас.

* * *

То шабан, то раджаб — и твердят, что грешно,
 В эти месяцы пить мусульманам вино.
 Я аллаху всегда уступаю без спора:
 Подожду рамазан — и напьюсь все равно!

هر سبزه که در کنار جوئی رسته است
 گوئی ز لب فرشته خوی رسته است
 یا بر سر سبزه تا به خواری ننهی
 کآن سبزه ز خاک لاله روئی رسته است

* * *

Ариқ лабидаги ҳар гиёҳ, кўкат —
 Малакдай гўзалнинг юзидаги хат.
 Бу сабза моладек юзлар тупроғи,
 Сабзага авайлаб оёқ қўй ёрат.

* * *

Травинка каждая, что пыне возросла,
 Когда-то волоском красавица была.
 Не мни траву безжалостно, прохожий —
 Из ангельской красы она взошла.

ساقى گل و سبزه بس طربناك شده است
 در ياب كه هفته دگر خاك شده است
 مى نوش و گلى بچين كه تا درنگرى
 گل خاك شده است و سبزه خاشاك شده است

* * *

Соқий, гулу кўкат ҳозир кўп қувноқ,
 Билки, бир ҳафтада у бўлур тупроқ.
 Май ич, гул тер, кўзни юмиб очгунча
 Гул ерга тўкилур, қовжирар ўтлоқ.

* * *

Сохнут травы, и прелесть теряют цветы.
 Милый мой виночерпий, не вечен и ты.
 Пей вино. Рви цветы. Лишь мгновенье сияет
 Мир пленительной, юной, живой красоты.

این کوزه چو من عاشق زاری بوده است
 در بند سرزلف نگاری بوده است
 این دسته که بر گردن او می بینی
 دستیت که بر گردن یاری بوده است

* * *

Бу кўза мен каби ошиқ зор эди,
 Севгани қаро соч бир нигор эди.
 Кўза бўйнидаги даста бир маҳал —
 Қўл эди, ёр қучиб бахтиёр эди.

* * *

Был несчастным влюбленным вот этот кувшин,
 Сердце пылкое в сладком плену сокрушил.
 А на горлышке ручка поныне свидетель,
 Как бывали объята любви хороши.

در هر دشتی که لاله زاری بوده است
 از سرخی خون شهر یاری بوده است
 هر شاخ بنفشه کز زمین می روید
 خالیست که بر رخ نگاری بوده است

* * *

Қайдаки гулзордир, шан лолазордир,
 У ерда шаҳриёр — шоҳ қони бордир.
 Қайдаки бинафша унади ердан,
 Бир гўзал холи эди, энди ғубордир.

* * *

Тюльпан ли расцветет иль роза вспыхнет ало,
 Их кровь великих шахов напитала.
 Фиалка нежной родинкой была,
 Прелестный лик когда-то украшала.

هر ذره كه در خاك زمينى بوده است
 پيىش از من و تو تاج و نكبنى بوده است
 كرد از رخ نا زنين بازم فشان
 كان هم رخ خوب نازنينى بوده است

* * *

Бу ернинг юзида ҳар зарраки бор,
 Бир замон бўлмишди ой юзли дилдор.
 Нозанинлар юзин гардин аста арт,
 Гузал чеҳра эди бир вақт бу ғубор.

* * *

Прах летучий, что ветром взвило надо мной,
 Был когда-то прекрасной и юной княжной.
 Пыль смывай осторожнее с нежного лица —
 Это груды иль ланиты красы неземной.

ترکیب طبایع چو بکام تو دمی است
 رو شاد بزی اگر چه بر تو ستمی است
 با اهل خرد باش که اصل تن تو
 گردی و نسیمی و غباری و دمی است

* * *

Уз истагинг билан яшайсан бир дам,
 Шод ўтказ, қилсалар ҳам сенга ситам.
 Жононлар билан бўл, тананг асоси —
 Шамолу тупроғу учқун ила нам.

* * *

Вольно миг один живем на свете.
 Не горюй, что рок нам ставит сети,
 Ибо тела нашего основа:
 Искра, капля, легкий прах и ветер.

ینخانه و کعبه خانه بندگی است
 ناقوس زدن ترانه بندگی است
 محراب و کلیسا و تسبیح و صلیب
 حقا که همه نشانه بندگی است

* * *

Қаъбаю бутхона қуллик хонаси,
 Бутхона занги ҳам шум таронаси.
 Меҳробу калисо, тасбеҳу салиб —
 Барчаси қулликнинг бир нишонаси.

* * *

Заполняют мечети и церкви рабы,
 Разбивают в молитвенном рвении лбы.
 И Кааба и крест, алтари и михрабы —
 Все опутано ложью. Мы духом слабы.

خاکی که بزیر پای هر نادانی است
 کف صنمی و چهرهٔ جانانی است
 هر خشت که بر کنگرهٔ ایوانی است
 اکشت و زیر یاسر سلطانی است

* * *

Тупроқни топтайди нодон оёғи,
 Билмаски, бу жонон юзин тупроғи.
 Сарой кунгирасин безаган ҳар гишт —
 Султон калласи ё вазир бармоғи.

* * *

Пыль и прах под ногами любого глупца —
 Это лица красавиц, влюбленных сердца.
 Стали головы шахов и руки везиров
 Кирпичами, пошли на постройку дворца.

ساقی به برم گریخت یاقوت لبست
 ور آب خضر بجای آب عنیبست
 گر زهره بود مطرب و عیسی همدم
 چون دل نه بجا بود نه جای طربست

* * *

Соқий, ёнда бўлса ёқут лаб санам,
 Қадаҳингда Хизр суви бўлса ҳам,
 Зухро — мутриб, Исо бўлса-да ҳамдам,
 Шодлик бўлмас, хотир бўлмас эса жам.

* * *

Пусть у милой цветут, как рубины, уста,
 Пусть в мой кубок живая вода налита,
 Пусть Зухра — музыкант, собеседник — Иса,
 Сердцу радости нет, если в нем маета.

چون ابر بنوروز رخ لاله بشست
 برخيز و بجام ياده کن عزم درست
 کاین سبزه که امروز تماشا که تست
 فردا همه از خاک تو برخواهد رست

* * *

Лола юзин ювди ёгингар кўклам,
 Лиммо-лим қадаҳга қўл узат бардам.
 Букун сен сайр этган ушбу кўкатлар
 Эрта тупроғингдан унар жамулжам.

* * *

Под весенним дождем расцветает тюльпан,
 Почему же с утра я печален и пьян?
 Мы сегодня любимся свежими травами —
 Завтра наши могилы покроет бурьян.

گر شاخ بقا ز بیخ بخت رستست
 ور برتن تو عمر لباسی چستست
 در خیمه تن که سایه بانست ترا
 هان تکیه مکن که چار میخس سستست

* * *

Бахтингдан ободлик шохи унса ҳам,
 Ҳаётинг либоси бўлса-да хуррам.
 Тананг чодирига суянма кўпам,
 Тўрттала қозиғи сустдир, эй одам.

* * *

Пусть из корня надежды твой вырос побег,
 Тесен вечности плащ для тебя, человек.
 Держат слабые колышки полог шатровый,
 Под которым душа коротает свой век.

ساقی که لبش مفرح یاقوت است
 دل را غم او فوت و جانرا قوت است
 هر کس که تشنه کشته بطوفان غمش
 در کشتی نوح زنده در تابوت است

* * *

Соқий лабларидан ранг олмиш ёқут,
 Ғами дилга қувват, жонга берар қут.
 Ишқи тўфониди ким ғарқ бўлмади,
 Гўё Нуҳ кемаси унга бир тобут.

* * *

Цвет рубину уста подарили твои,
 Ты ушла — я в печали и сердце в крови.
 Кто в ковчеге укрылся, как Ной, от потопа,
 Он один не утонет в пучине любви.

ای چرخ فلک خرابی از کینه تست
 بیدادگری شیوه دیرینه تست
 ای خاک اگر سینه تو بشکافند
 بس گوهر قیمتی که در سینه تست

* * *

Эй фалак, донмо ҳунаринг бузмоқ,
 Эскидан одатинг зулм кўргузмоқ.
 Ер! Агар бағрингни ёриб кўрсалар,
 Чиқарди қанчалар инжу ялтироқ.

* * *

Небосвод! Ты тиранишь и губишь людей,
 Мы устали от зла и неправды твоей.
 Распороть бы, земля, твое черное брюхо —
 Сколько в нем заблестает бесценных камней!

دوران جهان بی می و ساقی هیچست
 بی زمزمه نای عراقی هیچست
 هر چند در احوال جهان مینگرم
 حاصل همه عشرتست و باقی هیچست

* * *

Соқий ва шаробсиз бу жаҳон ҳечдир,
 Ҳатто ироқ куйи, яккахон ҳечдир.
 Жаҳон аҳволига кўп назар солдик,
 Ҳосили сендирсан, ер-осмон ҳечдир.

* * *

Этот мир без иракской свирели ничто,
 Без вина и прекрасной газели — ничто.
 В этом временном мире цени наслаждение —
 Остальное в земной карусели — ничто.

آن کس که به خوبان لب خندان دادست
 خون جگری بدردمندان دادست
 گر قسمت ما نداد شادی غم نیست
 شادیم که غم هزار چندان دادست

* * *

Ул ким, гўзалларга хандон лаб бермиш,
 Дард аҳлига жигар қонин зап бермиш.
 Қисматимиз шодлик бўлмаса на ғам,
 Шодмиз, чунки ғамни минг-минглаб бермиш.

* * *

Тот кто милых красавиц с улыбкой сдружил,
 Кто в скорбящее сердце страданье вложил,
 Если счастья не дал нам — не ропщем, не плачем,
 Ибо многих он даже надежды лишил.

بر طرز سپهر خاطر م روز نخست
 لوح و قلم و بهشت و دوزخ میجست
 پس گفت مرا معلم از فکر درست
 لوح و قلم و بهشت و دوزخ با تست

* * *

Азалдан ёзилган эмиш пешонам,
 Не бор экан унда жаннат, жаҳаннам?
 Устод менга деди: қазову қалам,
 Жаннат, дўзах бари сенда жамулжам.

* * *

С детства я устремлялся душой к небесам,
 Верил сказкам про ад и другим чудесам.
 Но потом вразумил меня мудрый наставник:
 «Ад и рай в твоём сердце — запомни, Хайям!»

بر کف می لعل و زلف دلدار بدست
 بر طرف چمن کند باقبال نشست
 می نوشد و از دور فلک ننديشد
 تا آنکه شود ز باده عشرت مست

* * *

Кафтида лаълин май, ёнида санам,
 Чаманда ўтирса бахт бўлиб ҳамдам,
 Май ичиб, фалакдан ҳеч емаса ғам,
 Ишрат майин кайфин сургай шул одам.

* * *

Счастлив тот, кто сидит на зеленом лугу,
 Перед нежной любимой и чашей в долгу.
 Коль скажу что он помнит о промысле божьем
 И о воле небесной — я просто солгу.

چون نيست ز هر چه هست جز باد بدست
 چون هست به هر چه هست نقصان و شكست
 انكار كه هر چه هست در عالم نيست
 پندار كه هر چه نيست در عالم هست

* * *

Бор нарсадан қўлда қолгани шамол,
 Бор нарса йўқолур, бўлур поймол.
 Бор нарсани йўққа ҳисоб этавер,
 Йўқ нарсани бор деб этгил эҳтимол.

* * *

Наши знания о мире — догадки и бред,
 Все исчезнет, умрет — и развеется след.
 Существует не то, что нам кажется сущим,
 Ничего достоверного в сущности нет.

چون نیست حقیقت و یقین اندر دست
 نتوان بامید شك همه عمر تشست
 هان تا ننهیم جام می از کف دست
 در بیخبری مرد چه هشیار و چه مست

* * *

Бўлмагач ҳақиқат қўлингда аён,
 Утмассен бутун умр кўнгилда гумон,
 Яхшиси май жомин қўлдан қўймайин,
 На масту на хушёр бўлайлик шодон.

* * *

Может, истина — ложь, а наука мертва —
 Не давай бесполезным сомненьям права.
 Выпей чашу, чтоб сердце твое веселилось,
 Но чтоб трезвой и ясной была голова.

يارى كه دلم ز بهر او زار شدست
 او جاى دگر به غم گرفتار شدست
 من در طلب داروى خود چون گوشم
 چون آنكه يزشك ماست بيمار شدست

* * *

Дилим бўлган эди битта ёрга зор,
 У ўзга бир ерда ғамга гирифтор.
 Мен ундан ўзимга дору изласам,
 Нетай, табибимнинг ўзи ҳам бемор.

* * *

Красавица, что сердце мне разбила,
 Сама в силок любовный угодила.
 Могу ль себе лекарство я найти,
 Когда в огне недуга лекарь милый?

ساقى غم من بلند آوازہ شدست
 سرمستی من برون ز اندازہ شدست
 با موی سپید سر خوشم کز خط تو
 پیرانه سرم بہار دل تازه شدست

* * *

Соқий, менинг ғамим овоза бўлмиш,
 Мастлигим ҳам хўп беандоза бўлмиш.
 Мўйсафиду шодмен, чунки хатингдан —
 Оқ бошим баҳору дил тоза бўлмиш.

* * *

Был вчера я усталым, угрюмым, седым,
 С юной пери сегодня я стал молодым.
 Расцветает душа, как весенняя роза,
 И бывые печали развеялись в дым.

چون لاله به نوروز قدح گیر به دست
 با لاله رخی اگر ترا فرصت هست
 می نوش به خرمی که این چرخ کهن
 ناکاه ترا چو خاک گرداند دست

* * *

Лоладек қадаҳ тут навруз айёми,
 Лолаюз ёр ила хушдир дил коми.
 Шодлик ила май ич, фируза фалак
 Тупроқ қилур, охир, шул иш анжоми.

* * *

В день навруза свой кубок — тюльпан подними,
 Розоликую гурию к сердцу прижми.
 Пей вино, ибо все мы в земле растворимся —
 Церемониться небо не любит с людьми.

اکنون که گل سعادتت بر بارست
 دست تو ز جام می چرا بیکارست
 می خور که زمانه دشمنی غدارست
 در یافتن روز چنین دشوارست

* * *

Бу кун бахтинг боғи гулта тўқиндир,
 Қўлинг нечун майсиз, юрагинг тиндир.
 Май ичгил, замона алдамчи бир ёв,
 Бундай кунин топмоқ жуда қийиндир.

* * *

Пышным цветом удача твоя расцвела —
 Что ж кувшин без вина и пуста пиала?
 Пей вино, ибо враг наш — коварное время —
 Завтра снова разденет тебя догола.

ساقی دل من ز مرده فرسوده ترست
 کو زیر زمین ز من دل آسوده ترست
 هر چند بخون دیده دامن شویم
 دامان ترم ز دیده آلوده ترست

* * *

Соқий, дилим хароб ўлик жондан ҳам,
 Ўлик ер остида ётар хотиржам.
 Қон ёшим этакни шундай юварки,
 Этагим кўзимдан ифлосроқ ва нам.

* * *

Изболелся я сердцем, печалью убит
 И завидую тем, кто в могиле лежит.
 Не могу отыскать я дорогу к спасенью —
 Видно грешник великий, я богом забыт.

هر نیکی و بدی که در نهاد بشر است
 هر شاد و غمی که در قضا و قدر است
 با چرخ مکن حواله کاندر ره عقل
 چرخ از تو هزار بار بیچاره تر است

* * *

Қиши ўзлигидан яхши, ёмон ҳам,
 Қазову қадару қувонч ёки ғам.
 Ақл айтур буларни чархга тўнкама,
 Чарх сендан ожизроқ бечора-ю кам.

* * *

В том, что подл человек и безмерно высок,
 Что судьба к нам добра, но безжалостен рок,
 Не вини небосвод — он несчастней тебя:
 Рад он сеять добро, да хозяин жесток.

ز آن باده که عمر را حیاتی دگرست
 پر کن قد حی کرچه ترا درد سرست
 بر نه کفم که کار عالم بیثمرست
 بشتاب که عمر هر دمی در گذرست

* * *

Ҳаётга ўзга тус бергувчи шароб —
 Келтир, қадаҳга қуй, бўлса ҳам азоб,
 Қўлга бер, оламнинг ишлари хуноб,
 Ҳар нафас умр ўтар, айлагил шитоб.

* * *

Не ленись и наполни мой кубок вином,
 Что нам мир представляет в обличье ином,
 Это лучшее, чем нас господь утешает
 Перед тем, как навеки забудемся сном.

در دهر پر نهال تحقیق نرست
 زیرا که در این راه کسی نیست درست
 هر کس زده است دست در شاخی سست
 امروز چودی شناس و فردا چو نخست

* * *

Ҳақиқат ниҳолин ўстирмас гардун,
 Хоҳи бефарқ бўлгил, хоҳи кўп куюн.
 Фалак айланиши ўзгармас жиндек,
 Бугунни кеча бил, эртани бугун.

* * *

Нет, не вырастет в мире познания побег,
 Ибо волей и разумом слаб человек.
 Тянем руки к бесплодной и высохшей ветке —
 Мы невеждами были и будем весь век.

هشدار که روزگار شورانگیز است
 ایمن منشین که تیغ دوران تیزست
 در کام تو گر زمانه لوزینه نهد
 زنهار فرو مبر که زهر آمیزست

* * *

Ҳушёр бўл, ёғдирар бало бу жаҳон,
 Хотиржам ўтирма, наштар бу даврон.
 Оғзингга ширинлик солганида ҳам
 Зинҳор юта кўрма, оғуси пинҳон.

* * *

От коварной судьбы не дождешься наград,
 Острый меч ее все сокрушает подряд.
 И халву, что судьба тебе в рот положила,
 Не спеши проглотить: в ней окажется яд.

دل گفتم مرا علم لدنی هوست
 تعلیم کن اگر ترا دست رسست
 گفتم که الف گفت: دگر هیچ مگو
 در خانه اگر کس است یک حرف بسست

* * *

«Илоҳиёт илмин ўргат», деди дил,
 Агар ўзинг билсанг менга баён қил.
 «Алиф» деган эдим «бас» деди менга,
 «Бир ҳарф ҳам етади» ким бўлса оқил.

* * *

Не дает мое сердце покоя уму,
 Просит сердце о божь поведать ему.
 Ум воскликнул: «Алиф!» Сердце тут же сказало:
 «Эту истину и с полуслова пойму».

هر دل که اسیر محنت اوست خوشست
 هر سر که غبار سر آن کوست خوشست
 از دوست به ناولک غم آزرده مشو
 خوش باش که هر چه آید از دوست خوشست

* * *

Дил — унинг дардига тўлса яхшидир,
 Бош — йўлин тупроғи бўлса яхшидир,
 Ғам тигин дўст отса, унга ранжима,
 Ҳар нарса дўстингдан келса яхшидир.

* * *

Быть в плену у любви, сердце, сладко тебе,
 В прах склонись, голова, перед милой в мольбе.
 Не сердись на капризы прекрасной подруги,
 Будь за то, что любим, благодарен судьбе.

خورشید سپهر بیزوالی عشقست
 مرغ چمن نجسته فالی عشقست
 عشق آن نبود که همچو بلبل نالی
 هر که که بمیری و نالی عشقست

* * *

Ишқдир абадийлик авжида офтоб,
 Ҳаёт чаманида толедан хитоб.
 Булбул каби нола қилмоқ ишқ эмас,
 Ишқ — нола қилмаслик бўлсанг юз хароб.

* * *

Славно солнце, сияет царица — любовь,
 К нам с небес залетевшая птица — любовь.
 Не любовь — соловьиные сладкие трели,
 Страсть, что в сердце глубоко таятся — любовь.

نازم به خرابات که اهلیش اهلست
 چون نیک نظر کنی بدش هم سهلست
 از مدرسه بر نخاست یک اهل دلی
 ویران شود این خرابه دار الجهلست

* * *

Харобат аҳлидир инсоний инсон,
 Улардан бировга етмайди зиён.
 Мадрасадан чиқар барча ёмонлик,
 Қўлимдан келсайди, қилардим вайрон.

* * *

Видел разных людей я в стенах кабаков,
 Пил вино с мудрецами, терпел дураков.
 В медресе я встречал лишь одних остолопов —
 Я бы снес эти гнезда на веки веков.

يا رب تو كريمى و كريمى كرمست
 عاصى ز چه رو برون زباغ ارمست
 با طاعتم ارغفو كنى نيست كرم
 يا معصيم اگر ببخشى كرمست

* * *

Ё раб, сен Қаримсен, карими карам,
 Нечун осийларга берк боғи Эрам.
 Сиғинсам, кечирсанг — бу карам эмас,
 Гуноҳим кечирсанг — карамдир, карам.

* * *

Зачем, о господи, ведь ты великодушен,
 Из рая изгнан тот, кто твой запрет нарушил?
 Не милосердие, коль ты простишь покорного, —
 Прости меня тогда, когда я не послушен.

گویند مرا که دوزخی باشد مست
 قولیست خلاف دل در آن ننوان بست
 گر عاشق و مست دوزخی خواهد بود
 فردا بینی بهشت همچون کف دست

* * *

Мастлар дўзахийдир, деб айтсалар, сиз
 Бу хилоф сўзларга кўнгил бермангиз,
 Ошиқлару мастлар дўзахга тушса,
 Жаннат кафтдек тақир қолгуси сўзсиз.

* * *

Верят, будто бы пьяниц ждет адский огонь —
 Этой дикою ложью мне сердце не тронь!
 Если б в ад всех влюбленных и пьяниц согнали,
 Завтра б рай опустел, голым стал, как ладонь.

صد خانه ز خوناب دلم ویرانست
 وز گربه زار بیم صد چندانست
 از هر مژه ناودان خونست روان
 گر من مژه را بهم زخم طوفانست

* * *

Юрагим қонидан юз хона вайрон,
 Уввос тортувимдан қўрқинч юз чандон,
 Ҳар бир кипригимда қон дарёси бор,
 Киприқлар юмилса бошланур тўфон.

* * *

Кровь из сердца рекою — деревне беда,
 Хлынут слезы — и город снесут без следа.
 Грусть ручьями струится по влажным ресницам,
 А сомкну их, потоп неизбежен тогда.

می لعل مذا بست و صراحی کانست
 جسم است پیاله و شرابش جانست
 آن جام بلورین که زمی خندانست
 اشکیست که خون دل در او پنهانست

* * *

Май балқиган ёқут, кўза-чи кондир,
 Қадаҳи бадану шароби жондир.
 Биллурин бу қадаҳ майдан хандондир,
 Кўз ёшдир, дил қони унда пинҳондир.

* * *

Для рубина вина ты — рудник, мой кувшин,
 Пиала без вина — лишь сосуд без души.
 Видишь: кубок хрустальный вино оживило —
 Это слезы и кровь закипают в тиши.

تا هشیارم طرب زمن پنهانست
 چون مست شدم در خردم نقصانست
 حالست میان مستی و هشیاری
 من بنده آن که زندگانی آنست

* * *

Ҳушёр бўлсам мендан хурсандлик йироқ,
 Маст бўлсам, ақлимдан ажрайман бироқ.
 Мастлигу ҳушёрлик оралиги бор
 Ҳаёт шу, унга қул бўлсам яхшироқ.

* * *

Без вина наслажденья не знает душа,
 Выпью — разум меня покидает, спеша.
 Только в пьяном бреде и бываю счастливым,
 В нем восторг несказанный, им жизнь хороша.

می خوردن و شاد بودن آئین منست
 فارغ بودن ز کفر و دین، دین منست
 گفتم به عروس دهر: کابین تو چیست
 گفتا: دل خرم تو کابین منست

* * *

Май ичиб қувонмоқ ойним менинг,
 Куфру дин билмаслик соф диним менинг.
 Дунё келинидан қалинин сўрдим,
 Деди: шод дилингдир қалиним менинг.

* * *

Мой закон — только в чаше искать благодать,
 Не хочу ни безверьем, ни верой страдать.
 Я спросил о калыме — судьба отвечает:
 «Ты веселое сердце мне должен отдать!»

یا باده نشین که ملک محمود اینست
 و ز جنگ شنو که سخن داود اینست
 از آمده و رفته دگر یاد مکن
 حالی خوش باش ز آنکه مقصود اینست

* * *

Бода ичгил, мулки Маҳмуд мана шу,
 Чанг эшитгил, базми Довуд мана шу.
 Келиб кетишингдан гапирма энди,
 Умрингни шод ўтказ, мақсуд мана шу.

* * *

Чашу полную с царством Махмуда сравню,
 Звоны лютии с напевом Дауда сравню.
 И рожденье, и смерть размышлений не стоят —
 С чем я жизни великое чудо сравню?

ساقی که رخت ز جام جمشید بهست
 مردن برهت ز عمر جاوید بهست
 خاک قدمت که چشم من روشن از اوست
 هر ذره ز صد هزار خورشید بهست

* * *

Соқий, юзинг — жоми Жамшиддан яхши,
 Иўлингда ўлмоқ — умри жовиддан яхши.
 Қадаминг чангидан кўзларим равшан,
 Ҳар зарраси юз минг хуршиддан яхши.

* * *

Лик твой прелестью чашу Джамшида затмил,
 Я с тобою о райском блаженстве забыл.
 Я следы твоих ног, как святыню, целую.
 Ты прекрасней и чище ста тысяч светил.

آن به که در این زمانه کم گیری دوست
 با اهل زمانه صحبت از دور نکوست
 آنکس که بزندگی ترا تکیه بر اوست
 چون چشم خرد باز کنی دشمنت اوست

* * *

Бу замон дўстни кам орттирмоқ маъқул,
 Аҳли замонадан узоқроқ бўлгил!
 Суянчиғинг бўлиб кўринган кимса,
 Кўзинг очсанг душман чиқади нуқул.

* * *

Много зла и коварства таится кругом,
 Ты друзей не найдешь в этом стаде людском.
 Каждый встречный тебе представляется другом,
 Подожди: он окажется лютым врагом.

ترکیب پیاله که در هم پیوست
 بشکستن آن روا نمیدارد مست
 چندین سروپای نازنین از سردست
 بر مهر که پیوست و بکین که شکست

* * *

Маст қўлига тушса пиёла, асло
 Уни синдирмоқни кўрмайди раво.
 Шунча нозанинлар қўл, бош чаноғин
 Ким синдиради, ким берганди оро!

* * *

Все, что аллах на земле создает,
 Права разбить никому не дает.
 Сам же безжалостно нас разбивает —
 Мудрость творца разве смертный поймет?

يك جرعهء مى زمك كاوس بهست
 از تخت قباد و ملك طوس بهست
 هر ناله كه رندى به سحرگاه زند
 از طاعت زاهدان سالوس بهست

* * *

Бир қултум май мулки Кобусдан яхши,
 Қубод пойтахти — у Тусдан яхши.
 Ошиқлар саҳар пайт чеккан ҳар бир оҳ
 Зоҳиддаги сохта товушдан яхши.

* * *

Если даже все царства земные пройдешь,
 В мире лучше вина ничего не найдешь.
 Вздох из сердца влюбленного, право, приятней
 Бормотанья молитв лицемерных святош.

چندین غم مال و حسرت دنیا چیست
 هرگز دیدی کسی که جاوید یزیت
 این چند نفس در تن تو عاریتست
 با عاریتی عاریتی باید زیست

* * *

Мол-дунё ҳасрати қилмасин афгор.
 Мангу яшар киши қани, қайда бор?
 Бир неча нафасинг танда омонат,
 Омонатга омонат бўлмоқлик даркор.

* * *

Полно, друг, о мирском горевать и тужить, —
 Разве вечно кому-нибудь выпало жить?
 Эти несколько вздохов даны нам на время,
 А имуществом временным что дорожить?

خیام برای گنه این ماتم چیست
 و ز غم خوردن فائده بیش و کم چیست
 گر هیچ گنه نباشدی غفران چیست
 غفران ز برای گنه آمد غم چیست

* * *

Хайём, гуноҳим, деб мотам нечун, хӯш?
 Фойдасиз, кўпми-оз бу ғам нечун, хӯш?
 Гуноҳни кечишга карами бор-ку,
 Ҳеч гуноҳ бўлмаса, карам нечун, хӯш?

* * *

Грех Хайям совершил и совсем занемог,
 Пребывает в плену бесполезных тревог,
 Верь, господь потому и грехи позволяет,
 Чтoб потом нас простить он по-божески мог.

ابر آمد و باز بر سر سبزه گریست
 بی باده گلرنگ نمی باید زیست
 این سبزه که امروز تماشا که ماست
 تا سبزه خاک ما تماشا که کیست

* * *

Сабзага ёш тўкди булут келибоқ,
 Жуда ҳайф қирмизи майсиз яшамоқ,
 Бизларга сайр жойи ҳозир бу ўтлоқ,
 Қимга сайргоҳ бўлур бизларнинг тупроқ.

* * *

Снова дождь над лужайкою плачет, уныл,
 Нет вина, алых уст — мир пуст и немил.
 И трава, что сегодня нам радует взоры,
 Завтра вырастет буйно из наших могил.

خوش آنکه در این زمانه آزاده بزیست
 خرسند بهر چه کش خدا داده بزیست
 وین یکدم عمر را غنیمت بشمرد
 آزاده و با ساده و با باده بزیست

* * *

Хушвақт ким бу замон озод яшади,
 Худо берганларин қўймай ошади,
 Ким ғанимат билди бир дам умрни,
 Қўлда май, озоду дилшод яшади.

* * *

Тот блажен, кто не стал в наше время рабом
 В нечестивой погоне за жирным куском,
 Кто свой век не губил ни постом, ни молитвой,
 Вольно жил, просто жил, наслаждался вином.

این کوزه که آنجواره مزدور است
 از دیده شاه است و دل دستور است
 هر کاسه می که بر کف مخمور است
 از عارض مستی و لب مستور است

* * *

Бу кўзаданки сув ичар мардикор,
 Бунда шоҳнинг кўзи, саркор дили бор.
 Маст рухсори, мастон лаълин лабидан
 Бўлган майни хўпам сипқарар хумор.

* * *

Тот кувшин, что сегодня поит бедняка,
 Гордым сердцем царя был в другие века.
 Из рубиновых уст и ланит белоснежных
 Сделан кубок, что пьяницы держит рука.

شادی مطلب که حاصل عمر دمیست
 هر ذره ز خاک کیقبادی و جمیست
 احوال جهان و بلکه گیتی یکسر
 خوابی و خیالی و فریبی و دمیست

* * *

Шодлик истама, қўй, умринг бир дамдир,
 Тупроқда ҳар зарра Қайқубод, Жамдир.
 Жаҳону борлиқнинг иши бирйўла —
 Уйқудир, хаёлдир, ҳийладир, ғамдир.

* * *

Жизнь — не клики веселья, а горестный стон,
 Наши дни — слабый отблеск великих времен.
 Все деяния нашего мрачного мира —
 Лишь мгновенье, обман, наважденье и сон.

امروز ترا دسترس فردا نیست
 و اندیشه فردات بجز سودا نیست
 ضایع مکن این دم از دلت شهیدا نیست
 کاین باقی عمر را بها پیدا نیست

* * *

Ўз эркинга эмас, ахир, эрта кун,
 Эртангни кўп ўйлаб бўлма жигархун.
 Бу дамни бекорга кетказма асло,
 Билиб қўй, дунёга бўлмайсан устун.

* * *

Взору смертных закрыта грядущего даль,
 Размышлять о грядущем мне времени жаль.
 Если ты не безумец, живи настоящим,
 Не впускай в свое сердце тоску и печаль.

کنه خردم در خور اثبات تو نیست
 و اندیشه من بجز مناجات تو نیست
 من ذات ترا بواجبی کی دانم
 داننده ذات تو بجز ذات تو نیست

* * *

Сенинг исботингга етмайди ақлим,
 Номинг такроридан бўшамас тилим,
 Зотингни мен қандай била оламен,
 Уни билур сендан ўзга яна ким?

* * *

Есть ли бог или нет — даже думать грешно,
 Эти споры до нас разрешили давно.
 Не сравнишься ты с богом, бунтующий грешник,
 И понять тебе сущность его не дано.

در پرده اسرار کسی را ره نیست
 زین تعبیه جان هیچ کس آگه نیست
 جز در دل خاک هیچ منزلگه نیست
 می خور که چنین فسانه ها کوته نیست

* * *

Сирлар пардасига йўл йўқ ҳеч қандоқ,
 Ҳеч ким ечган эмас — бу чигал жумбоқ.
 Бизларга бирдан-бир манзилдир тупроқ,
 Май ич, бу эртақлар узундан-узоқ.

* * *

Тайны вечности скрыты надежно от нас,
 Нам неведом с душой расставания час.
 Нет пристанища, кроме глубокой могилы,
 Пей вино, этой жизни недолог рассказ.

در عشق تو از ملامت تنگی نیست
 با بیخبران در این سخن جنگی نیست
 این شربت عشق داروی مردانست
 نامرد انرا از این قدح رنگی نیست

* * *

Ишқингдан йўқ менга ору маломат,
 Ишқдан беҳабарга қилмам ишорат.
 Бу ишқ шаробидир мардларга дори,
 Но мардларга насиб бўлмас бу роҳат.

* * *

За любовь к тебе пусть все осудят вокруг,
 Мне с невеждами спорить, поверь, недосуг.
 Лишь мужей исцеляет любовный напиток,
 А ханжам он приносит жестокий недуг.

ای وای بر آن دل که در او سوزی نیست
 سودا زده مهر دل افروزی نیست
 روزی که تو بی عشق بسر خواهی برد
 ضایع تر از آن روز ترا روزی نیست

* * *

Муҳаббат ўтида ёнмаса кўнгил,
 Ҳолига вой, дегил, бемору захил.
 Муҳаббатсиз ўтган ҳар бир кунинг, бил:
 Умрингдан беҳуда кетмиш бе ҳосил.

* * *

Горе сердцу, где страсти угасли давно —
 Ведь ему ни любить, ни страдать не дано.
 День, который прошел без вина и без милый,
 Прокляни и забудь — он не в счет все равно.

راز از همه مردمان نهان باید داشت
 و اسرار نهان ز ناکسان باید داشت
 بنگر که چه میکنی تو با خلق خدای
 چشم از همه مردمان همان باید داشت

* * *

Нокастан сир беркит, тилингни боғла,
 Аблаҳдан яширин бұлмоқни чоғла,
 Кимлигинг билгали — инсонларга боқ,
 Кўзинг кўрганидан қадринг сўроғла.

* * *

Если тайну имеешь — надёжно храни,
 Благородства не жди в наши подлые дни.
 Ты и сам не привык быть с людьми деликатным,—
 И с тобой обойдутся не лучше они.

آنکو سطری ز عقل در دل بنگاشت
 يك لحظه ز عمر خویش ضایع نگذاشت
 یا در طلب رضای ایزد کوشید
 یا راحت خود گزید و ساغر برداشت

* * *

Кимдаки ақлдан бирон сатр бор,
 Умрин бир лаҳзасин ўтказмас бекор.
 Ё худо карамин истаб ўтади.
 Ё роҳатин кўзлаб, май ичар бисёр.

* * *

Если мудрость начертана в сердце строкой,
 Значит, будет в нем ясность, любовь и покой.
 Надо либо творцу неустанно молиться,
 Либо чашу поднять беззаботной рукой.

تا چند زخم بروی دریاها خشت
 بیزار شدم ز بت پرستان کنشت
 خبام که گفت دوزخی خواهد بود
 که رفت بدوزخ و که آمد ز بهشت

* * *

Уриндим қўяй деб сув узра ғиштни,
 Бутхона истамас бу хил хоҳишни.
 Э Хайём, ким айтар дўзахийсан деб,
 Ким бориб кўрибди дўзах-беҳиштни?

* * *

Воду в ступе давно надоело толочь,
 Прогоню я святош и безбожников прочь!
 То мне рай обещают, то адом стращают,
 А ведь в сущности, чем они могут помочь?

چون آب به جویبار و چون باد بدشت
 روز دگر از عمر من و تو بگذشت
 تا من باشم غم دو روزه نخورم
 روز یکه نیامدست و روزی که گذشت

* * *

Бир-икки кунлик умр ўтади дарҳол,
 Дарёда сув каби ё чўлда шамол.
 Кетган ва келмаган ҳар икки куннинг
 Ғамини эслатиб, кўп берма малол.

* * *

Словно ветер в пустыне, как в речке вода,
 Жизнь пройдет, прошумит, не оставив следа.
 И покуда живу, я и думать не стану:
 Кем я был и уйду без возврата куда?

بسیار بگشتیم بگرد که و دشت
 از گشتن من کار جهان نیک نگشت
 خرسندم ازان که عمر من با همه رنج
 گر خوش نگذشت باز خوش خوش بگذشت

* * *

Ўру қир айландик, хўп кездик олам,
 Ишимиз ўринлаб тузалмади ҳам.
 Ноқулай замонда ўтган умримиз
 Яхши ўтмаса ҳам ўтолди кам-кам.

* * *

Я скитался всю жизнь по горам и долам,
 Но несколько свои не поправил дела.
 Я доволен и тем, хоть превратности были,
 Все же жизнь и приятного много дала.

من هیچ ندانم که مرا آنکه سرشت
 از اهل بهشت کرد یا دوزخ زشت
 جامی و بتی و بربطی بر لب کشت
 این هر سه مرا تقد و ترا نسیه بهشت

* * *

Билмадим, қорилган чоғида лойим,
 Жаннатми, дўзахдан аталган жойим.
 Менга нақд бўлса бас ёр, чолғу, шароб,
 Нася жаннат сенга бўлсин ҳар доим.

* * *

Я не знаю, каких удостоюсь наград:
 Уготован мне рай или мерзостный ад?
 Вам — обещанный рай, мне же дайте сегодня
 Здесь красавицу, чашу с вином и барбат.

در فصل بهار اگر بتی حور سرشت
 يك ساغر می دهد مرا پرلپ گشت
 هر چند بنزد عامه این باشد زشت
 سگ به ز من است اگر برم نام بهشت

* * *

Баҳор айёмида гўзал паризод —
 Бир коса май бериб, дилим этса шод,
 Кишилар наздида хунук бўлса ҳам,
 Ит бўлай, жаннатни бир бор қилсам ёд.

* * *

Коль на ярком лугу в блеске вешнего
 Чашу пери мне даст, красотою пьяня,
 Как хотите, о люди, меня назовите,
 Если вспомню о рае — пес лучше меня.

گر چند که از گناه بدبختم و زشت
 نومید نیم چو بتپرستان کنشت
 میرم چو که سحر ز مخموری باز
 می خواهم و معشوقه نه مسجد نه کنشت

* * *

Бадбахтмен, гуноҳдан ҳеч қутулмадим,
 Аммо ўтпарастдек ноумид бўлмадим,
 Тонг чоғи уйғонсам бош огриғидан,
 Маю маъшуқ керак, жаннат демадим.

* * *

Я несчастен и мерзок, подвержен грехам,
 Только жертв приносить не намерен богам,
 Коль с похмелья трещит голова по утрам,
 Верный кубок излечит меня, а не храм.

در چشم محققان چه زیبا و چه زشت
 منزلکه عاشقان چه دوزخ چه بهشت
 پوشیدن بیدلان چه اطلس چه پلاس
 زیر سر عاشقان چه بالین و چه خشت

* * *

Муҳаққиқ наздида хуш, бад сурат — бир.
 Ошиқ манзилида дўзах, жаннат — бир.
 Бедиллар либоси атласми, палос,
 Ошиқлар ёстиғи пар, гишт, кўкат — бир.

* * *

Тот, кто страстью горит, быть слепым обречен,
 Ад нль рай — для влюбленного все нипочем.
 Не заметят влюбленные, что им постелят,
 Или даже подушку набьют кирпичом.

فصل گل و طرف جویبار و لب کشت
 با یک دو سه اهل و لعبتی حور سرشت
 پیش آرقدح که باده نوشان صبح
 آسوده ز مسجدند و فارغ ز کنشت

* * *

Гул фасли, сув бўйи, кўкаламда гар
 Бўлса уч-тўрт улфат, ой юзли дилбар,
 Қадаҳни сипқаргил, тонгда ичганлар —
 Масжиду черковдан қутулгандирлар.

* * *

Среди роз у ручья в благовонной тени
 Пир для друга и пери, Хайям, сочини.
 Помни: тот, кто с утра поклоняется чаще,
 Тот мечети и церкви не чтит искони.

چون چرخ بكام يك خردمند نكشت
 تو خواه فلک هفت شمر خواهی هشت
 چون باید مرد و آرزوها همه هشت
 چه مور خورد بگور و چه گرگ بدشت

* * *

Бир доно коми-ла чарх айланмайдир,
 Сонини саккиз де, етти барибир.
 Улгач-ку қолмайди орзунг, танангни
 Гўрда чумоли ер, ё қирда қашқир.

* * *

Знает твердо мудрец: не бывает чудес,
 Он не спорит — там семь или восемь небес.
 Раз пылающий разум навеки погаснет.
 Не равно ль — муравей или волк тебя съест?

تاکی ز چراغ مسجد و دود کنشت
 تا چند زیان دوزخ و سود بهشت
 بر لوح قضا نگر که از دور ازل
 استاد هر آنچه بودنی بود نوشت

* * *

Токай бутхона-ю масжиддан дейсан,
 Токай жаҳаннаму беҳиштдан дейсан?
 Тақдир лавҳасин кўр, қалам устоди —
 Бўлар ишнинг барин ўшанга чеккан.

* * *

Я твоей болтовне богомольной не рад,
 Рай, конечно, прекрасен и мерзостен ад,
 Тот, кем судьбы начертаны наши с тобою,
 Дал нам жизнь, и грехи, и позор напрокат.

ما با مى و معشوق و شما دیر و کنشت
 ما اهل جحیمیم و شما اهل بهشت
 تقصیر من از روز ازل چیست بگوی
 نقاش چنین به لوح تقدیر نبشت

* * *

Бизга маю маъшуқ, сизга дайр ташвиш,
 Сиз жаннат аҳли-ю, бизга дўзахмиш.
 Азал гуноҳимиз нима, айтинг-чи,
 Тақдир лавҳасида шундай ёзилмиш.

* * *

Нам вино и любовь, вам — кумирня и храм,
 Нам — назначенный ад, рай достанется вам.
 Только в чем мы виновны, когда до рожденья
 Начертал наши судьбы Предвечный Калам.

در صومعه و مدرسه و دیر و کنشت
 فرسنده ز دوزخند و جویای بهشت
 آنکس که ز اسرار خدا باخبرست
 زین تخم در اندرون دل هیچ نکشت

* * *

Масжиду бутхона, Каъбада ё-ху,
 Жаннатдан умиду, дўзахдан қўрқув.
 Фақат дунё сирин англаган қалбдан
 Абадий қувилмиш бу ташвиш, қайғу.

* * *

Всем нам хочется в рай и не хочется в ад —
 И мечети, и церкви на этом стоят.
 Но мудрец, прочитавший Великую Книгу,
 Адских мук не страшится и раю не рад.

کویند ترا بهشت با حور خوشست
 من میگویم که آب انگور خوشست
 این تقد بگیر و دست از آن نسیه بشوی
 گآواز دهل شنیدن از دور خوشست

* * *

Дерлар: жаннатда ҳур бўлмоғи яхши,
 Менга узум сувин булоғи яхши.
 Чунки насясидан нақдроғи яхши,
 Ноғора товушин узоғи яхши.

* * *

Обещают нам гурий прекрасных в раю,
 Но прекраснее та, с кем сегодня я пью.
 Издалека лишь бой барабанный приятен —
 Дайте здесь, а посулы я вам подарю.

ای آمده از عالم روحانی تفت
 حیران شده در پنج و چهار و شمس و هفت
 می خور چو ندانی از کجا آمده
 خوش باش ندانی بکجا خواهی رفت

* * *

Эй руҳ оламидан келган мудаббир,
 Тўрт, беш, олти, етти деб ҳайрон, дилгир.
 Май ич, билолмайсан қаёқдан келдинг,
 Шод бўл, билмайсен йўл қаёқдир охир.

* * *

Ты не собственной волей явился сюда,
 Проживешь и уйдешь, не оставив следа.
 Пей вино, потому что не знаешь откуда,
 Веселись, потому что не знаешь куда.

چون بلبل مست راه در بستان یافت
 روی گل و جام باده را خندان یافت
 آمد بزبان حال در گوشم گفت
 دریاب که عمر رفته را نتوان یافت

* * *

Маст булбул йўл олди гулистон томон,
 Унда топди бода ҳам гули хандон.
 Юрак тили билан шивирлаб айтди:
 «Бўш қўйма, ўтган умр қайтмас ҳеч қачон!»

* * *

Улыбаётся роза над чашей с вином,
 Соловей ольянул и в восторге хмельном.
 Шепчет на ухо мне: «Этот миг не вернется!
 Что прошло, станет пеплом, развеется сном».

مهتاب به نور دامن شب بشکافت
 می نوشدمی بهتراز این نتوان یافت
 خوش باش و میندیش که مهتاب بسی
 ندر سرخاک یک بیک خواهد تافت

* * *

Қаро тун этагин тилди ой нури,
 Бундай дам ўзгадир майнинг ҳузури.
 Май ичиб хаёл қил, биздан кейин ҳам
 Нур сочаверади осмон суҳсури.

* * *

Лунным ясным сияньем весь мир озарен,
 Миг лови — радуй сердце, будь пьян и влюблен.
 Мы уйдем — станем прахом, нас мир позабудет.
 А луна, как всегда, озарит небосклон.

چون کار نه پر مراد ما خواهد رفت
 اندیشه و جهد ما کجا خواهد رفت
 پیوسته نشسته ایم در حسرت آنک
 دیر آمده ایم و زود میباید رفت

* * *

Ҷаёт бӯйсунмагач бизнинг тилакка,
 Хаёлу ғайратинг чиқар пучакка.
 Эрта-кеч ҳасратин чекамиз пайваст,
 Кеч келдик, тез етди вақт ҳам кетмакка.

* * *

Раз не нашею волей вершатся дела,
 Беззаботному сердце и честь и хвала.
 Не грусти, что ты смертен, не хмурься в печали,
 А не то тебе станет и жизнь не мила.

ساقى دل من ز دست اگر خواهد رفت
 درياست کجا ز خود بدر خواهد رفت
 صوفى چو ظرف تنک پر از جهل ست
 يك جرعه اگر خورد به سر خواهد رفت

* * *

Соқий, дилим тўлиб-тошмоқчи бўлса,
 У — денгиз, тошмайди қанчалар тўлса.
 Суфий дили лим-лим жаҳлга тўла
 Бошга чиқар қултум май юта қолса.

* * *

Если сердце мое отобьется от рук,
 Приютит его мир: он, как море, вокруг.
 Я не суфий-невежда, сосуд узкогорлый,
 Что от капли вина окачурится вдруг.

آن قصر که جشید در او جام گرفت
 اهو بیچه کرد و روبه آرام گرفت
 بهرام که گور میگرفتی همه عمر
 دیدی که چه گونه گور بهرام گرفت

* * *

Бу саройда Жамшид ичар эди жом,
 Энди кийик, тулки олади ором.
 Бир умр қулонлар овлар эди у,
 Улимга қулондай овланди Баҳром.

* * *

Средь развалин дворца, где Джамшид пировал,
 Лань рождает детей, бродят лис и шакал.
 Где Бахрам расставлял на онагров ловушки,
 Там ловушка, в которую сам он попал.

در بزم خرد عقل دلیلی سره گفت
 در روم و عرب میمنه و میسره گفت
 گر گفت کسی که نا سره باشد می
 من کی شنوم چونکه خدا می سره گفت

* * *

Лалил топдим ақлим қайнаган онда,
 Румдами, арабда, ҳамма томонда —
 Май харом десалар, ишонмайман ҳеч,
 «Майсара...» деган-ку худо қуръонда.

* * *

Убеждают рассудок и разум давно:
 Чашу чтить позволяют все веры равно.
 И неправда, что пить нам аллах запрещает.
 Он сказал: «Майсара», то есть! «Пейте вино».

تو از بی شهوت و هوا خواهی رفت
 از من خبرت که بی نوا خواهی رفت
 بنگر چه کسی و از کجا آمده
 میدان که چه میکنی کجا خواهی رفت

* * *

Сени етакласа ҳавому ҳаво,
 «Мендан хабар ол», дер дили бенаво,
 Назар сол, ўзинг ким ва қайдан келдинг,
 Бил, қайга кетурсан, бошда не бало?

* * *

Если прихоть и похоть владеют тобой.
 Ты идешь нечестивой и ложной тропой
 Нужно помнить, что в мир ты пришел человеком,
 Дорожить до конца своей гордой судьбой.

در خواب بدم مرا خردمندی گفت
 کز خواب کسی را گل شادی نشکفت
 کاری چه کنی که با اجل باشد جفت
 می خور که زیر خاک می باید خفت

* * *

Бир куни тушимда қари билимдон
 Деди: уйқу билан бахт қулмас, нодон.
 Эрта кун ажалга қўшоқ бўламиз,
 Ичиб қол, тупроқда ухларсан обдон.

* * *

Я во сне увидел мудреца — старика,
 Он сказал: «Что ты спишь? Жизнь и так коротка!
 Пробудись, ибо сон есть подобие смерти,
 Отлежать и в могиле успеешь бока».

این بحر وجود آمده بیرون ز نهفت
 کسی نیست که این گوهر تحقیق بسفت
 هر کس سخنی از سر سودا گفتند
 زان روی که هست کس نمیداند گفت

* * *

Йўқликдан келгандир бу баҳри вужуд,
 Таҳқиқ дуррин ҳеч ким теролмас хушнуд.
 Ҳар ким ҳар хил сўз дер ўзига монанд,
 Ҳақиқат сўзини айтмоққа ношуд.

* * *

Океан бытия беспредельно велик,
 Кто узрел сокровенного истинный лик?
 Ради выгод своих ловкачи нас морочат —
 В тайники мироздания никто не проник.

ز هرست غم جهان ومى تریاکت
 تریاک خوری ز زهر نبود باکت
 یا سبزه خُطان بسبزه زار می میخور
 ز آن پیش که سبزه بردمد از خاکت

* * *

Жаҳон ғами заҳар, тарёк май гулгун,
 Тарёк ич, заҳардан қутулмоқ учун,
 Қўнғироқ соч ёр-ла ўтлоқда май ич,
 Тупроғингдан кўкат ўсмасдан бурун.

* * *

От губительных ядов житейских невзгод
 Лишь в вине себе смертный спасенье найдет.
 Пей на травах душистых, пей с юностью пылкой,
 До того, как твой прах сам, травкою взойдет.



ای دل چو زمانه میکند غمناکت
 ناگه برود زتن روان پاکت
 بر سبزه نشین و خوش بزی روزی چند
 ز آن پیش که سبزه بردمد از خاکت

* * *

Эй дил, замонадан бўлурсан ғамнок,
 Ногоҳ учиб кетар тандан руҳи пок.
 Қўкат узра бўлгин шод бир неча кун,
 Қўкаламзор бўлмай туриб бизнинг хок.

* * *

Время метит печальми путь роковой,
 Смерть, как гром, прогремит над твоей головой.
 Сядь на вешнюю травку, возрадуйся жизни,
 Ибо скоро мы станем землей и травой.

مائیم هلاك از غم هجرانت
 هر جای شوی دست من و دامانت
 رفتی و هزار دل هلاك از غم تست
 باز آمدی و هزار جان قربانت

* * *

Мени ҳалок этмиш ғами ҳижронинг,
 Этагингни тутдим кетган замонинг.
 Кетдингу ғамингдан минг кўнгил ўлди,
 Қайтдинг, яна минг жон бўлди қурбонинг.

* * *

Легкой тенью я всюду хожу за тобой.
 Ты скрываешься, я обращаюсь с мольбой:
 «Возвратись, чтобы раб твой не умер от горя,
 Чтобы мог он каприз твой исполнить любой».

ساقی قدحی که کار عالم نفسیست
 گر شادی از و يك نفس آن نیز بسیست
 خوش باش بهر چه پیشت آید که جهان
 هر گز نتسود چنانکه دلخواه کسیست

* * *

Эй соқий, қадаҳ тут, умримиз андак,
 Шул ҳам шодлик ила ўтсин-да жиндак.
 Бorigа шукур қил, яшайбер хуррам,
 Истагингга қараб айланмас фалак.

* * *

Дай вина, о саки, и порадуи меня,
 Эта жизнь нам с тобою дана на два дня.
 Что случается, все принимай, как подарок.
 Ничего не страшась, никого не виня.

تا بتوانی غم جهان هیچ مسنج
 پر دل منه از آمده نا آمده رنج
 خوش میخور و میباش در این دور سینج
 با خود نبری جوی اگر داری گنج

* * *

Жаҳонда ғам ема, қўлингдан келса,
 Яхшимас бор-йўқдан дил дардга тўлса,
 Беш кунлик дунёда шодлик-ла еб-ич,
 Бир дон элтолмассан хазинанг бўлса.

* * *

Будь жизнью доволен, насущному рад,
 Пусть ты и могуч, и велик, и богат.
 Недолог твой пир в роковом этом круге,
 С собою земных не захватишь услад.

چون عمر بسر رسد چه شیرین و چه تلخ
 پیمانہ جو پر شود چه بغداد و چه بلخ
 می‌نوش که بعد از من و تو ماه بسی
 از سلخ بغره آید از غره به سلخ

* * *

Улар жойинг хоҳ Балх, хоҳи Нишопур —
 Аччиқми, чучукми ўтар бу умр.
 Май ич, ой осмонда биздан кейин ҳам
 Неча марта шом еб, неча бор тўлур.

* * *

Жизнь пройдет и суду неподвластна она,
 Власть и слава — мираж без любви и вина.
 После нас в небесах будут также сменяться
 Узкий серп, полумесяц, царица — луна.

در سر هوس بتان چون حورم باد
 در دست هماره آب انگورم باد
 گویند بمن که ایزدت تو به دهاد
 گر او دهد من نکنم، دورم باد

* * *

Санам ҳавоси бош чаноқда бўлсин,
 Узум суви қўлда, аёқда бўлсин.
 Менга дема, тавбанг қабул этар ҳақ,
 Тавбаси ҳам мандан узоқда бўлсин.

* * *

Пусть будет сердце страстью смятено,
 Пусть в чаше вечно пенится вино.
 Раскаянье творец дарует грешным —
 Я откажусь: мне ни к чему оно.

آنکس که زمین و چرخ و افلاک نهاد
 پس داغ که او بردل غمناک نهاد
 بسیار لب چو لعل و زلفین چو مشک
 در طبل زمین حقه خاک نهاد

* * *

Улким жаҳон тузди, чарх-афлок тузди,
 Кўнгилга доғ солди, ҳам чок-чок тузди.
 Жуда кўп ёқут лаб, ой юзликларни
 Ер ичра жо қилди, бир кафт хок тузди.

* * *

Создал землю и небо великий творец,
 Нам печалью сердца переполнил вконец.
 Сколько сладостных лиц и рубиновых уст
 Он упрятал в земной, потаенный ларец.

صیاد ازل که دانه در دام نهاد
 صیدی بگرفت و آدمش نام نهاد
 هر نیک و بدی که میرود در عالم
 او میکند و بهانه بر عام نهاد

* * *

Ул азал Сайёди қўйиб дона, дом
 Уз овига қўйди одам дея ном,
 Оламда не яхши-ёмонлик бўлса,
 Узн қилиб, тўнкар одамга мудом.

* * *

Вечный Ловчий, расставив немало сетей,
 Уловил нас и сделал добычей своей.
 Все дурное и грешное сам совершает,
 А вину и грехи он свалил на людей.

این چرخ جفا پیشه عالی بنیاد
 مرکز گره بسته کسرا نکشاد
 هر جا که یکی دید که داغی دارد
 داغی دگرش بر سر آن داغ نهاد

* * *

Бу кажрафтор осмон қилмиши носоғ,
 Қилгани борми ҳеч кимса дилин чоғ?
 Дунёда кимники кўрма доғ дили,
 Фалак эса қўяр доғ устига доғ.

* * *

Небеса нашу волю скрутили узлом,
 Наводнили вселенную горем и злом,
 Благородное сердце клеймом прижигают
 И ожог растрavляют соленым перстом.

از رنج کشیدن آدمی حر گردد
 قطره چو کشد حبس صدق در گردد
 گر مال نماند سر بماناد بجای
 بیمانه چو شد تهی دگر پر گردد

* * *

Қийинчилик чекиб, одам ҳур бўлур,
 Садафда қамалиб, қатра дур бўлур.
 Мол кетса, бош қолур унинг ўрнига,
 Қадаҳ бўшатиlsa, қайтадан тўлур.

* * *

Обретаем свободу, пройдя сквозь страданье,
 Капля перлом становится в мраке и тайне.
 Не осталось богатства — оно еще будет,
 Если чаша пуста — еще полною станет.

میلم همه با روی چو گل پیوندد
 دستم همه با ساغر و مل پیوندد
 از هر جزوی نصیب خود بر دارم
 ز آن پیش که جزوها به گل پیوندد

* * *

Таъбим — юзи гулга пайванд бўлади,
 Қўлим — жоми мулга пайванд бўлади.
 Ҳар жуздан олайин насибам, чунки —
 Жузвлар бари куллга пайванд бўлади.

* * *

Влекут меня розам подобные лица
 И чаша, чтоб влагой хмельной насладиться.
 Хочу всем усладам земным причаститься,
 Пока не настала пора удалиться.

بیمارم و دل در امتحانم دارد
 نا خوردن می قصد بجانم دارد
 وین طرفه بود که هر چه در بیماری
 جز باده خورم همه زیانم دارد

* * *

Оғриқмен, иситма имтиҳон қилур,
 Ичмасам, май менга ҳасди жон қилур.
 Бу ажаб ишни кўр, бетоблигимда
 Майдан бошқа нарса кўп зиён қилур.

* * *

Заболел я и дал воздержанья зарок,
 Пуст мой кубок, но я лишь сильней занемог.
 Унесите лекарства: в них зло и отрава —
 Дайте мне исцеляющей влаги глоток.

پیری سر و برگ ناصوابی دارد
 کلنار رخم به رنگ آبی دارد
 بام و در و چار رکن دیوار وجود
 ویران شده و رو به خرابی دارد

* * *

Қариликда бошда не чоғлик бало,
 Ёноғим гулнори — ҳозир қаҳрабо.
 Вужудим томи-ю тўртта устун
 Бузилган, нураган, хароб, бедаво.

* * *

Старость — хилое дерево: корни истлели,
 Листья сохнут, гранаты ланит посинели,
 Крыша, дверь и подпорки стены бытия
 Обветшали совсем и уж держатся еле.

گرچه غم و رنج من درازی دارد
 عیش و طرب تو سر فرازی دارد
 بر هر دو ممکن تکیه که دوران فلک
 در پرده هزار گونه بازی دارد

* * *

Менинг қайғуларим узундан-узоқ,
 Сенинг қувончларинг чексиздир, бироқ
 Унга ҳам, бунга ҳам суянма, чунки
 Ҳаммани бу фалак қилар ўйинчоқ.

* * *

Мне судьба не дает отдохнуть от невзгод,
 Ты гордишься, что в жизни не знаешь забот.
 Но завистливым оком глядит небосвод,
 Неизвестно, как нашу судьбу повернет.

در دهر هر آنکه نیم نانی دارد
 از بهر نشست آشیانی دارد
 نه خادم کسی بود نه مخدوم کسی
 گو شاد بزی که خوش جهانی دارد

* * *

Кимнингки бор эса бир бурда нони,
 Узига яраша уй-ошиёни,
 На биров унга қул, на у бировга,
 Айт, шод яшайверсин, хушдир замони.

* * *

Если в день пол-лепешки найдешь на обед,
 Если в зной ты укрыт, а в ненастье одет,
 Если сам ты не раб и рабов не имеешь,
 Ты — счастливец, каких и не видывал свет.

روزيست خوش و هوا نه گرم است و نه سرد
 ابر از رخ گلزار همی شويد گرد
 بلبل بيزبان حال خود با گل زرد
 فرياد همی کند که می بايد خورد

* * *

На иссиқ, на совуқ, чиройли баҳор
 Булут гул юзидан ювади ғубор.
 Сариқ гулга булбул юрак тилидан
 Фарёд қилиб дейди: «Май ичмоқ даркор!»

* * *

Чудный день нам опять подарила весна,
 Пыль с цветов и деревьев смывает она.
 Соловей соблазняет невинную розу,
 Предлагая ей алого выпить вина.

می خور که ز دل کثرت و قلت ببرد
 و اندیشه هفتاد و دو ملت ببرد
 پر هیز مکن ز کیمیائی که از او
 يك جرعه خوری هزار علت ببرد

* * *

Май ич, дилдан кетар кудурат, зиллат
 Тенг кўринар етмиш иккала миллат.
 Дардингга излама шифо-ю малҳам,
 Қултум майдан арир юз туман иллат.

* * *

Все невзгоды, укору вино разрешит,
 Все ученые споры вино разрешит.
 Если мучат недуги — спасение в чаше,
 Все сомнения скоро вино разрешит.

از سر نهفته ات خبر خواهم کرد
 و انرا بد و حرف مختصر خواهم کرد
 با عشق تو در خاک فرو خواهم شد
 با مهر تو سر ز خاک بر خواهم کرد

* * *

Сенинг мафтунингман, берайин хабар
 Уни икки сўз-ла этай мухтасар:
 Ишқинг тупроқ қилгай, аммо меҳрингдан
 Бошимни кўтариб, бўлгум жилвагар.

* * *

Сокровенною тайной с тобой поделюсь,
 В двух словах изолью свою нежность и грусть.
 Я во прахе с любовью к тебе растворюсь,
 Из земли я с любовью к тебе поднимусь.

گردون ز زمين هيچ کلي بر نارد
 کش نشکند و هم بزمين نسيارد
 گر ابر چو آب خاکرا بر دارد
 تا حشر همه خون عزيزان يارد

* * *

Ердан бирон гулни ундирмас осмон,
 То уни қилмасин тупроққа яқсон.
 Тупроқ булут бўлиб кўкка ўрласа,
 Қиёмат кунгача ёғар эди қон.

* * *

Небосвод! Ты поистине зол и жесток,
 Чуть возрастишь, как уж в прах превращаешь цветок,
 Если б тучи не влагу, а прах собирали,
 Изливался бы с неба кровавый поток.

این کاسه گری که کاسه سرها کرد
 در کاسه گری صنعت خود پیدا کرد
 بر خوان وجود ما نگون کاسه نهاد
 و ان کاسه سرنگون بر از سودا کرد

* * *

Улким бош косасин бино қилибдур,
 Қосагар санъатин пайдо қилибдур.
 Бош косасин вужуд дастурхонига
 Тўнтариб, лиқ тўла савдо қилибдур.

* * *

Тот гончар, что слепил чаши наших голов,
 Превзошел в своем деле любых мастеров.
 Над столом бытия опрокинул он чашу
 И страстями наполнил ее до краев.

چون نیست در این زمانه سودی ز خرد
 جز بی خرد از زمانه بر مینخورد
 پیش آر از آن که خرد مرا ببرد
 باشد که زمانه سوی ما به نگرد

* * *

Бу замон ақлдан фойда йўқ зинҳор,
 Ақлсиз кишига жаҳон унумдор.
 Ақлимни олгувчи нарсани келтир,
 Шунда зора замон менга бўлгай ёр.

* * *

Если разум теперь в невысокой цене,
 Неразумный плоды пожинает вдвойне,
 Принеси же того, что лишает рассудка,
 Может, счастье тогда улыбнется и мне!

فردا علم نفاق طی خواهم کرد
 با موی سفید قصد می خواهم کرد
 پیمانہ عمر من به هفتاد رسید
 این دم نکنم نشاط کی خواهم کرد

* * *

Энди мен нифоққа қолдирмайин йўл,
 Оппоқ сочим ила майга чўзай қўл.
 Етмишга етибди умр паймоним,
 Энди хуррамликка вақт қолмади мўл.

* * *

На вино приналягу я завтра с утра,
 Седовласому бросить заботы пора.
 Если в семьдесят лет не предаться веселью,
 То когда же? Ведь смерть на расправу скоро.

عمرت تاکی به خودپرستی گذرد
 یا در پی نیستی و هستی گذرد
 می نوش که عمری که اجل در پی اوست
 آن به که بخواب یا به مستی گذرد

* * *

Умринг қачонгача ўзим деб ўтар,
 Йўқлиқ-борлиқ аро кезим деб ўтар.
 Ичиб қол, ғам бўлгач умринг пайида
 Уйқу ё мастликда бир зумдек ўтар.

* * *

Пусть душа понапрасну твоя не скорбит,
 Не считай нанесенных судьбою обид.
 Помни: смерть наготове, ее не минуешь, —
 Счастлив тот, кто обнялся с кувшином — и спит.

غم كشته جام يكمنی خواهم کرد
 خود را به دو رطل می غمی خواهم کرد
 اول سه طلاق عقل و دین خواهم گفت
 پس دختر رزرا به زنی خواهم کرد

* * *

Бир ботмон бодани бир жомга солсам,
 Икки жом май билан бой бўла қолсам.
 Аввал ақлу диним қилиб уч талоқ,
 Сўнгра ток қизига уйланиб олсам.

* * *

Наповал все печали мой кубок уььет,
 В нем богатство, веселье и радость живет.
 Дочь лозы я сегодня беру себе в жены,
 А рассудку и вере дам полный развод.

این قافله عمر عجب میگذرد
 دریاب دمی که با طرب میگذرد
 ساقی، غم فردای حریفان چه خوری
 پیش آر پیاله را که شب میگذرد

* * *

Ўтиб борар ажиб умр карвони,
 Қўлингдан чиқмасин шодлик замони.
 Соқий, эрта кунинг ғамин емагил,
 Қадаҳ сун! Ўтмасин туннинг бир они.

* * *

Наша жизнь — караван бесконечных скорбей,
 Лишь весной нам недолго поет соловей.
 О саки! Брось заботы о райском блаженстве.
 Ночь прошла. Выпей кубок и оземь разбей.

چون روزی و عمر بیش و کم نتوان کرد
 دل را بکم و بیش دژم نتوان کرد
 کار من و تو چنانکه رای من و تست
 از موم بدست خویش هم نتوان کرد

* * *

Ризқингни ошиғу кам қилиб бўлмас,
 Оз-кўп деб қўнгилга ғам қилиб бўлмас,
 Бу ишлар сен-менинг қўлимиздаги
 Мум эмас-да эзиб хам қилиб бўлмас.

* * *

Было время: я рвался, стремился, хотел.
 Но возможностям нашим назначен предел.
 Потому не позволю себе огорчиться
 Из-за всяких — больших или маленьких — дел.

دریاب که عمر نازنین میگذرد
 بنگر که چه سان زار و حزین میگذرد
 عیش و طربی ندیده‌ام در همه عمر
 صد حیف ز عمری که چنین میگذرد

* * *

Тушунсангчи, умри азиз ўтмакда,
 Кўрсангчи, у нечук ўксиз ўтмакда.
 Бир нафас ҳам айшу ишрат кўрмайин,
 Минг ҳайф ила умр эсиз ўтмакда.

* * *

Жизнь и в счастье и в горе бесследно пройдет,
 В нищете и позоре бесследно пройдет.
 Жизнь меня не щадила, и все же мне жалко
 Милой жизни, что вскоре бесследно пройдет.

گر يك نفست ز زندگانی گذرد
 مگذار که جز به شادمانی گذرد
 هشدار که سرمایه سودای جهان
 عمرست چنان کش گذرانی گذرد

* * *

Умрингдан нафас ҳам ўтса, эй инсон,
 Қўлдан чиқармагил бўлмайин шодон.
 Қандоқ ўтказурсан, шундоқ ўтар умр,
 Хушёр бўл, шундақа аслида жаҳон.

* * *

Каждый день, что на брэнной земле нами прожит,
 Пусть веселье и радость собою умножит.
 Нам в юдоли земной жизнь дороже всего,
 А назвать ее жизнью не каждый ведь сможет.

شاها، فلك به خسروى تعيين كرد
 وز بهر تواسب پادشاهى زين كرد
 تا در حركت سمند زرین سم تو
 بر كل ننهد پاى زمين سيمين كرد

* * *

Эй шоҳ, фалак сени қилди шаҳриёр,
 Тагингда арғумоқ, шоҳона от бор.
 Ногоҳ босмасин деб заррин туёғи,
 Ерни кумуш қилди, ул ёғдириб қор.

* * *

Веруй царь, что ты небом назначенный шах,
 Что скакун твой оседлан в небесных лугах.
 Чтоб копыта коня не ступали по грязи,
 Небеса серебром твой осыпали шлях.

آنرا منگر که ذوفنون آید مرد
 در عهد و وفا نگر که چون آید مرد
 از عهده عهد اگر برون آید مرد
 از هر چه گمان بری فزون آید مرد

* * *

Фақат илм билан баландмас одам,
 Аҳду вафо билан баланд-паст одам.
 Сўзи билан иши бир келса агар
 Ҳар нарсадан баланд, муқаддас одам.

* * *

Человека ценя не за то, что учен,
 А за то, что его обещанье — закон
 Если слово и дело для мужа едины,
 Уваженья достоин воистину он.

يك نان بدو روز اگر بود حاصل مرد
 و ز كوزه شكسته دمی آبی سرد
 مامور كم از خودی چرا باید بود
 یا خدمت چون خودی چرا باید کرد

* * *

Бир нон топиб агар есанг икки кун,
 Синиқ кўзанг бўлса сув ичмак учун,
 Узингдан пастларга ёлланмоқ нега,
 Узингдек хизматин қилмоқлик нечун?!

* * *

Вновь сегодня досталась лепешка одна,
 Напоили холодной водой допьяна,
 И хотят, чтобы кланялся в ноги за это,—
 От поклонов, пожалуй, отсохнет спина.

می گرچه حرام است ولی تا که خورد
 آنگاه چه مقدار و دگر با که خورد
 هر گاه که این سه شرط شد راست، بگو
 می را نخورد مردم دانا، که خورد؟

* * *

Май нодонга ҳаром, донога ҳалол,
 Ким-ла, қачон ичмак мумкин, билиб ол.
 Шул уч масалани ҳал эта олсанг,
 Демак билимдонсан, сипқор бемалол.

* * *

На вино для глупцов наложили запрет,
 Но для умных запрета, естественно, нет.
 Если знаешь, с кем пьешь, знаешь время и меру,
 Пей себе на здоровье — вино не во вред.

با ماهرخی بر لب جوی و می و ورد
 تا هست میسرم طرب خواهم کرد
 تا بودهام و هستم خواهم بودن
 می خوردهام و میخورم و خواهم خورد

* * *

Қувончлар йўлини тутиб ҳар қалай,
 Қирғоқда ёр ила ичсанг тоза май,
 Бор бўлдим, бордирман, то бор бўламан,
 Май ичдим, ичяпман, ҳар доим ичай.

* * *

На зеленой лужайке, в цветах, у ручья,
 С милой пери и с чашей блаженствую я.
 Сколько жить мне дано, до последнего часа,
 Буду вечно с вином — в этом вера моя.

مگذار که غصه در کنارت گیرد
 و اندوه محال روزگارت گیرد
 مگذار دمی کنار آب و لب کشت
 ز آن پیش که خاک در حصارت گیرد

* * *

Гусса қучоғига олмасин бир дам,
 Умр иши дилга солмасин алам.
 Сув бўйида ўлтир, девор тагида,
 Тупроғингдан девор бўлмай, эй одам.

* * *

Беспечальным ложись, беспечальным вставай,
 От печалей покрепче свой дом закрывай.
 И пока ты не стал бессловесною глиной
 Будь с друзьями и чашу полней наливай.

دست چو منی که جام و ساغر گیرد
 حیفت که آن دفتر و منبر گیرد
 تو زاهد خشکی و منم فاسق تر
 آتش نشنیده‌ام که در تر گیرد

* * *

Қўлимда ҳар маҳал қадаҳ тутганман,
 Минбару дафтарнинг баҳрин ўтганман.
 Мен-ку бир ҳўл фосиқ, сен қуруқ зоҳид,
 Ҳўл — ёнмас, на кўриб, на эшитганман.

* * *

Если чашу держать не устала рука,
 Пусть молитвенник держит рука дурака.
 Я промок от вина, ты за кафедрой сохнешь, —
 В Судный день и гореть тебе — наверняка.

هر صبح که روی لاله شببم گیرد
 بالای بنفشه در چمن خم گیرد
 انصاف مرا ز غنچه خوش می آید
 کو دامن خویشتن فراهم گیرد

* * *

Эрта тонг лолага шабнамки тегар,
 Чаманда бинафша буйнини эгар.
 Рост айтсам гунчадан жуда розимен,
 Чунки у жутармас на этак, на бар.

* * *

Утром алый тюльпан серебрится росой,
 И фиалка склоняет свой стан молодой.
 Я люблюсь еще не расцветшим бутонем,
 Что пленил мое сердце невинной красой.

حیی که بقدرت سرو رو میسازد
 هواره همو کار عدو میسازد
 گویند قرا به گر مسلمان نبود
 اورا تو چه گویی که کدو میسازد

* * *

Иш ўнгу терсини яратгай раззоқ,
 Рақибинг ишининг ўнгланишин боқ.
 Кофирларга бериб май шишасини,
 Сенга қолдиргани ичи бўш қовоқ.

* * *

Дал Начало господь и измыслил Конец,
 Вознесен недостойный, унижен мудрец.
 Пить нельзя мусульманам, однако из тыквы
 Дал зачем-то им винную флягу творец.

يك جام شراب صد دل و دين ارزد
 يك جرعه مى مملكت چين ارزد
 جز باده لعل نيست در روى زمين
 قلخيكه هزار جان شيرين ارزد

* * *

Бир жом шароб арзир юз дилу динга,
 Бир қултум май арзир давлати Чинга.
 Дунёда боладан яхши ёқут йўқ,
 Аччиғи арзийди жондай ширинга.

* * *

Полный кубок дороже заветов Творца,
 Царских почестей и золотого дворца.
 А не будет вина, что останется в мире?
 Только горести, что сокрушают сердца.

گردون ز سحاب نسترن میریزد
 گویی که شکوفه در چمن میریزد
 در جام چو سوسن می کلکون ریزم
 کز ابر بنفشه گون سمن میریزد

* * *

Симобдек булутдан ёғди настаран,
 Бундан яшнаб кетди қир, лола чаман
 Лоладек қадаҳга гулгун шароб қуй,
 Бинафша ранг булут тўкар ёсуман.

* * *

Лепестки белых роз к нам летят с высоты,
 Знать, в небесном саду распустились цветы.
 Кубок-лилию алым вином наливаю —
 Отмечаю приход к нам с небес красоты.

گر می نوشد گدا به میری برسد
 ور روبهکی خورد به شیری برسد
 ور پیر خورد جوانی از سر گیرد
 ور ز آنکه جوان خورد به پیری برسد

* * *

Май ичса гадо ҳам султон бўлади,
 Тулки ичса, шери ғаррон бўлади.
 Ёш ичса жексалик шарафин қучар,
 Кекса ичса ёшу чақон бўлади.

* * *

Нищий царством гордится, упившись вином,
 Станет львицей лисица, упившись вином.
 Пьяный старец резвится, как юный проказник,
 Мальчик с мужем сравнится, упившись вином.

هر راز که اندر دل دانا باشد
 باید که نهفته تر ز عنقا باشد
 کاندر صدق از نهفتگی گردد در
 آن فطره که راز دل دریا باشد

* * *

Ҳар сирни дилида сақласа доно,
 У яширин бўлсин мисоли анқо,
 Садафнинг ичида қатра дур бўлур —
 Сир қилиб қалбида яширгач дарё.

* * *

Правда в сердце у мудрого долго таится,
 Словно птица Анка, потаенная птица.
 Так в жемчужину капля морская внедрится,
 Чтобы ясным сиянием втайне налиться.

گویند بهشت و حور و کوثر باشد
 جوی می و شیر و شهد و شکر باشد
 پر کن قدح باده و بر دستم نه
 نقدی ز هزار نسیه خوشتر باشد

* * *

Дерлар: жаннатда ҳур, кавсар бўлармиш,
 Ариқ тўла май, сут, шакар бўлармиш,
 Қадаҳни тўлдириб, қўлгинамга бер,
 Минг насядан бир нақд ҳуштар бўлармиш.

* * *

«Не греши — удостоишься райских усад:
 Будут гурии, мед и вино», — говорят.
 Рай обещанный — вам, мне наличными дайте —
 В руки полный бокал в счет небесных наград.

زان که که طلوع صبح ازرق باشد
 باید که به کف می مروق باشد
 مشهور چنین است که می تلخ بود
 باید که بدین دلیل می حق باشد

* * *

Эрта тонг нурина сочганда офтоб,
 Қўлингда тўла жом бўлмоғи савоб.
 Ҳақиқат аччиқдир, деган гап бор-ку,
 Шу далил билан ҳақ экан майи ноб.

* * *

Лишь лучистое утро заглянет в окно,
 Пусть прозрачные кубки наполнит вино.
 Люди горькой отравой вино называют.
 Но прибежище истины тоже оно.

توبه مکن از می اگر ت می باشد
 صد توبه نادانانہ در پی باشد
 گل یامہ دران و بلبلان نعرہ زنان
 در وقت چنین توبہ روا کی باتند

* * *

Май бўлганда тавба қилмагил асло,
 Сўз бердингми унга керакдир вафо.
 Гул ёқаси йиртиқ, булбуллар нолон,
 Бундай чоқда тавба бўлурми раво?

* * *

Отрекается только дурак от вина
 В ночь, когда вся природа от счастья пьяна:
 Лунный свет, соловьи заливаются в рощах,
 Роза сладко трепещет, желаньем полна.

خوش باش که ماه عید نو خواهد شد
 و اسباب طرب همه نکو خواهد شد
 مه لاغر و زرد و خم شدهست از مستی
 ناچار از این رنج فرو خواهد شد

* * *

Хушвақт бўл, келмоқда ҳайит айёми,
 Шай бўлгуси бутун қувонч анжоми.
 Сусликдан ой сариқ, озгин ва синиқ,
 Вақтида бу дардлар битар тамоми.

* * *

Будет радостный праздник вина и любви,
 Золотые мгновенья беспечно лови.
 Видишь: месяц бледнеет, худеет и тает,—
 Так растают печали мои и твои.

يك قطره آب بود و با دریا شد
 يك ذره خاک با زمین یکتا شد
 آمد شدن تو اندرین عالم چیست
 آمد مگسی پدید و ناپیدا شد

* * *

Томчи сув дарёда йўқ бўлиб кетди,
 Ерга чанг қўнди-ю, кўмилиб кетди,
 Дунёга келишинг, кетишинг нима?
 Бир чивин туғилди ё ўлиб кетди.

* * *

Капля влаги страдала — ушла в океан.
 Искра тверди пылала — унес ураган.
 Вот вся суть твоего бытия в этом мире:
 Словно был и куда-то исчез таракан.

اندر ده عشق پاك ميبايد شد
 در چنگ اجل هلاك ميبايد شد
 اى ساقى خوشلقا تو فارغ منشين
 آبي در ده كه خاك ميبايد شد

* * *

Дилимизда бўлсин доим ишқи пок,
 Охирида ажал айлагай ҳалок.
 Эй хушлиқо соқий, фориғ ўлтирма,
 Май бер охирида хок бўлурмиз, хок!

* * *

На дорогах любви чистоту сохрани,
 Ибо смерть, словно смерч, оборвет наши дни.
 Эй, красавец-саки, что уселся без дела,
 Полной чашей заботы мои отгони.

طبعم به نماز و روزه چون مایل شد
 کفتم که مراد کلیم حاصل شد
 افسوس که آن وضو به گوزی بشکست
 وین روزه به نیم جرعه می باطل شد

* * *

Кўнглим бўлгач намоз-рўзага мойил,
 Дедим буткул мурод бўлгуси ҳосил.
 Бир ел билан, афсус, синди таҳорат,
 Рўзамни бир қултум май қилди ботил.

* * *

Рамазан. Даже днем мы живем, как впотьямах:
 От постов и молитв все померкло в глазах.
 Потому я с утра по ошибке напился —
 За нечаянный грех не накажет аллах.

بر چرخ فلک هیچ کسی چیر نشد
 وز خوردن آدمی زمین سیر نشد
 مغرور بدانی که نخوردست ترا
 تعجیل مکن هم بخورد دیر نشد

* * *

Фалакнинг устидан ким топди зафар,
 Ер қачон одам еб тўйибди, магар —
 Мени емади, деб кеккая кўрма,
 Шошмай тур, кўп ўтмай навбатинг келар.

* * *

Победить небосвод не надейся вовек.
 Не насытишься, сколько ни ешь, человек,
 Не кичись, что ты цел и покуда не съеден, —
 Всех загонит нас до смерти времени бег.

هر گز دل من ز علم محروم نشد
 کم ماند ز اسرار که معلوم نشد
 هفتاد و دو سال فکر کردم شب و روز
 معلوم شد که هیچ معلوم نشد

* * *

Дилим илмлардан маҳрум бўлмабди,
 Бир сир қолмадики мафҳум бўлмабди.
 Туну кун ўйладим етмиш икки йил:
 Онгладим — ҳеч нарса маълум бўлмабди.

* * *

Я для знаний воздвиг сокровенный чертог,
 Мало тайн, что мой разум постигнуть не смог.
 Только знаю одно: ничего я не знаю!—
 Вот моих размышлений последний итог.

افسوس که سرمایه ز کف بیرون شد
 و ز دست اجل بسی جگرها خون شد
 کس نامد از آن جهان که پرسم ازوی
 کاحوال مسافران دنیا چون تند



Афсус ёруғ умрим — қаро тун бўлди,
 Ажал дастидан кўп жигар хун бўлди,
 У дунёдан келиб, айтмади ҳеч ким:
 Кетганлар бошида қандай кун бўлди.



Безвозвратны мгновения жизни земной,
 Смерть сердца разбивает кровавой рукой.
 Из ушедших никто в этот мир не вернулся
 Рассказать, что нас ждет за могильной чертой.

افسوس که نامه * جوانی طی شد
 و آن تازه بهار زندگانی دی شد
 آن مرغ طرب که نام او بود شباب
 فریاد ندانم که کی آمد، کی شد

* * *

Афсуски йигитлик мавсуми битди,
 Қўклам ўтиб кетди, қиш келиб етди.
 Ёшлик деб аталган у севинч қуши
 Билмадим, қачонлар келди-ю кетди.

* * *

Книга юности нашей, увь, прочтена,
 Отцвела, отшумела, увяла весна.
 Беспечальная птица — так молодость звали —
 На другие луга улетела она.

تا چند اسیر رنگ و بو خواهی شد
 چند از پی هر زشت و نکو خواهی شد
 گر چشمه زمزمی و گر آب حیات
 آخر بدل خاک فرو خواهی شد

* * *

Токай рангу бўйга асир бўлурсен,
 Яхши-ёмонни деб, дилгир бўлурсен.
 Хоҳ замзам сувюю хоҳ оби ҳаёт,
 Охир ерга кириб, тақир бўлурсен.

* * *

Ни духи, ни румяна тебя не спасут,
 Срок настанет — на кладбище всех отнесут.
 Станет прахом могильным урод и красавец —
 Смерть над каждым свершит свой безжалостный суд.

چون روزی تو خدای قسمت فرمود
 هرگز نکند کم و نخواهد افزود
 آسوده ز هر چه هست میباید شد
 و آسوده ز هر چه نیست میباید بود

* * *

Қисматинг азалдан ёзганмиш худо,
 Уни қилолмайсан кўпу кам асло.
 Демакки, борингдан бўлгил хотиржам,
 Йўқни ўйлаб куйма, қилма вовайло.

* * *

Раз насущный твой хлеб дан от века творцом,
 Не отнимут его, не прибавят потом.
 Значит, в бедности будь непокорным и гордым.
 А в богатстве не стань добровольным рабом.

من نیستم آن کز رفتنم بیم آید
 کان نیمه مرا خوشتر ازین نیم آید
 جانیهست مرا بعاریت داده خدا
 تسلیم کنم چو وقت تسلیم آید

* * *

Кетишдан қўрқмаймен мен бу дунёда,
 Чунки у дунёда умрим зиёда.
 Вақти етгач танда омонат жонни
 Топширайин, шундай бўлгач ирода.

* * *

Смерть близка, но она не страшна мудрецу,
 Путь земной подступил к роковому концу.
 Жизнь дана нам взаимы, на короткое время,
 Срок настал — и вернуть ее нужно творцу.

در دل نتوان نهال اندوه نشاند
 همواره کتاب خرمی باید خواند
 می باید خورد و کام دل باید راند
 پیداست که چند در جهان باید ماند

* * *

Хуррамлик китобин ўқимоқ керак,
 Дилда ғам кўкати ўсмасин андак.
 Май ичиб, истагинг ўринлат доим,
 Маълумки, тез келур ўлимдан дарак.

* * *

Не давай печали сердце шрамом метить,
 Книгу наслажденья чтя в мгновенья эти.
 Нужно пить вино, любовью сердце полнить —
 Ведь не знаем, сколько жить дано на свете.

اکنون که ز خوشدلی بجز نام نماند
 يك همدم پخته جز می خام نماند
 دست طرب از ساغر می باز مگیر
 امروز که دستگیر جز جام نماند

* * *

Букун хуррамликдан фақат ном қолмиш,
 Пухта ҳамдамлардан майи хом қолмиш.
 Хурсандчилик қўлин қадаҳдан узма,
 Чунки энди қўлда маю жом қолмиш.

* * *

Что осталось от счастья? Название одно.
 Из друзей самый верный остался — вино.
 Никогда я вино изменить не посмею,
 Потому что и мне не изменит оно.

هم دانه امید بخرمن ماند
 هم باغ و سرای بی تو و من ماند
 سیم و زر خویش از درمی تا بجوی
 یا دوست بخور گرنه بدشمن ماند

* * *

Умидлар донаси хирмонда қолур,
 Боғу роғ на санда, на манда қолур.
 Симу зар тўплама, дўстлар-ла еб-ич,
 Бўлмаса, ҳаммаси душманда қолур.

* * *

Зерна наших надежд до конца не сберем,
 Уходя, не захватим ни сад и ни дом.
 Не жалея для друзей своего достоянья,
 Чтобы недруг его не присвоил потом.

آترا که بصحرای علل تاخته اند
 بی او همه کارها بیرداخته اند
 امروز بهانه در انداخته اند
 فردا همه آن بود که در ساخته اند

* * *

Сабаб саҳросида кимки саргардон,
 Ишларин унингсиз юритар яздон.
 Буқун бир баҳона ўртага ташлаб,
 Эрта бажо бўлур тақдири осмон.

* * *

Не советуясь, гонят нас в бездну кручин, —
 Как же выплыть из губельных этих пучин?
 Нам несчастий предлог иногда и покажут,
 Только истинных не открывают причин!

این کاسه که بس نکوش پرداخته اند
 بشکسته و در رهگذر انداخته اند
 ز نهار بر او قدم به خواری ننهی
 کین کاسه ز کاسه های سر ساخته اند

* * *

Бу коса ясалмиш гүзал — ярқироқ,
 Чил-чил қилиб йўлга ташланмиш, бироқ.
 Зинҳор уни босиб хор айламагил,
 Бу коса аслида чаноқ, бош чаноқ!

* * *

Эта чаша была всех изящней и краше,
 А теперь черепки разбросали от чаши.
 Ты по ним осторожней ступай, берегись!
 Разбиваются чаши и головы наши.

تا خاک مرا به قالب آمیخته اند
 بس فتنه که زین خاک یرانگیخته اند
 من بهتر از این نمیتوانم بودن
 کز بوتّه مرا چنین برون ریخته اند

* * *

Қолипдан тушганда лойимиз азал,
 Феълимизда бўлса ҳар нечук амал,
 Бўла олурмидим мен ундан афзал,
 Азалда барчаси берилмиш тугал.

* * *

Когда глину создатель мою формовал,
 Тесто горькой и сладкой водой поливал.
 С той поры во мне мед и полынная горечь,
 Что мне делать? Таким он меня изваял!

آنها که بحکمت در معنی سفتند
 در ذات خداوند سخنها گفتند
 سر رشته اسرار ندانست کسی
 اول زنجی زدند و آخر خفتند

* * *

Кўплар донишманд деб билдилар ўзни,
 Худонинг зотидан очдилар сўзни.
 Ҳеч бири билолмай азал сирларин,
 Алжираб-валжираб юмдилар кўзни.

* * *

Кто жемчужину смысла насквозь просверлил,
 О божественном, словно пророк, говорил,
 Все же к тайне предвечной не смог прикоснуться,—
 Суесловил — и скрылся во мраке могил.

آنها که کشنده بید نایند
 و آنها که به شب همیشه در محرابند
 بر خشک کسی نیست همه در آیند
 بیدار یکیست دیگران در خوابند

* * *

Баъзилар хаёли майда, ичкуда,
 Баъзилар меҳробда, дили осуда.
 Бекор киши йўқдир, барчада ташвиш,
 Елғиз ўзи уйғоқ, барча уйқуда.

* * *

Тот, кто тянется к чаше и жаждой горит,
 Тот, кто тянется к богу, молитвы твердит,—
 Все в плену суеты и покрыты грехами,
 Все мы дремлем, и только всевышний не спит.

آن روز که توسن فلک زین کردند
 و آرایش مشتری و پروین کردند
 این بود نصیب ما ز دیوان قضا
 مارا چه کنه قسمت ما این کردند

* * *

Фалак арғумоғин эгарлаган кун,
 Ясатилганида Муштарий, Парвин,
 Насибамизни ҳам битганди қазо,
 Қисматимиз ўша, бўлма жигархун.

* * *

В день, когда над землей заблестала Луна,
 Оседлали в небесных лугах скакуна,
 В этот день наши судьбы записаны были,
 Сам господь записал, — в чем же наша вина?

آنانکه محیط فضل و آداب شدند
 در جمع کمال شمع اصحاب شدند
 ره زین شب تاریک نبردند برون
 گفتند فسانه و در خواب شدند

* * *

Билағонлар бор-да ўхшаш офтобга,
 Ҳар бири хазина илму одобга.
 Бу қоронғу тундан йўл топишолмай,
 Бирор афсона деб, кетдилар хобга.

* * *

Тот, кто в мире великим прослыл мудрецом,
 Кто в познании истины спорил с творцом,
 Он, как все, в этой темной ночи заблудился,
 Тешил баснями нас — и уснул вечным сном.

یاران موافق همه از دست شدند
 در پای اجل یگان یگان پست شدند
 خوردیم زیك شراب در مجلس عمر
 دوری دوسه بیشتر زمامست شدند

* * *

Дўсту яқинларим бир-бир кетдилар,
 Ажалдан тупроққа кириб битдилар.
 Умр мажлисида ичдик бир қўри,
 Аввалроқ маст бўлиб, бари йитдилар.

* * *

Смерть друзей увела в свой печальный предел,
 И без них этот мир для меня опустел.
 Вместе мы пировали на празднике жизни,
 Только хмель их быстрее, чем меня, одолел.

آنانکه اسیر عقل و تمییز شدند
 در حسرت هست و نیست نا چیز شدند
 رو بی خبری و آب انگور گزین
 کآن با خبران بغوده میویز شدند

* * *

Кимки бу дунёга асири тамиз,
 Бору йўқ ғамида дил тангу ожиз.
 Яшамай қартайди бундай одамлар,
 Узум бўлмай, бирдан бўлдилар майиз.

* * *

Иссушают науки и тело и ум,
 Муж ученый поэтому худ и угрюм.
 Не вкушая от свежей лозы винограда,
 Он до времени сам превратился в изюм.

آنانکه جهان زیر قدم فرسودند
 و اندر طلبش هر دو جهان پیمودند
 آگاه نیم از آنکه آنان زین بیش
 از کار چنانکه هست آگه بودند

* * *

Оламни пиёда кезиб чиққанлар,
 Икки дунё сўзин дилга тўкканлар.
 Бизлардан ортиқроқ билдилармикан,
 Жаҳон сирларини бир-бир йиққанлар.

* * *

Мир измерил ты вдоль, исходил поперек,
 Изучил его суть, и предел, и исток.
 Но ты знаешь о мире не более нашего,
 Ибо главную тайну он скрыл под замок.

این کوزه گران که دست در گل دارند
 گر عقل و خرد نیک بر او بکارند
 هرگز نزنند مشت و سیلن و لگد
 خاک پدرانست نکو می دارند

* * *

Лойни муштлаб турган анави кулол —
 Қилсайди ақл ила чуқурроқ хаёл.
 Ҳеч қачон бунчалик тепкиламасди,
 Ота тупроғидан ясаркан сопол.

* * *

Месит глину ватага лихих молодцов,
 Невдомек им суровый упрек мудрецов:
 «Перед вами не глина, а прах ваших предков,
 Обращайтесь почтительно с прахом отцов!»

ز آن پیش که برسرت شبیخون آرند
 فرمای که تا باده کلگون آرند
 تو زرینه ای غافل نادان که ترا
 در خاک نهند و باز بیرون آرند

* * *

То ғам бошимизга солгунча ғавғо,
 Айтгил, май берсинлар бизга бебаҳо.
 Олтин эмассан-ку, билиб қўй, нодон,
 Қўмгач қайта кавлаб олмаслар асло.

* * *

Поскольку с тобой мы не вечные тут,
 Скажи, дорогой, пусть вина принесут.
 Не золото ты, о красавец беспечный
 Уж если зароят — отрыть не придут.

هر که که بنفشه جامه در رنگ زند
 در دامن گل باد صبا چنگ زند
 هتیار کسی بود که با سیمیری
 می نوشد و جام باده سنگ زند

* * *

Бинафшада ажиб бўёқлар пайдо,
 Гул этагин йиртар шўх боди сабо.
 Кумуштан ёр ила шаробин ичиб,
 Кўзасини тошга уради доно.

* * *

Утром роза под ветром бутон разовьет,
 И фиалка с небес синеву изопьет.
 Счастлив, кто с белогрудой красавицей вместе
 Выпьет чашу и оземь ее разобьет.

گویند مر آن کسان که با پر هیزند
 ز آن سان که بمیزند چنان برخیزند
 ما با می و معشوقه از آنیم مدام
 باشد که به حشرمان چنان انگیزند

* * *

Дейдилар, ким қилса тоат-ибодат,
 Қандай ўлса, шундай уйғонур албат.
 Доимо маю ёр билан биргамен,
 Мен шундоқ тирилгум бўлса қиёмат.

* * *

Нас пичкают одной и той же песней:
 Кто праведно живет, тот праведным воскреснет.
 А я всю жизнь с любимой и с вином, —
 Таким ведь и воскреснуть интересней.

کم کن طمع از جهان و می زی خورسند
 و ز نیک و بد زمانه بگسل پیوند
 و زلف دلبری گیر که زود
 هم بگذرد و نماند این روزی چند

* * *

Шод бўлмоқ истасанг элдан тама уз,
 Давр яхшими, ёмон — иноқликни буз.
 Қадаҳу ёр сочи бўлсин қўлингда,
 Ўтар бу давринг ҳам бу кеча-кундуз.

* * *

Пусть не жадность, а радость владеют тобой,
 Постарайся поладить с коварной судьбой.
 Будь всегда неразлучен с любимой и с чашей,
 Дни проходят неслышной, поспешной стопой.

می خور که ترا بیخبر از خویش کند
 خون در دل دشمن بداندیش کند
 هشیار بدن چه سود دارد جز آنکه
 زاندیشه پایان دل تو ریش کند

* * *

Май ичсанг, ўзингдан беҳабар қилур,
 Ёвингни ер билан баробар қилур.
 Хушёрлик фойдасиз, оқибат ғами
 Дилни ўртай-ўртай яралар қилур.

* * *

Чтобы сердце врага одолела тоска,
 Выпей чашу вина и забудься слегка.
 Хмель изгонит из сердца печальную думу,
 Что и жизнь коротка и развязка близка.

آنانکه به کار عقل در میکوشند
 بیهوده بود که گاو نر می دوشند
 آن به که لباس ابلهی در پوشند
 کا امروز به عقل تیره می بفروشند

* * *

Ҳар ким ақл сўзига соларкан қулоқ,
 Чиндан, оқибатда бу ҳўкиз соғмоқ!..
 Ғўр ақлинг зўр келиб май сотмаяпсан,
 Аблаҳлик тўнини кий, шу маъқулроқ!

* * *

Тот, кто следует разуму, доит быка,
 Будет цель его жизни всегда далека.
 В наши дни только глупость в чести и в почете,
 А за разум не купишь пучок чеснока.

گر باده به کوه بر دهی رقص کند
 نا قص بود انک باده را نقص کند
 هر گز نکنم ز باده من تو به از آنک
 چیزی است که او تربیت شخص کند

* * *

Майни тоққа берсанг, тоғ ҳам рақс этар,
 Ёмонлар ёмонлаб уни нахс этар.
 Майдан асти тавба қилмайман, зеро,
 Май тарбия берар, шахсни шахс этар.

* * *

Даже гору напоишь, запляшет она,
 Только круглый дурак может жить без вина.
 Не раскаюсь, что пью. Нас вино воспитало:
 Выпьешь чашу — и вся твоя сущность видна.

آنها که خلاصه جهان ایشانند
 بر اوج فلک براق فکرت رانند
 در معرفت ذات تو مانند فلک
 سرگشته و سرنگون و سرگردانند

* * *

Жаҳон хулосаси бўлган инсонлар
 Фалакнинг авжидан ўйлаган онлар,
 Зотингни билишда худди осмондек,
 Этилгану сарсон ҳам саргардонлар.

* * *

И мудрец, вознесенный народной молвой,
 Воссиявший, как факел, во мгле мировой,
 Лишь согнулся над бременем тайн мирозданья,
 Словно небо, растерян, поник головой.

بر من قلم قضا چو بی من رانند
 یس نیک و بدش زمن چرا میدانند
 دی بی من و امروز چودی بی من و تو
 فردا بچه جتم بداور خوانند

* * *

Менсиз қалам сурмиш қазову қадар,
 Мендан нечун яхши-ёмоним сўрар?
 Кеча менсиз ўтди, ўтар бугун ҳам,
 Тонгла кун нима деб қилур жавобгар?!

* * *

Наши судьбы Небесный Калам написал.
 Что мне делать, заранее он предсказал,
 Я не волен ни в добрых, ни в грешных поступках,
 И что в ад попаду — бог заранее знал.

با این دوسه نادان که چنان میدانند
 از جهل که دانای جهان ایشان اند
 خر باش که آنسان ز خدی چندانند
 هر گونه خرسست کافرش میخوانند

* * *

Ўзни доно билган у уч-тўрт нодон
 Эшак табиатин қилур намоён.
 Булар суҳбатида сен ҳам эшак бўл,
 Бўлмаса «кофир» деб қилишар эълон.

* * *

Будешь в обществе гордых ученых ослов,
 Постарайся ослом притвориться без слов.
 Ибо каждого, кто не осел, эти дурни
 Обвиняют немедля в подрыве основ.

خورشید کمند صبح بر بام افکند
 کیخسرو روز مهره در جام افکند
 می خور که ندای عشق هنگام سحر
 آوازه اشربو در ایام افکند

* * *

Офтоб тонг камандин туширди томга,
 Кундуз шоҳи муҳра солмишдур жомга,
 Май ич, ишқ нидоси саҳар пайтида
 «Ишрабу...» овозин ёйди айёмга.

* * *

Солнце бросило в воздух арканы огня,
 Шарик в небо запущен владыкою дня.
 «Пей вино!» — восклицает влюбленное сердце,
 «Пейте!» — вторит вселенная, эхом звеня.

آنها كه كهن شدند و آنها كه نوند
 هر كس بمراد خویش يك يك بدوند
 این كهنه جهان بكس نماند باقی
 رفتند و رویم و دیگر آیند و روند

* * *

Кекса, ёш — ҳаётга ҳар кимки етар —
 Ҳаммаси изма-из бирма-бир ўтар.
 Бу дунё ҳеч кимга қолмас абадий,
 Кетдилар, кетамиз, келишар, кетар.

* * *

Стать бессмертным — напрасный, поверьте мне, труд,
 Все, кто стар и кто молод, в могилу сойдут.
 Не дано это царство земное навеки
 Никому... Да и мы не останемся тут.



در دهر چو آواز گل تازه دهند
 فرمای بتا که می باندازه دهند
 از حور و تصور و وز بهشت و دوزخ
 فارغ بنشین که آن بهر آوازه دهند

* * *

Овоза тарқалса: чиқди янги гул,
 Ой юзли гўзалим, шароб келтиргил.
 Ўйлама дўзаху, жаннату ҳурни —
 Ҳаммаси овоза, яйраб ўлтиргил.

* * *

Снова юные розы украсили мир,
 Прикажи, чтоб вина нам подали, кумир,
 О загробном блаженстве и муках не думай, —
 Этот вздор только в сказках уместен и мил.

آنانکه اساس زهد برزرق نهند
 آیند و میان جان و تن فرق نهند
 بر فرق نهم سبوی می را زین پس
 گر همچو خروسم اره بر فرق نهند

* * *

Зухд аҳлин риёга этдилар маҳкум,
 Танани этдилар жонидан маҳрум.
 Бошимга хўрознинг тожиси каби
 Арра қўйсалар-да, мен қуямен хум.

* * *

Тот, кто плоть возлюбил, а душой пренебрег.
 Благочестием мнимым скрывает порок.
 Пусть за пьянство мне голову срубят святоши —
 Лицемерие я не пушу на порог.

آرند یکی و دیگری بر بایند
 بر هیچکس راز همی نکشایند
 ماراز قضا جز اینقدر نمایند
 پیمانہ عمر ماست می پیمایند

* * *

Бирини келтирса, бошқасин олар,
 Ҳеч кимга сир очмас, пинҳона қолар.
 Қазо билан бизни айламас ошно,
 Ҳаётимиз коса, майни ул солар.

* * *

Не дадут осмотреться в житейском углу,
 Свет покажут — и вновь отправляют во мглу
 Не успеешь понять своего назначения,
 Как уже превратили в песок и золу.

بر چشم تو عالم ارچه می آرایند
 مگر ای بدان که عاقلان نگرایند
 بسیار چه تو روند و بسیار آیند
 بر بای نصیب خویش کت بر بایند

* * *

Сенга кўрсатсалар ясоғлик олам,
 Сен севма, севмайди ақлли одам.
 Сендеклар бир талай келди-ю кетди,
 Сени олмай туриб, олиб қол сен ҳам.

* * *

Ты удачлив, и смел, высоко залетел
 И поверил, что вечен твой гордый удел.
 Только помни: владык было в мире немало —
 Все ушли, хоть никто уходить не хотел.

خوش باش که غصه بیکران خواهد بود
 بر چرخ قران اختران خواهد بود
 خشتیکه ز خاک تو بخواهند زدن
 دیوار سرای دگران خواهد بود

* * *

Хушвақт бўл, ғуссанинг чеки йўқ бирон,
 Бу чарх юлдузларга солади қирон.
 Сенинг тупроғингдан ясалган ғиштлар
 Бўлар ўзгаларга манзилу макон.

* * *

Не горюй, бесконечна небес кутерьма:
 День блеснет — и опять опускается тьма.
 Через тысячу лет прах наш с глиной смешают,
 Превратят в кирпичи и построят дома.

ای بس که نباشیم و جهان خواهد بود
 نی نام زماونی نشان خواهد بود
 زین پیش نبودیم و نید هیچ خلل
 زین پس جو نباشیم همان خواهد بود

* * *

Бизлар бўлмасак ҳам жаҳон бўлғуси,
 Бизлардан на ному нишон бўлғуси,
 Аввал-ку йўқ эдик, етмовди ҳалал,
 Яна бўлмасак ҳам, ҳамон бўлғуси.

* * *

Нет у мира начала, конца ему нет,
 Мы уйдем навсегда — ни имен, ни примет.
 Этот мир был до нас и вовеки пребудет,
 После нас простоят еще тысячу лет.

گر ملک نو مصر و روم و چین خواهد بود
 و افاق زمین زیر نگین خواهد بود
 خوش باش کزین جهان نصیب من و تو
 ده گز کفن و دو گز زمین خواهد بود

* * *

Агар мулкинг Миср ё Рум, ёки Чин,
 Ё ҳукмингда бутун ер юзин тутгин,
 Охир бу бойликдан олар ҳиссанг, бил:
 Ўн газ кафан ила икки газ замин.

* * *

Пусть Китай и Египет — добыча твоя,
 Пусть тебе покорится вода и земля,
 Не гордись, ибо все мы получим в итоге
 Три аршина земли и кусок миткалая.

گویند بهشت و حورعین خواهد بود
 آنجا می و شیر و انگبین خواهد بود
 کرما می و معشوق گزیدیم چه باک
 چون عاقبت کار چنین خواهد بود

* * *

Жаннатда ҳам ҳуру ҳам май бўлармиш,
 Ҳаммаси мўл-қўлу нўмай бўлармиш,
 Биз маю маъшуқни севсак арзийди,
 Чунки оқибат ҳам шундай бўлармиш.

* * *

Говорят: «Будут гурии, мед и вино —
 Все улады в раю нам вкусить суждено».
 Потому я повсюду с любимой и с чашей, —
 Ведь в итоге к тому же придем все равно.

گویند بشعر گفتگو خواهد بود
 وان یار عزیز تند خو خواهد بود
 از خیر محض جز نکوئی ناید
 خوش باش که عاقبت نکو خواهد بود

* * *

Дерлар шаҳарда гап қўзғалур осон,
 Азиз ёрим феъл-атвори ёмон.
 Яхши манбаъдан ҳеч чиқмас расволнк,
 Охир яхши бўлур, яшайвер нодон.

* * *

Всяких сплетен по городу ходит — не счесть!
 Говорят, моей милой затронута честь.
 Не взрастит добрый корень худого побега —
 Я уверен, что ложной окажется весть.

در عالم جان به هوش میباید بود
 در کار جهان خموش میباید بود
 تا چشم و زبان و گوش بر جا باشند
 بی چشم و زبان و گوش میباید بود

* * *

Дил мулкида бўлмоқ керак хўп ҳушёр,
 Жаҳон ишида-чи, беуну бекор.
 Икки кўз, тил, қулоқ омон чоғида
 Кўз, тил ва қулоқсиз бўлмоқлик даркор.

* * *

Молчаливость и скромность в наш век не порок,
 Любопытство — нередко несчастий исток.
 Глаз, ушей, языка ты пока не лишился,
 Стань слепым и глухим, рот закрой на замок.

من می خورم و هر که چو من اهل بود
 می خوردن او نزد خرد سهل بود
 می خوردن من حق ز ازل میدانست
 گر می نخورم علم خدا جهل بود

* * *

Май ичсам эгилиб қолади тизсам,
 Уйласам, гуноҳмас, сажда-ку бул ҳам.
 Азалдан биларди буни ҳақ ўзи,
 Шаккоклик эмасми, агар ичмасам.

* * *

Пью я только с друзьями — имейте в виду,
 Пить вино — так написано мне на роду.
 Сам господь написал, и поэтому бросить
 Не могу. Ибо этим его подведу.

در آتش سوزنده اگر اهل بود
 آن آتش سوزنده بروسهیل بود
 با مردم نااهل میا در صحبت
 که از هر چه بتر صحبت نا اهل بود

* * *

Аҳил бўлса олов ичра ҳам инсон,
 Аҳил кишиларга олов ҳам осон.
 Ноаҳил кишилар суҳбатидан қоч,
 Ноаҳил суҳбати ёмондан-ёмон.

* * *

Если с умным я в адский огонь попаду,
 То сумею, наверно, прожить и в аду.
 Но не дай бог в раю с дураком оказаться —
 Отведи, о всевышний, такую беду!

عشقی که مجازی بود آیش نبود
 چون آتش نیم مرده تابش نبود
 عاشق باید که سال و ماه و شب و روز
 آرام و قرار و خورد و خوابش نبود

* * *

Ишқ мажозий эса, офтоби бўлмас,
 Кул босган оловнинг ҳеч тоби бўлмас.
 Чин ошиқнинг эса кеча-ю кундуз,
 Ою йиллар кўзда дам хоби бўлмас.

* * *

О любви безумолку иной говорит:
 То зола — не огонь, а зола не горит.
 Тот, кто любит, не знает ни сна, ни покоя,
 Он пылает, но тайну хранит, как гранит.

آورد به اضطرارم اول به وجود
 جز حیرتم از حیات چیزی نفزود
 رفتیم به اکراه و ندانیم چه بود
 زین آمدن و بودن و رفتن مقصود

* * *

Мени айладилар дунёда мавжуд,
 Ҳаётда топганим ҳайрат, тараддуд.
 Бу йўлни ўтдиму тушунолмадим,
 Келмагу кетмакдан не экан мақсуд?!

* * *

В этот мир мы явились по воле творца,
 Ничего не свершив, сокрушили сердца.
 Путь закончив, уходим, но так и не знаем
 Смысл прихода, цель жизни и сущность конца.

ز آن پیش که نام تو ز عالم برود
 می خور چو می رسد به دل، غم برود
 بکشای سرزلف بتی بند زبند
 ز آن پیش که بند بندت از هم برود

* * *

Учмасидан туриб номинг оламдан,
 Май ичиб дилингни софлагил гамдан.
 Бўғниларнинг банд-банд кетмайин туриб,
 Ёр сочи бандин еч, чиққил аламдан.

* * *

Даже имя не вечно твое под Луной,
 Наслаждайся покуда усладой земной:
 Пей вино и развязывай кудри красавиц,
 Ожидая, несчастный, развязки иной.

دهقان قضا بسی چو ماگشت و درود
 غم خوردن بیهوده نمیدارد سود
 پر کن قدح می بگفم درنه زود
 تا باز خورم که بودنیها همه بود

* * *

Фойда йўқ беҳуда чекмакликдан ғам,
 Чарх минглаб биздекни экди, урди ҳам.
 Қадаҳни тўлдириб қўлимга тут тез,
 Бўлари бўлди деб, ичайин бирам.

* * *

Не гадай сколько смертным отпущено дней,
 Небосвод нас и сеет, и жнет без затей.
 Что случится, того все равно не минуешь,
 А пока наливай этот кубок полней.

شب نیست که عقل در تحیر نشود
 وز گریه کنار من پراز در نشود
 پر می نشود کاسه سر از سودا
 هر کاسه که سرنگون شود پر نشود

* * *

Ақл лол бұлмаған тун йўқ, ажабо,
 Йиғидан этакка дур тўлмас, аммо.
 Тўлдирилмас бошим косасин савдо,
 Тўнкарилган коса тўлмайди асло.

* * *

Бессердечностью мира мой ум потрясен,
 Плачет сердце, отравлен печальями сон.
 Полон дум головы опрокинутый кубок,
 Но вином никогда не наполнится он.

از آمدنم نبود گردون را سود
 و ز رفتن من جلال و جاهش نفزود
 و ز هیچ کسی نیز دو گوشم نشنود
 کاین آمدن و رفتنم از بهر چه بود

* * *

Мен келдимү, дунё кўрдими фойда!
 Кетсам, мартабаси ошарми? Қайда?
 Ҳеч ким тушунтириб бера олмади:
 Келишим — кетишим сабаби қайда.

* * *

Я пришел — не прибавилась неба краса,
 Я уйду — будут так же цвести небеса,
 Где мы были, куда мы уйдем — неизвестно:
 Глупы домыслы всякие и словеса.

از رفته قلم هیچ دگرگون نشود
 وز خوردن غم بجز جگر خون نشود
 گر در همه عمر خویش خونابه خوری
 يك قطره از آن كه هست افزون نشود

* * *

Ўзгартириб бўлмас не битмиш қалам,
 Фақат дил хун бўлур тортаверсанг ғам,
 Бутун умр жигар қонин ютсанг ҳам,
 Умринг узайтириб бўлмас бирор дам.

* * *

Написал наши судьбы Небесный Калам.
 Можешь сердце свое разорвать пополам,
 Можешь пить свою кровь, съесть себя без остатка,—
 Не прибавишь и точки к начальным словам.

تا راه قلندرى نپوئى نشود
 رخساره بخون دل نشوئى نشود
 سودا چه يزى تا كه چو دلسوختگان
 آزاد بترك خود نگوئى نشود

* * *

Қаландар йўлидан юрмасанг бўлмас,
 Қонинг-ла юз ювиб турмасанг бўлмас.
 Бу қуруқ савдони пиширолмассан,
 Узликдан кечиб, оҳ урмасанг бўлмас.

* * *

Бродягою пройдешь, пути свои — добьешься,
 Не раз в своей умоешься крови — добьешься.
 Коль от себя сумеешь отказаться.
 И сам взойдешь на жертвенник любви — добьешься.

می خور که تنت به خاک در ذره شود
 خاکت پس از آن پیاله و خمره شود
 از دوزخ و از بهشت فارغ میباش
 عاقل به چنین چیز چرا غره شود

* * *

Ичиб қол, тупроғинг тұзон бұлгуси,
 Лойингдан пиёла — жонон бұлгуси.
 Жаннату дўзахни ўйлаб ўтирма,
 Оқил бунга асир, қачон бұлгуси.

* * *

Пей вино и весельем блистай на пирах,
 Ибо время наступит — рассыплешься в прах.
 Глупо верить, что грешников рай ожидает,
 И смешно перед адом испытывать страх.

تا زهره و مه در آسمان گشت پدید
 بهتر زمی ناب کسی هیچ ندید
 من در عجبم ز میفروشان کایشان
 به ز آنکه فروشنده چه خواهند خرید

* * *

Зухра, ой осмонга чиққан кезданоқ,
 Майдан соз нарсани ким кўрган... бироқ —
 Ҳайронман майфуруш бодани сотиб,
 Пулга нима олур ундан яхшироқ.

* * *

С той поры, как зажглась над землею Луна,
 Ничего нет на свете прескрасней вина.
 Удивляюсь тому, что вино продается,
 Поражаюсь, что сходной бывает цена.

بر پشت من از زمانه تو میآید
 و ز من همه کار نا نکو میآید
 جان عزم رحیل کرد و گفتم بمراد
 گفتا چکنم خانه فرو میآید

* * *

Ортимдан тупурар менга замонам,
 Чиппакка чиқмоқда кори мардонам.
 Жон чиқа бошлади, «Нима гап?» десам,
 Деди: «Нетай, хароб бўлмоқда хонам!»

* * *

Посылает судьба мне плевки по пятам,
 Все поступки к дурным причисляет делам.
 И душа собралась уходить и сказала:
 «Что мне делать, коль дом превращается в хлам?»

چون مرده شوم، خاک مرا کم سازید
 احوال مرا عبرت مردم سازید
 پس، خاک و کلم بیاده آغشته کنید
 و ز کالبدم خشت سرخم سازید

* * *

Улсам тулроғимни гум қилинг, майли,
 Мардумга ибрати шум қилинг, майли,
 Ҳокимни май билан қориб лой қилиб,
 Хум бошига ғишт ё хум қилинг, майли.

* * *

Похоронят и этак годов через пять
 Станут глину на наших могилах копать.
 Я прошу, чтобы прах мой с вином замесили,
 Пробку сделали — винный кувшин закрывать.

در دهر کسی به کلهذاری نرسید
 تا بر دلش از زمانه خاری نرسید
 در شانہ نگر که تا بهد شاخ نشد
 دستش به سرزلف نگاری نرسید

* * *

Гул юз ёр ҳеч кимга насиб этмас экан,
 То унинг дилига санчилмай тикан.
 Тароққа назар сол, ёрнинг сочига —
 Этгунча юз бўлак бағри тилинган.

* * *

Чтоб добиться любви самой яркой из роз,
 Сколько сердце извело горя и слез.
 Посмотри: расщепить себя гребень позволил.
 Чтобы только коснуться прекрасных волос.

پیرانه سرم عشق تو در دام کشید
 ورنه ز کجا دست من و جام نیید
 آن توبه که عقل داد جانان بشکست
 وان جامه که صبر دوخت ایام درید

* * *

Кекса бошим тушди ишқинг домига,
 Йўқса ёпишмасдим мен май жомига,
 Эгнимга сабрдан кийгандим либос,
 Йиртилди дош бермай ишқ айёмига.

* * *

Полюбив, я забыл про свою седину
 И, как юноша, вновь пристрастился к вину.
 Позабыл все зарок я ради любимой.
 Сердцу ум покорился, почуяв весну.

ای همنفسان مرا ز می قوت کنید
 وین چهره کهربا چو یاقوت کنید
 چون درگذرم به می بشوید مرا
 و ز چوب رزم تخته تابوت کنید

* * *

Хўрагимни май-ла тўқис — бут қилинг,
 Қаҳрабо юзимни нақ ёқут қилинг.
 Жаҳондан кўз юсам шаробга ювиб,
 Ток зангидан менга бир тобут қилинг.

* * *

Перед смертью, друзья, дайте чашу услад,
 Пусть вино озарит мой печальный закат.
 Как умру, омовенье вином совершите,
 Посадите над прахом моим виноград.

ياران چو باتفاق ميعاد كنيد
 خودرا به جمال يكدگر شاد كنيد
 ساقى چو مى مغانه در كف كيرد
 بيچاره مرا هم به دعا ياد كنيد

* * *

Дўстлар иноқликни қилсангиз одат,
 Тез-тез дийдор кўриб, ўзни айланг шод.
 Соқий тоза майни сузганда айланг —
 Мен бечорани ҳам дуо бирла ёд!

* * *

Когда вновь соберетесь, друзья, за столом,
 Красотою сняйте, блистайте умом.
 Когда чаши наполнит вам отрок кудрявый,
 Помяните Хайяма веселым стихом.

این عقل که در ره سعادت پوید
 روزی صد بار خود ترا میگوید
 در یاب تو این یکدم وقتت که نه
 آن تره که بدروند و دیگر روید

* * *

Ақл саодатга интилиб ҳар гоҳ,
 Сенга кунда юз бор дейдики, э воҳ.
 Шодлик билан ўтказ тириклик даминг,
 Сенсан ўргач қайта кўкармас гиёҳ.

* * *

Может истина эта совсем не нова,
 Но запомни ее золотые слова:
 «Будь веселым всегда. Ведь когда тебя скосят,
 Ты не вырастешь снова, глупец, как трава».

این اهل قبور خاک گشتند و غبار
 هر ذره زهر ذره گرفتند کنار
 آه این چه شرابست که تا روز شمار
 بیخود شده و بیخبرند از همه کار

* * *

Бу қабрдагилар бўлмишлар тупроқ,
 Зарра-зарра бўлиб ётишар тарқоқ.
 Оҳ, бу қандай шароб, уни ичганлар
 Қиёматга қадар эс-ҳушдан авлоқ.

* * *

В прах и пыль превратились цари, короли—
 Все, кто спрятан в бездонное лоно земли,
 Видно, очень хмельным их вином опоили,
 Чтоб до Судного дня они встать не смогли.

سستی مکن و فریضه هارا بگذار
 و آن لقمه که داری ز کسان باز مدار
 در خون کس و مال کسی قصد مکن
 در عهده آن جهان منم باده بیار

* * *

Намоз, рӯза дема, бўлса имконинг,
 Қимсадан аяма бир луқма нонинг.
 Кишини ранжитма, ғийбатин қилма,
 Шундан сенга боқар икки жаҳонинг.

* * *

С милой быть и с вином — нет греха и стыда,
 Пост нарушить, молитвы забыть — не беда.
 Будь с людьми справедлив, на чужое не зарься, —
 А другие грехи нам простят без труда.

دی کوزه گری بدیدم اندر بازار
 بر پاره گلی لگد همی زد بسیار
 و آن گل بزبان حال با او میگفت
 من همچو تو بوده ام مرا نیکودار

* * *

Бозорда бир кулол кўрсатиб ҳунар,
 Бир бўлак хом лойни тепиб пишитар.
 Лой инграб айтади: «Ҳой, секинроқ теп,
 Мен ҳам кулол эдим сендек, биродар».

* * *

Посмотри, как гончар на базаре жесток:
 Топчет, мнет, избивает он глины кусок.
 И не слышит, как глина чуть слышно лепечет:
 «Бей, топчи, брат, но помни: твой близится срок».

عمرت چه دو صد، چه سیصد، چه هزار
 زین کهنه سرا برون برندت ناچار
 گر پادشهی و کر گدای بازار
 این هر دو به یک نرخ بود آخر کار

* * *

Умринг юз йил бўлсин, беш юзми, ҳазор,
 Бу кўҳна саройдан кетасен ичор.
 Охири қийматинг битта бўлади,
 Бозорда гадо бўл, тахтда шаҳриёр.

* * *

Двести лет проживешь, может больше — вполне,
 Будешь жить во дворце иль скитаться на дне,
 Назовут тебя шахом иль нищим бродягой, —
 Смерть в итоге нас всех уравниет в цене.

از بودنی ای دوست چه داری تیمار
 و ز فکرت بیهوده دل و جان افکار
 خرم بزی و جهان به شادی گذران
 تدبیر نه با تو کرده اند اول کار

* * *

Тирикликдан нима ғаминг бор, э, ёр,
 Беҳуда фикрдан дил-жонда озор.
 Қувноқ яшагилу умринг шод ўтказ,
 Тақдир қўлингдамас, нима чоранг бор?!

* * *

Ты в оковах тоски, словно раб в кандалах,
 В бесконечных заботах о мнимых делах.
 Понапрасну горюешь и душу терзаешь —
 Все решил, не советуясь с нами, аллах.

بر خيز و دواى اين دل تنگ بيار
 آن باده مشکبوى گلرنگ بيار
 اجزای مفرح غم از ميخواهی
 با قوت می و بریشم چنگ بيار

* * *

Май истаб қолди бу дили танг, келтир,
 Шароб бўлсин мушкбў ҳам гулранг, келтир.
 Гар ғамдан қутулмоқ истаги бўлса,
 Ёқут шароб келтир, ипак чанг келтир.

* * *

Угнетенному сердцу бальзам принеси,
 Мускус в чаше с огнем пополам принеси.
 Чтоб убить все печали и радости разом,
 Чанг певучий, не мешкая, нам принеси.

آن لعل در آبگینه ساده بیار
 و آن محرم و مونس هر آزاده بیار
 چون میدانی که مدت عالم خاک
 بادبست که زود بگذرد باده بیار

* * *

У даълким, идиши содани келтир,
 Ул махрами ҳар озодани келтир.
 Бу тупроқ оламнинг сўнг натижаси —
 Шамолдур, биласен, бодани келтир.

* * *

Огнь рубиновый в старом кувшине мне дай,
 Близость с милой подругою ныне мне дай.
 Ты пойми, что наш мир — это прах, это ветер, —
 Чашу счастья по этой причине мне дай.

خشت سر خم ز ملک جم خوشتر
 بوی قدح از غذای مریم خوشتر
 آه سحری ز سینه خماری
 از ناله بو سعید و ادهم خوشتر

* * *

Хум тувоғи Жамшид давлатидан соз,
 Қултум май Марямнинг овқатидан соз.
 Мастларнинг тонготар чеккан оқлари
 Бусайид, Адҳамнинг ниятидан соз.

* * *

За кувшин я все царства земные отдам,
 Эта чаша с вином слаще пищи Марьям.
 Крики пьяных милее святых песнопений,
 Что в мечетях смертельно наскучили нам.

ایام جوانیست شراب اولیتر
 با روی نکو باده ناب اولیتر
 این عالم فانی که خوابست و خیال
 از باده در و مست و خراب اولیتر

* * *

Ёшлик айёмида шароб авлороқ,
 Тоза май ҳам юзи моҳтоб авлороқ,
 Тушдир, харобадир бу фоний дунё,
 Бўлмоқ бунда масту хароб авлороқ.

* * *

Пить вино хорошо, если в сердце весна,
 Если гурия рядом нежна и страстна.
 В этом призрачном мире, где тлен и руины,
 Для забвенья заветная чаша дана.

چون حاصل آدمی در این دیر دودر
 جز خون دل و دادن جان نیست دگر
 حرم دل آن کسی که نامد بوجود
 و آسوده کسیکه خود نژاد از مادر

* * *

Қўш эшик дунёда қўним йўқ андак,
 Мева йўқ, қон бўлиб ўлишдан бўлак.
 Шодмондир бир нафас яшамаганлар,
 Онадан туғмаган роҳатда, демак.

* * *

В обители этой, в которой две двери,
 Даны нам от века тоска и потери.
 Поэтому благ, кто совсем не родился,
 Он нашей печали душой не измерил.

وقت سحرست خیزای طرفه پسر
 بر باده لعل کن بلورین ساغر
 کابن یک دم عاریت در این کنج فنا
 بسیار بجوی و نیابی دیگر

* * *

Шўх йигит, ўрнингдан тургил тонг — саҳар,
 Ёқут майга тўлдир биллуриин соғар.
 Ҳар дам омонатдир, ўтиб кетар тез,
 Сўнг қанча қидирсанг топмассен хабар.

* * *

Милый юноша, утро блеснуло лучом,
 Встань, хрустальные кубки наполни вином.
 Этот сладостный миг, что уйдет безвозвратно,
 Вновь найти не надейся вовеки потом.

افلاك كه جز غم نفزايند دگر
 ننهند بجا تا نربايند دگر
 نا آمدگان اگر بدانند كه ما
 از دهر چه ميكشيم نايند دگر

* * *

Бизга фалак иши — фақат ташвиш-ғам,
 Бирини тикласа, бошқаси барҳам,
 Ҳали келмаганлар бундан беҳабар,
 Гар хабар топишса келмас эди ҳам.

* * *

Небеса — беспощадный и злой повелитель —
 Наших дел господин, наших душ похититель.
 Если б мы до рождения разум имели,
 Никогда не пришли бы в земную обитель.

با یار چو آرمیده باشی همه عمر
 لذات جهان چشیده باشی همه عمر
 هم آخر عمر رحلت باید کرد
 خوابی باشد که دیده باشی همه عمر

* * *

Бутун умр топгил ёр ила ором,
 Жаҳон лаззатини шимир бардавом.
 Ёўқликка кетмакдир ишинг охири,
 Умринг лаҳза уйқу, тушдир вассалом.

* * *

Умный с милой подругой проводит всю жизнь,
 С ней блаженство и счастье находит всю жизнь.
 Знает он, что наступит пора расставанья,—
 Как во сне, постоянно уходит всю жизнь.

تا چند در این حيله و زراقنى عمر
 تا چند مرا درد دهد ساقنى عمر
 خواهم كه ز دست حيله و خدعه او
 چون جرعه به خاك ريزم اين باقنى عمر

* * *

Токай ҳийлагар умр солар тузоққа,
 Токай май лойқасин тутар дудоққа.
 Ҳийласи дастидан қолган умримни
 Бир қултум май каби сочай тупроққа.

* * *

В этом суетном мире, коварном, больном.
 Поит жизнь нас отравленным, мутным вином.
 Я хочу, чтобы яд меня долго не мучил,
 Осушить свою чашу единым глотком.

زان می که حیات جاودانی است بخور
 سرمایه لذت جوانی است بخور
 سوزنده چو آتش است لیکن عمرا
 سازنده چو آب زندگانی است بخور

* * *

Ичавер, май ичган мангулик яшар,
 Дунё лаззатининг барисин ошар.
 Май деган қайғуни оловдек ўртаб,
 Оби ҳаёт каби жўш уриб, тошар.

* * *

Выпей влаги хмельной, что кипит молода,
 Что весельем сердца наполняет всегда.
 Пусть она обжигает порою, как пламя,
 Но уносит тоску, как живая вода.

در موسم گل باده گلرنگ بخور
 با ناله نای نغمه چنگ بخور
 من می خورم عیش کنم با دل شاد
 گر تو نخوری من چه کنم سنگ بخور

* * *

Гул мавсуми келди ич бода гулранг,
 Бир ёқда най бўлсин, бир томонда чанг,
 Май ичиб, айш қилиб дилингни шод эт,
 На қилай, қум ютгил, агар ичмасанг.

* * *

Как распустятся розы, вина принеси,
 Музыканта на чанге сыграть попроси.
 Будем пить, предадимся беспечно веселью.
 Ты не пьешь. Как же быть? На, кирпич, пососи.

ای دوست غم این جهان فرسوده مخور
 بیهوده نه ای غمان بیهوده مخور
 چون بوده گذشت و نیست نا بوده بدید
 خوش باش و غم بوده و نا بوده مخور

* * *

Жаҳон ғамин ема, дўстим, беҳуда,
 Ғам емағил, жаҳон қирриқдир жуда.
 Бори ўтиб кетди, йўғи ҳали йўқ,
 Бор-йўқни ғам қилмай яша осуда.

* * *

Ты измучен, мой друг, суюстю сует,
 А забот тебе хватит на тысячу лет.
 Не горюю о прошедшем — оно не вернется,
 Не гадай о грядущем — в нем радости нет.

گر باده خوری تو با خردمندان خور
 یا با صنمی لاله رخی خندان خور
 بسیار مخور ورد مکن، فاش مساز
 اندک خور وگه گاه خور و پنهان خور

* * *

Май ичсанг, оқилу доно билан ич,
 Ёки бир гул юзли зебо билан ич.
 Оз-оз ич, гоҳ-гоҳ ич, ҳам яширин ич,
 Эзма, расво бўлма, ҳаё билан ич.

* * *

Не запретна лишь с мудрыми чаша для нас,
 Или с милым кумиром в назначенный час.
 Не бахвалься пируя и после пирушки;
 Пей немного. Пей изредка. Не на показ.

از گردش روزگار بهری برگیر
 بر تخت طرب نشین و ساغر گیر
 از طاعت و معصیت خدا مستغنیست
 باری تو مراد خود ز عالم برگیر

* * *

Олам гардишидан ўз баҳрангни ол,
 Шодлик тахтига мин, қўлда май ҳалол.
 Бўйсунсанг-сўнмасанг, худо зор эмас,
 Оламда бахтингни ўринлатиб қол.

* * *

Счастье смелым дается, не любит тихонь,
 Ты за счастье и в воду иди и в огонь.
 Перед богом равны и бунтарь и покорный,
 Не зевай — свое счастье не проворонь.

ای دل همه اسباب جهان خواسته گیر
 باغ طربت ز سبزه آراسته گیر
 و ان گاه بر آن سبزه شبی چون شبم
 بنشسته و با مداد بر خاسته گیر



Эй дил, бил, ҳар нима тансиқ жаҳонда,
 Шодлик боғин кўкат безар ҳар ёнда.
 Кечқурун кўкатга шабнам сингари
 Бир қўндингу учиб кетдинг азонда.



Сердце! Радость ищи, нам довольно скорбей,
 На весеннем лугу сад веселья развей.
 На ночь сядь, как роса, на душистые розы,
 Наслаждение пей, а печали развей.

ما لعبتكانيم و فلك لعبتياز
 از روى حقيقت، نه كه از روى مجاز
 با زيجه همى كنيم بر نطع وجود
 رفتيم به صندوق عدم يك يك باز

* * *

Бизлар қўғирчоғу, фалак қўрчоқбоз,
 Бу сўзим чин сўздир, эмасдир мажоз.
 Йўқлик сандугига бир-бир тушамиз,
 Вужуд палосида ўйнагач бир оз.

* * *

Будет прав, кто театром наш мир назовет,
 Все мы — куклы, а кукольник — сам небосвод.
 На ковре бытия он нам даст порезвиться —
 И в сундук одного за другим уберет.

لب بر لب كوزه بردم از غايت آرز
تا زو طلبم واسطه عمر دراز
لب بر لب من نهاد و برگفت به راز
من هم چو تو بوده‌ام دمی با من ساز

* * *

Лабим қўйиб кўза лабига бир дам,
Узун умр воситаси талабин қилсам,
Лабин келтирди-ю, лабимга деди:
Мен ҳам сендек эдим, бир дам бўл ҳамдам.

* * *

Слышал я, что в кувшине бессмертья родник,
И устами к устам его жадно приник.
И кувшин прошептал потаенно и страстно:
«Был и я человек. Будь со мною хоть миг!»

ایدل چو حقیقت جهان هست مجاز
 چندین چه خوری انده و هم رنج دراز
 تسلیم قضا شو بکم و بیش بساز
 کاین رفته قلم ز بهر تو ناید باز

* * *

Жаҳон ҳақиқати мажоздир, э дил,
 Беҳудага ранжу андуҳ чекмагил.
 Қазога таслим бўл, кўп-озига кўн,
 Қазо қаламравин ўзгармас деб бил.

* * *

Всем известно, что истина — только мираж,
 Как же сердцу прожить без целительных чаш?
 Примирись с тем, что есть, не борись с тем,
 что будет —
 Не обманешь судьбу и ей взятку не дашь.

مېرسيدى كه چيست اين نقش مجاز
 گر بر گويم حقيقتش هست دراز
 نقشينست پديد آمده از در پايى
 و انگاه شده به قعر آن دريا باز



Дединг: «Ҳақиқат не, нимадир одам?»
 Сўзласам чўзилиб кетадир қиссам,
 Ҳақ уни ундириб дарё қаъридан,
 Қаърига отади яшатмай бир дам.



Ты вопрос задаешь мне: что есть человек?
 И вопрос не простой и нелегкий ответ.
 Человек — это знак из пучин мироздания,
 Он всплывет на мгновенье и тонет навек.

رو بر سر افلاك و جهان خاك انداز
 مى ميخور و دل بماهرويان ميباز
 چه جاى عتاب آمده و چه جاى نياز
 كز جمله رفتگان يكى نآمد باز

* * *

Осмонга чиқ, қаро ер бўлсин жаҳон,
 Май ич, гўзалларга бўлиб гиргиттон,
 Нима керак ғазаб ёки ёлвориш,
 Кетгандан келмади ҳеч ким, ҳеч қачон.

* * *

Ты расчислил движенье небесных светил —
 Я с красотками пил и с друзьями кутил.
 Не заботам пустым и ненужным упрекам —
 Я любви и вину свою жизнь посвятил.

دلبرده که عمرش چو غم باد دراز
 امروز تلافی ز نو کرد آغاز
 بر چشم من انداخت دمی چشم و برفت
 یعنی که نکونی کن و در آب انداز

* * *

Қайғумдек узоқ умр кўрсин у ғазол,
 Букун яна лутфдан кўрсатиб жамол,
 Кўзимга бир нигоҳ ташлади кетди,
 Яъни, «Яхшиликни қил, дарёга сол».

* * *

Та, что сердце мое утопила в крови —
 Каждый день ее, господи, благослови! —
 Снова милость явила, как будто сказала:
 «Ты был добр, потому и достоин любви».

این چرخ که با کسی نمیگوید راز
 کشته به ستم هزار محمود و ایاز
 می خور نبخشند بکس عمر دراز
 وان کس که شد از جهان نمی آید باز

* * *

Бу чарх ҳеч кимсага сўйламайди роз,
 Ситамидан ўлди минг Маҳмуд, Аёз,
 Ичавер! Ҳеч кимда йўқ умри боқий,
 Дунёдан кетганлар, қайтиб келмас боз.

* * *

Тайн своих небосвод никому не открыл,
 Он коварно сто тысяч героев убил.
 Пей вино. Все мы смертны и век наш короткий,—
 Кто ушел, тот обратно дорогу забыл.

از جمله رفتگان این راه دراز
 باز آمده کیست تا بما گوید راز
 زنها در این دورا همه آرز و نیاز
 چیزی نگذاری که نمی آئی باز

* * *

Бу борса келмас йўл — бу узоқ сафар,
 Қани ким қайтибди, сўрасак хабар.
 Асрору илтижо айрилишида
 Ҳеч нарса қолдирма, қайтмайсан дигар.

* * *

Ты слышал, чтоб пройдя до конца этот путь,
 К нам назад возвратиться сумел кто-нибудь?
 Берегись, в мире властвуют алчность и злоба,
 Миг упустишь — его никогда не вернуть.

با تو بخرابات همی گویم راز
 به زانکه کنم بی تو بمحراب نماز
 ای اول و ای آخر و جز تو همه هیچ
 خواهی تو مرا بسوز خواهی بنواز

* * *

Сенсиз ўқигандан меҳробда намоз,
 Майхонада сенга сир айтганим соз,
 Аввал — сен, охир — сен, сенсиз бари пуч,
 Майли ўтга ташла ё айла навоз.

* * *

Не в мечети, где суетно славят тебя —
 В кабаке я с тобою сливаюсь, любя.
 О создатель! Всему ты конец и начало —
 Обласкай иль сожги меня, пеплом клубя.

وقت سحراست خيزای مايه ناز
 نرمك نرمك باده خور و چنگ نواز
 كانها كه بجایند نیایند بسی
 و آنها كه شدند كس نمیاید باز

* * *

Тонг чоғида тургил, нозанин гўзал,
 Майдалаб ичайлик, руббобингни чал,
 Дунёда бор одам узоқ турмайди,
 Кетганлари қайтиб келмас ҳеч маҳал.

* * *

Эй, засоня! Глаза побыстрее открой,
 Выпей чашу и нежную лютню настрой.
 Помни: тот, кто ушел, никогда не вернется.
 Да и мы не минуем могилы сырой.

آنی که نبود بخور و خواب نیاز
 کردند نیازمندت این چار نیاز
 هر يك بتو آنچه داد بستاند باز
 تا باز چنان شوی که بودی ز آغاز

* * *

Емак-ичмакка йўқ эрди эҳтиёж,
 Сени шундай қилди, энди не илож,
 Не бермиш барини қайтиб олгуси,
 Аслингга қайтарур охир бу ривож.

* * *

Нам и еда и сон не нужны вовсе были,
 Пока из четырех стихий нас не слепили.
 Но все, что дали нам, отнимут безусловно,
 И станем мы опять шепоткой серой пыли.

گر گوهر طاعتت نسفتم هرگز
 گرد گنه از چهره نرفتم هرگز
 نومیدنیم ز بارگاه کرمت
 زیرا که یکیرا دونگفتم هرگز



Тоат дурларини ипга тизмадим,
 Юздан гуноҳ гардин ҳеч кеткизмадим.
 Лекин бирини ҳеч икки демадим,
 Шувинг-чун лутфингдан кўнгил узмадим.



Непокорностью, видно, я богу постыл,
 Грех и тело, и душу мне пылью покрыл.
 Но я верю в престол доброты твоей, боже,
 Потому что, от чистого сердца грешил.

ساغر پر کن که برفگون آمد روز
 ز آن باده که لعل هست از و رنگ آموز
 بردار دو عود را و مجلس بفروز
 یک عود بساز و آن دگر عود بسوز

* * *

Хум келтир, қиш фасли, букун ҳаммаёқ
 Қордан покизаю, бўлибди оппоқ.
 Бундай кун мажлис йиғ, келтир икки уд,
 Бир удни созлагил, иккинчисин ёқ.

* * *

В час, когда вся природа нам счастье дарит,
 Пусть вино наши лица огнем озарит.
 Будь с друзьями и пусть развлекают нас два уда:
 На одном нам сыграй, а другой пусть сгорит.

ما عاشق و آشفته و مستيم امروز
 در كوی بتان باده پرستيم امروز
 از هستی خویشتن بكلی رسته
 پیوسته بدرگاه الستيم امروز

* * *

Букун биз — ошиқлар ошифта-ю маст,
 Санамлар кўйида хўп бодапараст.
 Тамом халос бўлиб ўзлигимиздан,
 Нақ арши аълога бўлибмиз пайваст.

* * *

Среди гурий прекрасных я пьян и влюблен.
 И вину отдаю благодарный поклон.
 От оков бытия я сегодня свободен
 И блажен, словно в высший чертог приглашен.

ای بر سر سروران عالم فیروز
 دانی که چه وقت می بود روح افروز
 یکشنبه و دوشنبه و سه شنبه و چار
 پنجشنبه و ادینه و شنبه و روز

* * *

Эй олам сарвари, дин ғамин ема,
 Қайси кун ичмаклик раводур дема.
 Ичавер якшанба, шанба, душанба,
 Сешанба, чоршанба, пайшанба, жума.

* * *

Если хочешь геройством весь мир ослепить,
 Раз в неделю вином нужно дух укрепить:
 В понедельник, четверг, воскресенье, субботу,
 В среду, вторник и пятницу надобно пить.

ای پیر خردمند بکه تر بر خیز
 وان کودك خاک بیزرا بنگر تیز
 پندش ده و گو که نرم نرمک می بیز
 مغز سر کیقباد و چشم پرویز

* * *

Эй донишманд кекса, тургил эртароқ,
 Тупроқ элаётган болага бир боқ —
 Ва унга дегилки: «Эла секинроқ,
 Қай боши, Парвишининг қўзи бу тупроқ».

* * *

Мудрый старец, взгляни: по утру под горой
 Пыль вздымает малыш, увлеченный игрой.
 Дай совет ему: пусть не тревожит усопших —
 Этим прахом рассыпались царь и герой.

آب رخ نو عروس رز پاك مریز
 جز خون دل تانب ناپاك مریز
 خون دو هزار تن ریاکار خراب
 بر خاک بریز و جرعه بر خاک مریز



Юз шабнамин тўкма, ток — бир келиндай
 Иркитлар қонини тўкавер, қўрқмай,
 Икки минг бемаъни қонин тўксанг ҳам,
 Тўкмагил тупроққа бирор қултум май.



Поклоняйтесь невинности солнечных лоз
 Не пролейте на землю их пламенных слез.
 Нет греха, если кровь лицемера прольется,
 Тяжкий грех — коль на землю вино пролилось.

يارب تو جمال آن مه مهرانگيز
 آراسته بسنبل و عنبر بيز
 پس حکم همی کنی که بروی منگر
 این حکم چنان بود که کج دارو مرین!

* * *

Е оллоҳ, ул гўзал ойни яратиб,
 Сочи сунбулидан анбар таратиб,
 Унга қарамагил дея буюрсанг,
 Зулмку, дил шавқин ўзинг қўзғатиб.

* * *

Дал красавицам нежные лица господь,
 Кудри черные и ароматную плоть.
 Сам прельщает и сам мне смотреть запрещает,—
 Пусть попробует сам и соблазн побороть.

با مردم پاک و اهل و عاقل آمیز
 و ز نا اهلان هزار فرسنگ کریز
 از زهر دهد ترا خردمند بنوش
 و ز نوش رسد ز دست نا اهل بریز

* * *

Поку, ақил, оқил кишига ўртоқ —
 Бўлу ноақилдан қочавер йироқ.
 Доно сенга заҳар тутса ҳам ичгил,
 Қўл чўзмагил шарбат тутса ҳам аҳмоқ.

* * *

Будь среди благородных и чистых людей,
 С недостойными знается только злодей.
 Если мудрый отраву предложит, ты выпей,
 Если глупый шербет преподносит — не пей.

از حادثه زمان راننده مترس
 و ز هر چه رسد چو نیست پاینده مترس
 این یکدم تقدرا به عشرت بگذار
 و از رفته میندیش و ز آینده مترس

* * *

Ситамгар, ўткинчи даврондан қўрқма,
 Қўргилик ўтади, жаҳондан, қўрқма.
 Ғам чекма, нақд умринг ишратда ўтказ,
 Нақ шундоқ келажак замондан қўрқма.

* * *

В мире все быстротечно, не бойся невзгод,
 Все на свете не вечно и скоро пройдет.
 Нам отпущен лишь миг для утех и веселья,
 Не тоскуй о былом и не плачь наперед.

مرغی دیدم نشستہ بر بارہ طوس
 در پیش نہادہ کلہ کی کاوس
 با کلہ ہمی گفت کہ افسوس، افسوس
 کو بانگ جرسہا و کجا نالہ کوس

* * *

Тушда бир қуш кўрдим, саҳар палласи,
 Пойида ётарди Ковус калласи.
 Қуш унга қараб дер: Оҳ, афсус, афсус,
 Қани қўнғироқлар, ноғора саси.

* * *

В старой крепости было видение мне:
 Черный ворон сидит на высокой стене,
 Царский череп когтит и с усмешкой вешает:
 «Где же слава и власть? Все прошло, как во сне!»

خیام اگر ز باده مستی خوش باش
 با ماه رخی اگر نشستی خوش باش
 چون عاقبت کار جهان نیستی است
 انکار که نیستی چو هستی خوش باش



Хайём, ичкиликдан кайф қилиб, шод бўл,
 Бир дам гўзал билан ўлтириб, шод бўл.
 Жаҳонда ҳар ишнинг поёни йўқлик,
 Йўқлигу борликни бир билиб, шод бўл.



Если к чаше принок — будь доволен, Хайям!
 Если с милой хоть миг — будь доволен, Хайям!
 Высыхает река бытия, но покуда
 Бьет еще твой родник — будь доволен, Хайям!

جامیست که عقل آفرین میزندش
 صد بوسه ز مهر بر جبین میزندش
 وین کوزه گر دهر چنین جام لطیف
 میسازد و باز بر زمین میزندش

* * *

Бу жомни кўрганлар офарин дейди,
 Юз марта манглайн ўлиб ким тўйди!
 Фалак кулолининг қилмишига боқ,
 Нозик жом ясади, синдирди қўйди.

* * *

Разум чашу целует — она хороша,
 Выше всяких похвал эта чаша-душа,
 А великий гончар столь изущную чашу,
 Лишь создаст, и уже разбивает спеша.

آن باده که رح ناب میخوانندش
 تیمار دل خراب میخوانندش
 جامی دو سنگین به من آرید سبک
 خیراب چرا شراب میخوانندش

* * *

Оғирлик қилганда дилимга қайғу,
 Ғам-алам солганда дилимга оғу,
 Ҳайр суви — шароб ювар дил ғамин,
 Нечун уни дерлар шарр об — разил сув.

* * *

Если жаждет душа чистоты молодой,
 Если сердце измучено горем-бедой.
 Исцеляет вино — благодатная влага,
 Что напрасно ты злой называешь водой.

در کارگه کوزه گری رفتم دوش
 دیدم دو هزار کوزه گویا و خموش
 ناگاه یکی کوزه بر آورده خروش
 کو کوزه گر و کوزه خر و کوزه فروش

* * *

Кулол дўконига ташладим назар,
 Икки мингча кўза жим суҳбат қулар:
 — Қайсимиз сотувчи, — деди бир кўза, —
 Қайсимиз олувчи, қани кўзагар?

* * *

В ряд гончарный вчера я зашел на базар
 И увидел поистине дивный товар.
 Говорящий кувшин, обращаясь к собратьям,
 Вопросил: «Кто купец? Продавец? Кто гончар?»

سر مست به می‌خانه گذر کردم دوش
 پیری دیدم مست و سبونی بردوش
 گفتم: که چرا نداری، از یزدان شرم
 گفتا که کریم است خدا باده بنوش

* * *

Мастона йўл олдим майхона томон,
 Кўза қучган маст чол бўлди намоён.
 Дедим: Уялмайсан худодан нечун!
 Ул деди: Ичавер, худо меҳрибон.

* * *

Помню, в винный вчера я забрел погребок,
 Вижу: пьяный свалился старик на порог.
 Я воскликнул: «Творца ты, отец, не стыдишься!»
 Он ответил: «Бог милостив, выпьем, сынок!»

سر آدم ای خدای از هستی خویش
 وز تنگ دلی و از تھی دستی خویش
 هر نیست تو هست میکنی بیرون آر
 زین نیستیم بحرمت هستی خویش

* * *

Тўйдим қашшоқ, дилтанг ҳаётдан бутун,
 Эй, оллоҳ, кўрсатгил қудратинг бугун,
 Йўқни бор қиласан, йўқликдан чиқар —
 Мени ҳам, борлигим ҳурмати учун.

* * *

Я пресытился нищенством, боже, на свете,
 Надоели невзгоды и горести эти.
 Всемогущий, ты все сотворил из нуля, —
 Почему ж твоя милость меня не отметит?

تا چند کنیم عرضه نادانی خویش
 بگرفت دلم از بی سر و سامانی خویش
 ز نار از این سپس میان خواهم بست
 از شرم گناه و از مسلمانان خویش

* * *

Қанчалар арз қилсам мен нодонликдан,
 Дил шунча танг бўлур нотавонликдан.
 Бундан сўнг бойлайман белимга зуннор,
 Уялиб гуноҳу мусулмонликдан.

* * *

Я — отступник и душу себе истерзал
 Тем, что грех мой велик, я — ничтожен и мал.
 Позабуду мечеть, опояшусь зуннаром,
 Чтоб аллах лицемером меня не считал.

می در قدح انصاف که جانیست لطیف
 در کالبد شیشه روانیست لطیف
 لایق نبود هیچ کران همدم می
 جز ساغر باده کان کرانیست لطیف



Май инсоф жомида латиф бир жондир,
 Тан шишаси ичра руҳи равондир,
 Ҳеч ким ҳамдамликда тенг кела олмас,
 Фақат соғар менга дўсти жонондир.



Без вина эта чаша души лишена,
 И бутылка бездушна, мертва без вина.
 Собеседником нежным, единственным другом
 Стала чаша Хайяму на все времена.

روحیکه منز هست ز آرایش خاک
 مهمان تو آمده است از عالم پاک
 می ده بیکی جام صبوحی مددش
 ز آن پیش که گوید انعم الله مساک



Тупроққа қоришмай, ёки қўнмай хок,
 Меҳмон бўлиб келмиш сенга руҳи пок.
 Эрта тонг май бирла сийлаб қол уни,
 То демасларидан: «Анъама-ллоҳу масок»¹.



Чистый дух, что от скверны всевышним храним,
 Он сегодня к нам гостем пришел дорогим.
 Подкрепи его чашей вина, чтобы молвил:
 «О господь! Сделай наше дыханье благим».

¹ Худо тунингни хайрли қилсин.

ایام زمانه از کسی دارد ننگ
 کو در غم آیام نشنید دلتنگ
 می خور تو در آبکینه با ناله چنگ
 زان پیش که آبکینه آید بر سنگ

* * *

Ким кунлар ғамидан дилни қилур қон,
 Хайём, ул одамдан уялур замон,
 Шишанг тошга тегиб синмасдан бурун,
 Шишада май ичгил, соз чалиб нолон.

* * *

Кто всегда недовольный и грустный сидит,
 Тот судьбу повергает в смятение и стыд.
 Пей, Хайям, пока чаша твоя не разбилась,
 Веселись, пока нежная флейта звучит.

موجود هر آنچه هست نقشست و خیال
 عارف نبود هر که نداند این حال
 بنشین قدحی باده بنوش و خوش باش
 فارغ شو از این نقش خیالات محال

* * *

Бу олам суврати бари нақш, хаёл,
 Олим улмас, кимки тушунмас не ҳол.
 Бир коса май ичиб, ҳушинг йиғиб ол,
 Бу нақшу хаёлдан фориғ бўл дарҳол.

* * *

Все, что видишь, лишь видимость жизни иной,
 Ничего достоверного нет под луной.
 Мудрость в том, чтоб оставить бесплодные думы,
 Этот опыт обрел я немалой ценой.

از جرم گل سیاه تا اوج زحل
 کردم همه مشکلات کلی را حل
 بگشادم بندهای مشکل بحیل
 هر بند گشاده شد بجز بند اجل

* * *

Қаро ер қаъридан то авжи Зуҳал,
 Коинот сирларин барин қилдим ҳал.
 Кўп мушкул тугунни англадим, ечдим,
 Ечилмай қолгани биргина ажал.

* * *

От земной глубины до далеких планет
 Мирозданья загадкам нашел я ответ.
 Все узлы развязал, все оковы разрушил,
 Узел смерти одной не распутал я, нет!

کس خلد و جحیم را ندیدست ای دل
 کونی که از آن جهان رسیدست ای دل
 امید و هراس ما بچیز نیست کز آن
 خود نام و نشان نه دیدست ای دل

* * *

Дўзаху жаннатни ким кўрган, э дил,
 У дунё хабарин ким берган, э дил.
 Қўрқув умидимиз шулардан, аммо —
 Ному нишонасин ким билган, э дил.

* * *

Кто в раю побывал, видел ад, о душа?
 Кто ушел и вернулся назад, о душа?
 Уповать ни к чему и бояться не надо,
 Ожидать бесполезно наград, о душа!

با دلبر کی تازه تر از خرمن گل
 از دست منه جام می و دامن گل
 ز آن پیش که ناگه شود از باد اجل
 پیراهن عمر ما چو پیراهن گل

* * *

Кимнинг ёнида бор гулдек жонони,
 Этагин ушласин, қўлда паймони.
 Эрта гул баргидек учириб кетар
 Умр кўйлагини ажал бўрони.

* * *

Будь с подругой, что краше других и нежней,
 Чти любовь и вино до скончания дней.
 Ибо скоро сорвут этой жизни рубашку,
 И отправят несчастных в обитель теней.

يك دست به مصحفيم و يك دست بجام
 كه مرد حلاليم و كهی مرد حرام
 مايم در اين كنبد فيروزه رخام
 نه كافر مطلق نه مسلمان تمام

* * *

Бир қўлда қуръону биттасида жом,
 Баъзида ҳалолмиз, баъзида ҳаром,
 Фируза гумбазли осмон тагида
 На чин мусулмонмиз, на кофир тамом.

* * *

Держит чашу рука, а другая — коран,
 То молюсь до упаду, то до смерти пьян.
 Как лишь терпит нас мраморный свод бирюзовый,
 Не кафиров совсем, не совсем мусульман?!
 Не кафиров совсем, не совсем мусульман?!

مائیم در اوفتاده چون مرغ به دام
 دلخسته روزگار و آشفته مدام
 سرگشته در این دائره پی درو بام
 نا آمده بر مراد و نارفته به کام

* * *

Биз мисоли қушмиз, оёқларда дом
 Умрдан дилхаста ошуфта мудом.
 Бу эшигу томсиз оламда сарсон,
 На муродга етдик ва на топдик ком.

* * *

Мы с тобою, как птицы плененные, тут,
 Мы во власти печалей, волнений и смут.
 Ни взлететь нам, ни выйти из этого круга,
 В суете бесполезной желанья умрут.

ایزد چو نخواست آنچه من خواسته ام
 کی گردد راست آنچه من خواسته ام
 گر جمله صواب است که او خواسته است
 پس جمله خطاست آنچه من خواسته ام

* * *

Хоҳлаган ишимни хоҳламас худо,
 Қачон истагимни айлабди бажо.
 Унинг истаклари тўп-тўғри бўлса,
 Менинг истакларим барчаси хато.

* * *

Раз желаньям, творец, ты предел положил,
 От рожденья поступки мои предрешил,
 Значит, я и грешу с твоего позволенья
 И лишь в меру тобою отпущенных сил.

من زين دل بي خبر به جان آمده ام
 و ز جان ستمکش به فغان آمده ام
 چون کار جهان با من و بی من یکسان
 یس من به چه کار در جهان آمده ام

* * *

Бу беҳабар дил ҳам тегди-ку жонга,
 Ситамидан жоним келди фиғонга.
 Оламга барибир бору йўқлигим,
 Бас, мен нима учун келдим жаҳонга.

* * *

Вновь печали меня погружают во тьму,
 Нет отрады душе, нет покоя уму.
 Этот мир без меня обходился прекрасно,
 Я уйду совершенно ненужный ему.

گر من ز می مغانه مستم، هستم
 ور عاشق و رند و بت پرستم هستم
 هر کس به خیال خود گمانی دارند
 من خود دانم هر آنچه هستم، هستم

* * *

Мугона бодадан маст бўлсам бордур,
 Ошиқу ринд бутпараст бўлсам бордур.
 Ҳар ким мени ҳар хил гумон қилади,
 Қандайлигим фақат менга ошқордур.

* * *

Говорят, я в разврате погряз — это так,
 Говорят, пью вино всякий час — это так.
 Люди судят по внешности — это известно, —
 Ибо спрятана сущность от глаз — это так.

گویند مرا که می پرستم هستم
 گویند مرا فاسق و مستم هستم
 در ظاهر من نگاه بسیار مکن
 کاندرا باطن چنانکه هستم هستم

* * *

Десалар майпараст, худди ўша мен,
 Десалар фосиқ, маст худди ўша мен.
 Сиртимга бунчалар қарама, дилим —
 Бўлса тоза ё паст, худди ўша мен.

* * *

Говорят, что я пьяный старик — я таков!
 Обвиняют: безбожник, блудник — я таков!
 Люди вздором охотно себя развлекают, —
 Не печалюсь, не спорю, привык — я таков!

هشيار نبوده ام دمی تا هستم
 گرچه شب قدر بانند آن هم مستم
 لب بر لب جام و سینه برسینه خم
 تا روز بگردن صراحی دستم

* * *

Дунёга келибмен, бўлдим доим маст,
 Қадр кечаси ҳам мен масту аласт.
 Лабим жом лабида, қучоғимда хум,
 Тонг отгунча қўлим кўзага пайваст.

* * *

Сколько жив, буду вечно я весел и пьян,
 Принесите вина — наступил рамазан!
 До утра я с кувшином пребуду в объятьях,
 Крепко чашу целуя, свалившись на жбан.

من در رمضان روزه اگر میخوردم
 تا ظن نبیری که بی خیر میخوردم
 از محنت روزه روز من چون شب بود
 پنداشته بودم که سحر میخوردم

* * *

Рӯза, рамазонда гар ичсам шароб,
 Мени нодон деманг, демангиз каззоб,
 Рӯза азобидан куним — қаро тун,
 Саҳарлик деб майга этибмен шитоб.

* * *

Рамазан. Дни и ночи живем, как впотьмах,
 От постов и молитв все померкло в глазах.
 Я сегодня с утра по ошибке напился,—
 За нечаянный грех не накажет аллах.

كو محرم راز تا بكويم يك دم
 كز گاه نخست خود چه بودست آدم
 محنت زاده سرشته از گل غم
 يك چند جهان بگشت و برداشت قدم

* * *

Қани ул сирдош дўст, сир айтсам бир дам,
 Азалда қандайин бўлгани одам:
 Жафо-ю қайғудан қорилган лойи.
 Бир йўл жаҳон кезиб, тез узди қадам.

* * *

Только другу надежному я б рассказал,
 Что несчастен наш жребий от самых начал.
 Мы рождаемся в муках из глины страданий
 И свершаем навязанный нам ритуал.

دوشینه پی شرب میگردیدم
 افسرده گلی کنار آتش دیدم
 گفتم که چه کرده که میسوزاندت
 گفتا: نفسی در این چمن خندیدم

* * *

Кеча шароб излаб босар эдим йўл,
 Йўлда ётар ўтда қовжираган гул.
 Дедим: «Гуноҳинг не, куйдирибдурлар?»
 «Бир нафас чаманда кулдим», деди ул.

* * *

Шел вчера я, мечтая о чаше вина,
 Вижу: роза растоптана, обожжена.
 Я спросил: «За какие грехи наказанье?»
 «Слишком громко смеялась», — сказала она.

کنجی و دو قرص از جهان بگزیدم
 و ز دولت و چشمش طمع بیریدم
 در ویشی را به جان و دل بخریدم
 در درویشی توانگریها دیدم

* * *

Бир бурчакда қотган нонга қаноат,
 Истамадим ундан ортиқ ҳашамат.
 Жону дилдан харид этдим фақирлик,
 Фақирликдан ортиқ кўрмадим давлат.

* * *

Раньше в мире я блага, богатства искал,
 А потом себе в спутники бедность избрал.
 Черствым хлебом довольствуюсь в бедном жилище
 И, поверьте, богаче богатого стал.

هر گز به طرب شراب نابی نخورم
 تا از کف اندوه شرابی نخورم
 نانی نزنم در نمک هیچ کسی
 تا از جگر خویش کبابی نخورم

* * *

То қайғу қўлидан ичмасдан шароб,
 Қувониб ичмадим асло майи ноб.
 Ҳеч кимнинг тузига нон ботирмайман,
 То ўз жигаримдан емайин кабоб.

* * *

Опьяняют печали. Их пленник и раб,
 Потому и к вину я пристрастен и слаб.
 Зло и слезы сожгли мое бедное сердце,
 Стало черным оно, превратилось в кебаб.

كفتيم كه دگر باده گلگون نخورم
 مي خون رزانت دگر خون نخورم
 پير خردم گفت بجد ميگوئي
 كفتيم كه مزاح ميكنم چون نخورم

* * *

Дедим: Энди майи гулгун ичмайман,
 Май — ток қони, энди мен хун ичмайман,
 Кекса ақлим айтди: Шу гапинг ростми?
 Дедим: Ҳазиллашдим, нечун ичмайман?!

* * *

Сок лозы показался мне кровью спьяна,
 Я сказал: «Пить отныне не буду вина!»
 Разум тут же поправил меня: «Пожалеешь!
 Кто не пьет, тот, поверь, не живет, старина!»

من می نه ز بهر تنگ دستی نخورم
 یا از غم رسوائی و مستی نخورم
 من می ز برای خوشدلی میخوردم
 اکنون که تو بر دلم نشستستی نخورم

* * *

Уйлама, пулсизу ночор, ичмайман,
 Расволикдан қилиб ё ор, ичмайман.
 Мен майни дилхушлик учун ичардим,
 Бу кун-чи, қалбимда сен бор, ичмайман.

* * *

Не по бедности я позабыл про вино,
 Не из страха совсем опуститься на дно.
 Пил вино я, чтоб сердце весельем наполнить,
 А теперь мое сердце тобою полно.

با بخشش تو من از گناه نندیشم
 با توشه تو ز رنج ره نندیشم
 کر رحم توام سفید روانگیزد
 من هیچ ز نامه سببه نندیشم

* * *

Афвинг бор, гуноҳдан қўрқув билмайман,
 Ризқ бердинг, йўл ранжин кўзга илмайман.
 Раҳмингдан оқ юз-ла турсам маҳшарда,
 Номим қора дея ташвиш қилмайман.

* * *

Говорят, что ты смертных умеешь прощать,
 Не дозволишь грешить и не дашь обнищать.
 Если ты воскресишь меня ангелом светлым,
 То зачем меня черною книгой страшать?

آنروز که نبودى شراب پاکم
 زهرست بکامم ار بود تریاکم
 زهرست غم گیتی و تریاکش می
 چون می خور می ز زهر نبود باکم

* * *

Қўлимда бўлмаса агар майи пок,
 Заҳр эрур оғзимда бўлса ҳам тарёк.
 Олам гами заҳар, давоси шароб,
 Май ичсам заҳарга қараймен бебок.

* * *

Если кубок мой пуст — я печалью объят,
 Все, что пью я и ем, превращается в яд.
 Поит жизнь нас без устали горькой отравой,
 Лишь вино и красotka меня исцелят.

از باده شود تكبر از سرها كم
 و ز باده شود گشاده بند محكم
 ابليس اگر ز باده خوردى يك دم
 كردى دو هزار سجده پيش آدم

* * *

Ичкилик кеккайган бошни қилур ҳам,
 Майдан счилмаган бирор тугун кам.
 Бир қултум май ичган бўлсайди шайтон
 Минг сажда қиларди одамга ул ҳам.

* * *

Из голов изгоняет надменность вино,
 Узел самый тугой распускает оно.
 Если б люди Иблиса вином соблазнили,
 Он к Адаму с поклоном пришел бы давно.

من ظاهر نیستی و هستی دانم
 من باطن هر فراز و پستی دانم
 با این همه از دانش خود شرمم باد
 گر مرتبه و رای مستی دانم

* * *

Бор-йўқнинг зоҳири — юзини билдим,
 Баланд-паст илдизи — изини билдим.
 Мансаб деб мастликнинг ўзин билмасам,
 Билимим ҳайф кетсин, ўзини билдим.

* * *

Кубок знаний я выпил до самого дна,
 Жизнь и смерть, дух и плоть — мне их сущность
 Но сказать не стыжусь: выше мудрости всякой
 Ароматная, полная чаша вина.

видна.

من بی می ناب زیستن نتوانم
 بی باده کشید بارتن نتوانم
 من بنده آن دم که ساقی گوید
 یک جام دگر بگیر و من نتوانم

* * *

Тирик юролмайман шаробсиз бир дам,
 Тан юкини майсиз тортолмайман ҳам,
 Садқаси кетайин шундай дамниким,
 Соқий май узатса, ололмай қолсам.

* * *

В этом мире вина я не пить не могу,
 Без вина даже шага ступить не могу.
 Миг прекрасен: подносят мне полную чашу —
 Я ее ни поднять, ни разбить не могу.

خورشید بگل نهفت می نتوانم
 و اسرار: زمانه گفت می نتوانم
 از بحر تفکرم برآورد خرد
 دری که ز بیم سفت می نتوانم

* * *

Гул барги-ла кунни тўса олмайман,
 Қисмат сирларини еча олмайман,
 Фикр денгизидан дур топди ақл,
 Қўрқувдан бу дурни теша олмайман.

* * *

Ярче солнца я роз не возрастил — не могу,
 Разгадать сочетанье светил — не могу.
 Разум жемчуг извлек из пучин размышлений,
 Просверлить ни отваги, ни сил — не могу.

کرد دگری چگونه پرواز کنم
 یا عشق نوی چگونه آغاز کنم
 يك لحظه سر شك دیده می نگذارد
 تا چشم بروی دگری باز کنم

* * *

Бошқалар бошидан нечук айланай,
 Ё янги севгини бошлайин қалай.
 Қўзимдан дув оққан ёшим қўймагач,
 Ўзга ёр ҳуснига қандоқ бойланай.

* * *

Может быть, обратиться с любовью к другой?
 Но могу ли другую назвать дорогой,
 Если даже взглянуть не могу на другую:
 Затуманены очи разлукой с тобой?

از من بر مصطفی رسانید سلام
 وانگاه بگوئید با عزاز تمام
 کاسید هشمی چرا دوغ ترش
 در شرع حلالست و می ناپ حرام

* * *

Мендан Мустовфийга айтингиз салом,
 Сўнгра ҳурмат ила бир сўз дер Хайём.
 «Эй сайид, не учун ачиган айрон
 Шариатда ҳалол, тоза май ҳаром?»

* * *

Мустафе передайте мой низкий поклон
 И спросите с почтеньем, чтоб выслушал он:
 «Почему свежий сок винограда запрещен,
 А прокисший кумыс нам тобой разрешен?»

من باده خورم و ليک مستی نکنم
 الا به قدح دراز دستی نکنم
 دانی غرضم ز می پرستی چه بود
 تا من تو خویشتن پرستی نکنم

* * *

Май ичамен, мастлик қилмайман асло,
 Қадаҳдан ўзгага бўлмайман бало.
 Бода ичишликдан менинг ғаразим —
 Узимга сен каби қўймаслик бино.

* * *

Да, вино я люблю, но не пьяница я,
 Пусть же в чаше останется сила моя.
 Лучше вечно пред чашей стоять на коленях,
 Но не кланяться низким, как ты, мой судья.

با نفس همیشه در نبردم چه کنم
 وز کرده، خویشتن به دردم چه کنم
 کیرم که ز من در گذرانی به کرم
 زین شرم که دیده، چه کردم چه کنم

* * *

Нафсим-ла жангдамен доим, не қилай?
 Шул дард-ла ұтар йил-ойим, не қилай?
 Дейлик карам-ла афв этарсен, лекин:
 Уятдан ұлурмен худойим, не қилай?

* * *

Я борюсь постоянно с собой, как мне быть?
 Я измучен своею виной, как мне быть?
 Знаю, милостив ты и простить меня можешь,—
 Только стыд неизбежно со мной, как мне быть?

يارب تو كلم سرشته * من چه كنم
 پشم و قصبم تو رشته * من چكنم
 هر نيك و بدى كه از من آيد به وجود
 تو بر سر من نوشته *، من چه كنم

* * *

Ё раб, лойимни-ку, қорган ўзингсан,
 Уриш-арқоғимни ўрган ўзингсан
 Ёмонманми, яхши, мен қандоқ қилай!
 Тақдир манглайини берган ўзингсан.

* * *

Ты из праха меня изваял, я при чем?
 Ты наполнил вином мой фиал, я при чем?
 Все дурное и доброе, что совершаю,
 Ты ведь сам, наш творец, начертал — я при чем?

كل گفت كه من يوسف مصر چمنم
 ياقوت گرانمايه پر زر دهنم
 گفتم چو تو يوسفى نشانى بنماي
 گفتا كه ز من دريده بين بير هنم

* * *

Гул дер: Мен Юсуфмен Миср — чаманда.
 Еқутдан қимматроқ зар тўла ханда.
 Дедим: Юсуф бўлсанг кўрсат нишона,
 Деди: Боқ, қонлидир кўйлагим танда.

* * *

«Я—прекрасный Юсуф—розан гордо сказал.—
 А уста мои — в золото опрaвленный лал».
 Я сказал: «Ты — Юсуф? Доказательства где?
 «Вот рубашка в крови. Разве ты не узнал?»

هر يك چندی یکی بر آید که منم
 با نعمت و با سیم و زر آید که منم
 چون کار که او نظام گیرد روزی
 نا که اجل از کمین در آید منم

* * *

Бирор киши чиқиб ҳар замон, мана Мен, дейди,
 Молу симу зари бор чунон, мана Мен, дейди.
 Иши ривож топиб турганда, бир куни ажал —
 Пистирмадан чиқиб ногаҳон, мана Мен, дейди.

* * *

Порою некто гордо мечет взгляды: «Это — я!»
 Украсит золотом свои наряды: «Это — я!»
 Но лишь пойдут на лад его делишки,
 Внезапно смерть выходит из засады: «Это — я!»

این گونه که من کار جهان میبینم
 عالم همه را یکان بر آن میبینم
 سخنانه الله به هر چه در مینگرم
 نا کامی خویشتن در آن میبینم

* * *

Жаҳон ишин алвон-алвон кўрамен,
 Оламни тез ўтар бир он кўрамен.
 Худо ҳаққи, қайга назар ташламай,
 Шунда бутсизлигим аён кўрамен.

* * *

Тайны мира постиг пронизательный взор:
 Все на свете поистине глупость и вздор.
 И куда не взгляну я — о, слава аллаху! —
 Угрожают мне беды, несчастья, позор.

هوسم به شراب ناب باشد دائم
 گوشم به نی و ریاب باشد دائم
 گر خاک مرا کوزه پس از من سازند
 خواهم که پر از شراب باشد دائم

* * *

Истагим майи ноб бўлгани-бўлган,
 Тинглаганим рубоб бўлгани-бўлган,
 Менинг тупроғимдан кўза қилсалар,
 У ҳам тўла шароб бўлгани-бўлган.

* * *

Жажду влаги заветной и ночью и днем,
 Жажду музыки утром, в обед, перед сном.
 Прах посмертный мой сделайте звонким кувшином
 И наполните алым, душистым вином.

بر مفرش خاک خفتگان می بینم
 در زیر زمین نهفتگان می بینم
 چند آنکه به صحرای عدم می نگرم
 نا آمدگان و رفتگان می بینم



Тупроқда ётишар уйқу босиб, хўп,
 Ер остида ниҳон мисоли бир чўп,
 Йўқлик саҳросига боқибон кўрдим,
 Унда келганлару келмаганлар кўп.



Сном навеки сраженные видятся мне,
 Под землей схороненные видятся мне.
 В мраке небытия вижу тени ушедших,
 И еще не рожденные видятся мне.

در پای اجل جو من سر افکنده شوم
 در دست اجل جو مرغ پر کنده شوم
 زهار کلم بجز صراحی مکتید
 شاید که چو بوی می رسد زنده شوم

* * *

Ажал бош эгдирса, бўлмаса чора,
 Дастидан тану дил бўлса юз пора,
 Тупроғимдан фақат кўза ясангиз,
 Майнинг ҳиди тегиб, тирилсам зора.

* * *

Когда достанет смерть меня рукою длинной,
 И под ее пятой я стану влажной глиной,
 Из праха моего гончар кувшин пусть слепит,
 Быть может оживу, почуяв запах винный.

در مسجد اگر چه با نیاز آمده‌ام
 حقا که نه از بهر نماز آمده‌ام
 زین جا روزی سجاده دزدیدم
 آن کهنه شده‌است باز باز آمده‌ام



Масжидга боргандим мен ниёз учун,
 Рост айтсам на тоат, на намоз учун.
 Жойнамоз ўғирлаб эдим, эскибди
 Яна аста келдим жойнамоз учун.



Ночь. На дело готовым в мечеть я пришел,
 Не в смиреньи суровом в мечеть я пришел.
 Здесь когда-то украл я молитвенный коврик,
 Изорвался — за новым в мечеть я пришел.

از خالق بخشنده و از رب رحيم
 نوميد مشو ز جرم و عصيان عظيم
 گر مست و خراب خفته باشى امروز
 فردا بخشد به استخوانهاى رميم

* * *

Холиқ — кечирувчи, раҳмли Раҳмон,
 Исёну гуноҳдан бўлмагил гирён.
 Бу тун масту хароб уйқуга кирсанг,
 Эрта афв этилур чирик устухон.

* * *

Я хотел и страстей не сумел побороть:
 Над душою царит ненасытная плоть.
 Но я верю в великую милость господню:
 После смерти простит мои кости господь.

ما خرقة زهد بر سر خم کردیم
 و ز خاک خرابات تیمم کردیم
 باشد که ز خاک میکده دریابیم
 آن عمر که در میکده ها کم کردیم

* * *

Жанда тўнни хумнинг оғзига ёпгум,
 Харобат гардига қилдик таяммум.
 Майхона хокидан топармиз ҳаёт,
 Чунки ҳаётимиз шунда бўлди гум.

* * *

Изорву на затычку для жбана чалму,
 Пьяным прахом омоюсь в питейном дому,
 Может быть, в кабаке и отыщется средство
 Разогнать ханжества непроглядную тьму.

يك چنڊ به كودكى به استاد شديم
 يك چنڊ به استادى خود شاد شديم
 پايان سخن مثنوى كه مارا چه رسيد
 از خاك در آمديم و برباد شديم

* * *

Ёшликда биз шогирд ўзгалар устод,
 Сўнгра устод бўлиб, дилни этдик шод.
 Охири қаерга етишдик десанг,
 Тупроқдан чиқибоқ, бўлибмиз барбод.

* * *

В детстве истину ищем, стучась к мудрецам,
 После истины сами толкуем юнцам.
 В чем же истина? В том, что родившись из капли,
 Мы в земле растворимся ,подобно отцам.

پاك از عدم آمديم و ناپاك شديد
 شادان به در آمديم غمناك شديد
 بوديم ز آب ديده در آتش دل
 داديم به باد عمر و در خاك شديد

* * *

Йўқликдан пок келиб, нопок бўлдик биз,
 Шўҳу қувноқ келиб, ғамнок бўлдик биз.
 Кўзимиз тўла ёш юракда олов,
 Умр елга кетди ҳам хок бўлдик биз.

* * *

Чистым в мир я пришел — взят был скверною в плен,
 Долго радостью цвел, но засох от измен.
 Опалили мне сердце горячие слезы,
 Предвещает закат только старость и тлен.

افسوس که بی‌فایده فرسوده شدیم
 وز طاس سپهر باژگون سوده شدیم
 درد او ندامتا که تا چشم زدیم
 نابوده به کام خویش نا بوده شدیم

* * *

Афсуски, бекордан-бекор сўлдик биз,
 Фалакнинг дастидан кукун бўлдик биз,
 Кўз очиб юмгунча кўрган аламдан
 Тилакка етолмай, охир ўлдик биз.

* * *

Небо в чаше скорбей нас с тобой истолкло,
 Все надежды, как ветром золу, размело.
 Счастья нет. Мы и глазом моргнуть не успели,
 А пора уходить. На душе тяжело.

ای صاحب فتوی ز تو پر کار تریم
 یا اینهمه مستی ز تو هشیارتریم
 ما خون رزان خوریم و تو خون کسان
 انصاف بده کدام خونخوار تریم

* * *

Муфти, сендан кўра пуркорроқдирмиз
 Ута маст бўлсак ҳам ҳушёрроқдирмиз.
 Биз ток қонин ичамиз, сен одам қонин,
 Инсоф қил қайсимиз хунхорроқдирмиз.

* * *

Не понять тебе наши, о муфтий, дела:
 Мы свой дух укрепили, пропившись дотла.
 В нашей чаше вино, а в твоей — кровь людская,—
 Вот куда кровожадность тебя завела!

ز آن پیش که از زمانه تابی بخوریم
 با یکنگر امروز شرابی بخوریم
 کاین چرخ فلک به گاه رفتن مارا
 چندان ندهد امان که آبی بخوریم

* * *

Бошга чарх кулфати тушмасдан ҳали,
 Келингиз қўр тўкиб, шароб ичгали.
 Бу фалак, дунёдан ўтар чоғимиз —
 Қўймади бир томчи сув ҳам ютгали.

* * *

Пей вино, постарайся прожить без забот,
 Ты получишь еще свою долю невзгод.
 Повернется над нами коварное небо,
 Хлеб насущный, пожалуй, и тот отберет.

ای دوست بیا تا غم فردا نخوریم
 وین یک دم عمر را غنیت شمیریم
 فردا که ازین دیر فنا در گذریم
 با هفت هزار سالگان سر بسریم

* * *

Эй дўст, халос бўлайлик эрталик ғамдан,
 Нақд деб баҳра олайлик ғанимат дамдан.
 Етмиш минг йилгилар билан тенгмиз-да —
 Эртага кетсак бу кўҳна оламдан.

* * *

Ты в бесплодных заботах о завтрашнем дне,
 Я живу и судьбою доволен вполне.
 Ибо завтра расстаться с юдолью земною,
 И тебе предстоит, и назначено мне.

ترسیم کزین بیش به عالم نرسیم
 با همنفسان نیز فراهم نرسیم
 این دم که در اونیم غنیمت شعریم
 شاید که به زندگی در آن دم نرسیم

* * *

Келолмагач қайтиб ушбу оламга,
 Қўрқаман етмасмиз ёру ҳамдамга,
 Бу дамни ганимат ҳисоб этайлик,
 Балки етолмасмиз ҳатто шу дамга.

* * *

В этот мир еще раз нам — боюсь — не попасть,
 Чтоб с друзьями весельем натешиться всласть.
 Потому не теряй драгоценных мгновений, —
 Смерть пока их у нас не успела украсть.

ما افسرخان و تاج کی بفروشم
 دستار قصب به بانک نی بفروشم
 تسبیح که بیک لشکر تزویرست
 ناگاه بیک پیاله می بفروشم

* * *

Сотардик хон тахти, тожи Кай бўлса,
 Салла, чопонни ҳам агар най бўлса,
 Фирибнинг лашкари бўлган тасбеҳни
 Бирдан сотар эдик қултум май бўлса.

* * *

Блеск дворцов, и сияние царских корон,
 И чалму — украшение знатных персон —
 Все отдам за лужайку в зеленом наряде,
 Полный кубок и флейты пленительный стон.

دشمن بغلط. گفت که من فلسفیم
 ایزد داند که آنچه او گفت نیم
 لیکن چو در این غم آشیان آمده‌ام
 آخر کم از آنکه من بدانم که کیم

* * *

Мени файласуф деб, ёв қилур хато,
 Мен ундай эмасман, билади худо.
 Шу қайғу уйига келгач, ўзимни —
 Ким билсам ўшандан камроқман, ҳатто.

* * *

Вольнодумцем меня называют враги,
 Это глупость и вздор. О господь, помоги:
 Раз пришел я в обитель страданий и горя,
 Значит мне и платить за грехи и долги.



چون نیست مقام ما درین دهر مقیم
 پس بی می و معشوق خطایی است عظیم
 تا کی ز قدیم و محدث امیدم و هییم
 چون من رفتم جهان چه محدث چه قدیم

* * *

Бунда мақомимиз эмасдир муқим,
 Майсиз кун ўткавмоқ хатодир азим.
 Тоқай эски, янги деб чекамиз ғам,
 Биз кетгач барибир, янгими - қадим.

* * *

Если жизнь на мгновение нам, хрупким, дана,
 Непростительно жить без любви и вина.
 О небесном блаженстве святоша хлопочет, —
 Мне такая забота, ей богу, смешна.

ماییم که اصل شادی و کان غمیم
 سرمایه دادیم و نهاد ستمیم
 پستیم و بلندیم و کمالیم و کمیم
 آینه زنگ خورده و جام جمیم

* * *

Хуррамлик асоси, кони алам биз,
 Ситам асли, адл мояси ҳам биз.
 Пастмизу баландмиз, етукмиз, кам биз,
 Занг босган оина ҳам жоми Жам биз.

* * *

Мы — горя основа и счастья рудник,
 Мы — корень неправды и правды родник,
 Низки и высоки, чисты и порочны, —
 Мы — чаша Джамшида и мерзости лик.

این چرخ فلک که ما در او گردانیم
 فانوس خیال از و مثالی دانیم
 خورشید چراغدان و عالم فانوس
 ما چون صوریم کاندرا او حیرانیم

* * *

Бизни айлантирган бу чархи фалак,
 Уни фонус дея хаёл қил андак:
 Қуёш чироғи-ю олам фонуси,
 Икки ўртада биз ҳайрону ҳалак.

* * *

Этот мир я сравнил бы с простым фонарем,
 Солнце с свечкой, пылающей жарким огнем.
 Мы блуждаем, как тени, в загадочном мире,
 Ничего достоверно не зная о нем.

يك روز ز بند عالم ازاد نيم
 يكدم زدن از وجود خود شاد نيم
 شاگردى روزگار كردم بسيار
 در كار جهان هنوز استاد نيم

* * *

Олам тузоғидан озод эмасмиз,
 Бир нафас олмоқдан ҳеч шод эмасмиз,
 Ҳаётга кўп шогирд бўлдигу ҳануз —
 Дунёнинг ишига устод эмасмиз.

* * *

Не избавиться мне от житейских оков,
 Я не рад, что несчастный мой жребий таков,
 У судьбы я учился прилежно и долго.
 Но всегда оставался в числе дураков.

ای چرخ ز گردش تو حرسند نیم
 آزادم کن که لایق بند نیم
 گر میل تو با بیخرد و نا اهل است
 من نیز چنان اهل و خردمند نیم

* * *

Эй чарх, гардишингдан эмасман хурсанд,
 Озод эт, ярашмас менга ҳеч бул банд.
 Нодон, ноаҳлга гар карам қилсанг,
 Мен ҳам эмасмен-ку аҳли донишманд.

* * *

Если ты, небосвод, возлюбил дураков,
 Полюби и меня — я ведь тоже таков.
 Не могу сделать шага по собственной воле, —
 Отпусти — я твоих недостойн оков.

بر خيز دلا كه چنگ بر چنگ زنيـم
 مي نوش كنيم و نام بر ننگ زنيـم
 سجاده به يك پياله مي بفروشيم
 اين شيشه " نام ننگ بر سنگ زنيـم

* * *

Тур, э дил, чанг чалиб базм қурайлик,
 Ичиб, ёмонликка номни бурайлик.
 Сотиб жойнамозни пиёла майга,
 Рӯё шишасини тошга урайлик.

* * *

О душа! Звонком арфы печали развей,
 Будем пить, не заботясь о чести своей.
 Не стыдись и молитвенный коврик пропей,
 Эту чашу позора о камень разбей.

تا دست با تفاق در هم زنیم
 پائی ز نشاط بر سر غم زنیم
 پیش از که صبح دم صبحی بزнім
 کین صبح بسی دمد که ما دم زنیم

* * *

Қўлни қўлга бериб бўлмасак ҳамдам,
 Шодлик оёғидан тепки емас ғам.
 Тонг чоғида туриб, саҳарлик май сун,
 Жуда кўп тонг отар биздан кейин ҳам.

* * *

Кто подругу и верного друга найдет
 Тот легко, беспечально, приятно живет.
 Он веселою чашей встречает рассветы,
 Ибо дарит мгновенья нам жизнь-скорород.

تا چند اسیر عقل هر روزه شویم
 درد دهر چه صد ساله ، چه یکروزه شویم
 در ده تو بکاسه می از آن پیش که ما
 در کار که کوزه گران کوزه شویم

* * *

Дунёда яшайсен юз йилми бир кун,
 Токай ризқу рўзим дея жигар хун.
 Косани қўлга ол, кулол чархида
 Тупроғингдан коса ясашдан бурун.

* * *

Глуно жить ради золота и серебра,
 Жизнь не вечна — уйти наступает пора.
 Дай мне чашу и помни: наш прах после смерти
 Превратится в кувшин на станке гончара.

مقصود ز کل آفرینش مائیم
 در چشم خرد روان بینش مائیم
 این دائره جهان چو انگشتری است
 میدان تنها تکین نقشش مائیم

* * *

Дунёнинг тилаги, самари ҳам биз,
 Ақл кўзин қораси — жавҳари ҳам биз.
 Тўгарак жаҳонни узук деб билсак,
 Шаксиз унинг кўзи — гавҳари ҳам биз.

* * *

Цель творца и вершина творения — мы,
 Мудрость, разум, источник прозрения — мы,
 Этот круг мироздания перстню подобен, —
 В нём граненый алмаз, без сомнения, мы.

اکنون که زند هزار دستان دستان
 جز پاده لعل از کف مستان مستان
 بر خیز و بیا که گل بشادی بشکفت
 روزی دوسه داد خود ز بستان بستان

* * *

Букун булбул ўқир достону дoston,
 Майни қўлдан қўйма мастону мастон.
 Туриб гулзорга чиқ, уч-тўрт кун бўлсин
 Хуррамлик манзилинг бўстону бўстон.

* * *

Снова песни свои завели соловьи,
 И цветы расцвели, опьянев от любви.
 Пей вино, пей дыхание роз благовонных,
 Полным сердцем услады земные лови.

چون حاصل آدمی در این شورستان
 جز خوردن غصه نیست تا کندن جان
 حرم دل آن کزین جهان زود برفت
 و آسوده کسی که خود نیامد به جهان

* * *

Бу кулфатхонада ҳосили инсон —
 Ғуссадан бўлакмас чиққунича жон.
 Хуррамдур ким тезроқ кетди жаҳондан,
 Осидадур кимки келмаса бир он.

* * *

Обступают печали — их целая рать,
 Кроме горя, других нам плодов не собрать.
 Счастлив тот, кто уходит из этого мира,
 Кто совсем не пришел, тот вкусил благодать.

تا چند کنی خدمت دونان و خسان
 جان بر سر هر طعمه مند چون مگسان
 نانی بد و روز خور مکش منت کس
 خون دل خود خوری به از نان کسان

* * *

Токай пастлар хизматин этасан бажо,
 Ҳар емишга пашшадек қилма жон фидо,
 Бир нонни икки кун е, тортма миннат,
 Ўзга нонидан ўз дил қонинг кўп авло.

* * *

Долго ль будешь ты подлым служить без стыда?
 И, как муха, кружить там, где слаще еда?
 Лучше голод терпи, но не будь блюдолизом,
 Ибо низость тебе не простят никогда.

گر بر فلکم دست بدی چون یزدان
 بر داشتی من این فلک را ز میان
 وز نوفلکی دگر چنان ساختمی
 کآزاده به کام دل رسیدی آسان

* * *

Фалакка ҳукм этган тангридай бўлсам,
 Фалакни қилардим ўртадан барҳам,
 Янгидан шундай бир фалак тузардим,
 Яхшилар тилакка етарди ул дам.

* * *

Если б дал мне творец над Вселенною власть:
 Я б коварное небо заставил упасть.
 И взамен я воздвигнул бы небо такое,
 Чтоб на землю с него доброта пролилась.

پر خیز و مغور غم جهان گذران
 بنشین و دمی به شادمانی گذران
 در طبع جهان اگر وفائی بودی
 نوبت بتو خود نیامدی از دگران

* * *

Бунчалик ғам ема, ўткинчи — жаҳон,
 Бир дамлик умрингда бўл шоду хандон,
 Бошқалар кетидан келмасди навбат,
 Вафо нималигин билганда даврон.

* * *

Не тужи, что всему есть на свете конец,
 Это жизнь нам дана для услады сердец.
 Вот когда б постоянство царило в природе,
 То тебе не пришлось бы родиться, глупец.

ای گشته شبانروز به دنیا نگران
 و ندیشه نکرده هیچ از روز گران
 آخر بخود آی و نیک بنگر یک دم
 کایام چگونه میکند با دگران

* * *

Эй тун-кун дунёга кўз тиккан киши,
 Ақлингни жўймасин дунё ташвиши.
 Ахир, эсингни йиғ, ҳушёрроқ бир боқ,
 Недир бошқаларга унинг қилмиши.

* * *

О мирском ты в заботах и ночью и днем,
 Позабыл, что предстанешь пред вечным судом.
 Посмотри, как с людьми расправляется время,
 И тебя оно скоро отправит на слом.

مشنو سخن از زمانه ساز آمدگان
 می خواه مروق پطر از آمدگان
 رفتند یگان یگان فراز آمدگان
 کس می ندهد نشان ز باز آمدگان

* * *

Замонасозларнинг сўзларидан кеч,
 Гўзаллар қўлидан шароб сўраб ич.
 Дунёга келганлар бир-бир кетдилар,
 Қайтганларни ҳеч ким кўрсатолмас ҳеч.

* * *

Бросить пить и красоток забыть навсегда?
 Лучше скорая смерть, чем такая беда!
 Жизнь и так коротка. А потом неизвестность,
 Не останется, может быть, даже следа.

آنرا که وقوف است بر اسرار جهان
شادی و غم و رنج بر او شد یکسان
چون نیک و بد جهان بسر خواهد شد
خواهی همه درد باشد و خواهی درمان

* * *

Кимга маълум бўлса жаҳоннинг сирин,
Қувончу ҳам фарқсиз биридан-бири.
Чунки ўтмай қолмас яхши ҳам ёмон
Хоҳ бари дард бўлсин, хоҳ дармон бари.

* * *

Тому, кто овладел всех тайн великим царством,
Ни радость, ни печаль не кажутся коварством,
Поскольку и добро и зло равно пройдут,
Болезнью хочешь—будь, а хочешь—будь лекарством.

از گردش این دایره بی پایان
 بر خور داری دو نوع مردم را دان
 یا با خبری تمام از نیک و بدش
 یا بی خبری از خود و از حال جهان

* * *

Бу бепоён осмон ҳолидан осон
 Хабар топди фақат икки тур инсон:
 Ё яхши-ёмондан хабардор олим,
 Ё ўзин билмас маст, ақли паришон.

* * *

Нет конца в этом круге, в котором живем,
 Двух людей мы счастливыми в нем назовем.
 Первый — тот, кто все понял, со всем примирился,
 И второй — кто не хочет и знать ни о чем.

رفتم که درین منزل بیداد بدن
 در دست نخواهد بجز از باد بدن
 آنرا باید بمرگ من شاد بدن
 کز دست اجل تواند آزاد بدن

* * *

Мен кетдим, чунки бу жаҳони бедод,
 Бунда яшамоқнинг охири барбод.
 Қим қочиб қутулса ажал дастидан,
 Майли, ўша бўлсин ўлимимдан шод.

* * *

Я земной суетою измучен, поверьте,
 Ухожу из несправедной сей круговерти.
 Над могилой моей пусть смеется лишь тот,
 Кто надеется сам вернуться от смерти.

تنگ است بنام نيك مشهور شدن
 عاز است ز جور چرخ رنجور شدن
 خمار به بوی آب انگور شدن
 به ز آنکه بنهد خویش مشهور شدن

* * *

Яхши номла машҳур бўлмоқ яхшидур,
 Дема чархдан ранжур бўлмоқ яхшидур,
 Ток сувидан махмур бўлмоқ яхшидур,
 Дема зуҳддан мағрур бўлмоқ яхшидур.

* * *

Лучше скромная доля, чем славы позор,
 А пенять на судьбу — это глупость и вздор.
 Лучше пьяницей я прослыву в этом мире,
 Чем ханжою меня назовет разговор.

قانع بيك اسخوان چو كركس بودن
 به زانكه طفيل خوان ناكس بودن
 با نان جوين خويش حقا كه به است
 كالوده بپالوده هرخس بودن

* * *

Бир сўнгакка сордек қаноат қилғон,
 Афзалдур нокасга бўлгандан меҳмон.
 Нокасинг шиннилик нонидан яхши
 Ўзинг топиб еган бурда арпа нон.

* * *

Лучше мыкать нужду и невзгоды с орлом,
 Чем с презренным сидеть за обильным столом.
 Лучше черствую корку глотать в одиночку,
 Чем халвой угощаться с вельможным ослом.

نتوان دل شادرا به غم فرسودن
 وقت خوش خود به سنگ محنت سودن
 کس غیب چه داند که چه خواهد بودن
 می باید و معشوق و به کام آسودن

* * *

Шод дилни этмасин ғамгин, кўз ёши,
 Хуш вақтинг эзмасин машаққат тоши.
 Эрта не бўлишин билмагач киши,
 Букун бўлсин май, най, маъшуқ йўлдоши.

* * *

Час веселья храни от докучных забот,
 Пусть печаль в твое сердце пути не найдет.
 Дорожи наслаждением, страстным желаньем,
 И вкушай от вина и любовных щедрот.

می خوردن و گرد نیکوان گردیدن
 به ز آنکه بزرگ زاهدی ورزیدن
 گر عاشق و مست دوزخی خواهد بود
 پس روی بهشت کس نخواهد دیدن

* * *

Май ичиб, яхшилар қўрин қуршамоқ —
 Суфийваш жаврашдан минг бор яхшироқ.
 Агар ошиқу маст дўзахий бўлса,
 Жаннат бетин ҳеч ким кўрмасди ҳеч чоқ.

* * *

Лучше с милой красавицей быть и с вином,
 Чем молитвой себя изнурять и постом.
 Если правда, что в ад отправляют влюбленных,
 Что мне делать в раю, безнадежно пустом?

يارب به دل اسير من رحمت كن
 بر سينه غم پذير من رحمت كن
 برياي خرا با ترومن بخشاي
 بر دست پياله من رحمت كن

* * *

Ё раб, асир дилимга раҳмат бағишла,
 Сийнам — ғам соҳилимга раҳмат бағишла.
 Майхонага югурган оёғим кечир,
 Қадаҳгир қўлимга раҳмат бағишла.

* * *

Мою душу плененную, боже, прости!
 Грудь любовью спаленную, боже, прости!
 Мои ноги, привыкшие к грешным дорогам.
 Руку с чашею полною, боже, прости!

درویش، ز تن جامه صورت بر کن
 تا در ندھی به جامه صورت تن
 رو کهنه کلیم فقر بر دوش افکن
 در زیر کلیم کوس سلطانی زن

* * *

Гурур либосини ечибон тезроқ,
 Суратингга эмас, сийратингга боқ.
 Мағрурлик дилингда бўлмоғи даркор,
 Увадада султон ноғорасин қоқ.

* * *

Сбрось гордыню, богатое платье сними,
 Честь и имя свое не роняй, не срами.
 Посмотри, как дервиш, облаченный в лохмотья,
 Словно сам падишах, себя держит с людьми.

از دی که گذشت هیچ از و یاد مکن
 فردا که نیامده است، فریاد مکن
 برنامه و گذشته بنیاد مکن
 حالی خوش باش و عمر بر باد مکن.

* * *

Кечаги кунингни айламагил ёд,
 Эртанг келмай туриб, этма кўп фарёд.
 Утган, келмаганга қайғурмоқни қўй,
 Қувноқ бўл, умрингни қилмагил барбод.

* * *

День прошел — и о нем позабудь поскорей:
 Да и стоит ли завтрашний наших скорбей?
 Откровения нет ни в былом, ни в грядущем, —
 Мы сегодня живем. Так смотри веселей!

تا بتوانی خدمت رندان میکن
 بنیاد نماز و روزه و یران میکن
 بشنو سخن راست خیام عمر
 می میخور و ره میزن و احسان میکن

* * *

Риндлар хизматига бел боғлаб чандон,
 Айла намоз-рўза асосин вайрон,
 Умари Хайёмга қулоқ ос бир он:
 Май ич, мусиқа чол ва айла эҳсон.

* * *

Всюду с риндами будь и смотри веселей,
 А посты и молитвы забудь, дуралей.
 Следуй мудрым советам Омара Хайяма:
 Пей, гуляй, для друзей ничего не жалея.

مسکین دل دردمند ویرانه من
 هشیار نشد ز عشق جانانه من
 روزی که شراب عاشقی میدادند
 در خون جگر زدند پیمانه من

* * *

Дардга чалинмиш бу дили вайронам,
 Ишқдан уйғонмади сармаст жононам.
 Ошиқлик шаробин берганлари кун
 Жигарим қони-ла тўлди паймонам.

* * *

Скорбью бедное сердце изранено вновь:
 Изменила, ушла, позабыла любовь.
 Принесли мне в бокале любовный напиток —
 Это сердца разбитого алая кровь.

اسرار ازل را نه تو دانی و نه من
 وین خط مقرمط نه تو خوانی نه من
 هست از پس پرده گفتگوی من و تو
 چون پرده درافتد نه تو مانی و نه من

* * *

Азал сиррин билолмасмиз на сену, на мен,
 Бу жумбоқ, ҳал қилолмасмиз на сену, на мен.
 Парда орқасидандир бу гуруримиз,
 Парда кетару қолмасмиз на сену, на мен.

* * *

Тайны вечности скрыты густой пеленой.
 Потому мы прочесть не смогли ни одной.
 Мы дерзаем сорвать роковые покровы,
 Но падут они — станем мы пылью земной.

بشنو ز من ای زبده یاران کهن
 اندیشه مکن زین فلک بی سروین
 بر گوشه عرصه قناعت بنشین
 بازیچه دهر را تماشا میکن

* * *

Сўзимга қулоқ ос, эй дўсти аъло,
 Дунё ишларини ўйлама асло.
 Қаноат гўшасин айлабон макон,
 Олам ишларини қилгил тамошо

* * *

Беспощаден и глух этот свод над тобой,
 Как песчинкой играет он нашей судьбой.
 Не сдавайся, мой друг, перед злом и коварством,
 Оставайся в нужде и богатстве собой.

گویند مرا که می تو کمتر خور از این
 آخر به چه عذر بر نداری سر از این
 عذرم رخ یار و بادۀ صبحدم است
 انصاف بده چه عذر روشنتر از این

* * *

Дейдилар: Шаробни бундан камроқ ич,
 Узринг не, улфатинг — ичку эрта-кеч.
 Узрим ёр юзи-ю, саҳар бодаси,
 Инсоф қил, бундан чўнг узр борму ҳеч.

* * *

«Меньше пей — говорят мне враги и друзья.
 Неужель с винной чашей расстаться нельзя?»
 Ночью ласки хмельные мне дарит подруга,
 Ну, а днем только чашей довольствуюсь я.

ای دیده اگر کور نه کور ببین
 و این عالم یرفتنه و یرشور ببین
 شاهان و سران و سروران زیر کلند
 روهای چومه در دهن مور ببین

* * *

Эй кўз, кўр бўлмасанг гўрдан бўл огоҳ,
 Фитна тўла олам, ҳар ён қайғу — оҳ,
 Чумоли оғзида ойдек ёноқлар,
 Ер қўйнида султон, сардор, подшоҳ.

* * *

Полон мир наш соблазнов и низких страстей,
 А земля — это черный, как ночь, мавзолей.
 Погребли в нем воителей, гордых царей,
 Луноликние стали добычей червей.

زین گنبد گردنده بدافعالی بین
 و ز جمله دوستان جهان خالی بین
 تا بتوانی تو یک نفس خود را باش
 فردا مطلب، دی منگر، خالی بین

* * *

Кўп ёмон фалакнинг феъл-афъоли, бил,
 Дўстлардан жаҳонни бўшу холи бил.
 Қўлингдан келганча ўзинг билан бўл,
 Кечадан, тонгладан шу дам олий, бил.

* * *

Сея зло, этот вечный вращается свод,
 В мире истинной дружбы никто не найдет.
 Если можешь, хоть миг проживи без забот —
 Не подвластен нам времени быстрый полет.

قومی متفکرند اندر ره دین
 قوی بگمان فتاده در راه یقین
 میترسم از آنکه بانگ آید روزی
 کای بیخبران راه نه آنست و نه این

* * *

Биров дин йўлини ёритар гўё,
 Биров ҳақиқатдан сўз айтар доно,
 Қўрқаменким бир кун овоза келиб,
 Дерки, ул ҳам, бул ҳам бемаъни даъво.

* * *

Нам в мечети твердят: «Бог — основа и суть!»
 Мудрецы нас к науке хотят повернуть.
 Но, боюсь, кто-нибудь вдруг придет и заявит:
 «Эй, слепцы! Есть иной, вам неведомый путь!»

رندی دیدم نشسته بر خنک زمین
 نه کفر و نه اسلام و نه دنیا و نه دین
 نه حق، نه حقیقت، نه شریعت، نه یقین
 اندر دو جهان کرا بود زهره این

* * *

Ринд ўлтирар замин аргумоғида,
 На куфру ва на дин бор димоғида.
 На ҳақ, на ҳақиқат ва на шарият,
 Қим тенг келар унга сўлу соғида.

* * *

Ринд — я видел — сидит на небесном коне,
 Жизнь ему представляется, словно во сне.
 Бога он позабыл и земные заботы —
 Вот его я назвал бы счастливым вполне.

گاوِ یست در آسمان و نامش پروین
 يك گاو دگر نهفته در زیر زمین
 چشم خردت باز کن از روی یقین
 زیر و زیر دو گا و مشتى خربین

* * *

Осмонда бир ҳўкиз номимиш Парвин,
 Бириси қуйида кўтарар замин.
 Қўзингни катта оч, қўш ҳўкиз аро
 Кўриб қўй қанчалаб эшак юрганин.

* * *

Все устроено в мире по воле творца.
 В небесах одного поместил он тельца,
 На другого взвалил нашу грешную землю, —
 Между ними ослы и ослы — без конца.

از تن چو یرفت جان پاک من و تو
 خستی دو نهند بر مغاک من و تو
 زین پس برای خشت کور دگران
 در کالبدی کشند خاک من و تو

* * *

Жонимиз бу танни тарк этиб кетар,
 Икки ғишт гўримиз кўзин беркитар.
 Кейин бошқа гўрга ғишт қўймоқ учун,
 Бизнинг тупроқларни эзиб лой этар.

* * *

Как умру, для могилы печальной моей
 Отольют в кирпичи прах усопших людей.
 А потом и мой прах пригодится, пожалуй,
 На кирпич, чтоб постронть другой мавзолей.

می خور که فلک بهر هلاک من و تو
 قصدی دارد بجان پاک من و تو
 در سبزه نشین و می روشن میخور
 کاین سبزه بسی دمد ز خاک من و تو

* * *

Май ич, бизни фалак этмоқчи ҳалок,
 Жон қасдида дилни қилмоқчи чок-чок.
 Сабза узра ўлтир, тиниқ майдан ич,
 Ўт бирла қопланар тез бизнинг ҳам хок.

* * *

Мы под небом жестоким страдаем с тобой,
 Глух к страданиям людским этот свод голубой.
 Пей беспечно вино на зеленой лужайке
 И себя не позорь бесполезной мольбой.

گر باده خوری ز عقل بیگانه مشو
 مدهوش مباش و جهل را خانه مشو
 خواهی که می لعل حلاوت باشد
 آزر کسی مجوی و دیوانه مشو

* * *

Ичганда, ақлдан бегона бўлма,
 Эс жўйиб, жаҳлга сен хона бўлма,
 Истасанг қизил май ҳалол бўлишин,
 Ҳеч кимни ранжитма, девона бўлма.

* * *

Пей вино, только ум опасайся пропить,
 С пьяных глаз опасайся друзей оскорбить.
 Чтобы сок виноградный тебе позволяли,
 Нужно добрым и радостным пьяницей быть.

از آمدن و رفتن ما سودی کو
 و ز تار امید عمر ما پودی کو
 چندین سروپای نازنینان جهان
 میسوزد و خاک میشود دودی کو

* * *

Келиб-кетмоқдамиз — қани наф — мазмун,
 Вужудимиз ўриш — арқоқсиз бутун.
 Қанча пок дилларни фалак оташи —
 Куйдириб, кул қилур, лек қайда тутун?!

* * *

Таёт жизнь и уходит, как речка, в песок,
 Неизвестен конец, и неведом исток.
 Превращает нас в пепел небесное пламя,
 Даже дыма не видно — владыка жесток.

نا کرده گناه در جهان کیست بگو
 آنکس که گناه نکرد چون زیست بگو
 من بد کنم و تو بد مکافات دهی
 پس فرق میان من و تو چیست بگو

* * *

Ахир, бу оламда бегуноҳ ким бор?
 Нечук яшай олди, бўлмай гуноҳкор?
 Ёмонлик қайтарсанг ёмонлигимга
 Фарқимиз не бўлди, айт, парвардигор!

* * *

Кто на свете не мечен грехами, скажи?
 Мы безгрешны ли, господи, сами скажи?
 Зло свершу — ты мне злом воздаешь неизменно,—
 Значит, разницы нет между нами, скажи!

مائیم خریدار می کهنه و نو،
 و آنگاه فروشنده عالم بدو جو
 گفتی که پس از مرگ کجا خواهی رفت
 می پیش من آر هر کجا خواهی رو



Эски, янги майга биз-ку харидор,
 Оламни бир донга сотишга тайёр.
 Мен ўлиб кетарда «Қайга?» деб сўрма,
 Май беру хоҳлаган жойингга юбор.



Стоит мир наш, поверь, два ячменных зерна,
 И не думай на свете прожить без вина.
 Не печалься, что в рай нас с тобою не пустят,
 Лучше выпей до самого дна, старина.

دانی ز چه روی شهره گشتت و چه راه
 آزادی سرو و سوسن اندر افواه
 کین دارد ده زبان همیشه خاموش
 و آنراست دوصد دست و لیکن کوتاه

* * *

Биласанми савсан ҳам сарв тақдирин,
 Оғизларда дoston бўлганлик сириин?
 Бириси юз тили билан жим турар,
 Бириси юз қўлдан узатмас бирин.

* * *

Да, лилия и кипарис — два чуда под луной,
 О благородстве их твердит любой язык земной.
 Имея двести языков — она всегда молчит,
 А он, имея двести рук, не тянет ни одной.

هر روز آنم که کنم شب توبه
 از جام و پیاله لبالب توبه
 اکنون که رسید وقت گل توبه کجا
 در موسم گل ز توبه یارب توبه

* * *

Кунларим ўтади, кечалаб тавба,
 Қўлимда пиёлам лаболаб, тавба,
 Букун гул фаслидир, тавба қаёқда,
 Гул фаслида тавбадан, ё раб, тавба.

* * *

Утром каюсь, что лишнего выпил вчера,
 Каждый день пить вино зарекаюсь с утра.
 Но сегодня я каюсь, что пить зарекался,
 Ибо розы цветут — пить влюбленным пора.

يك جرعه می کهن ز ملکی نو به
 وز هر چه نه می طریق بیرون شو به
 در دست به از تخت فریدون صد بار
 خشت سر خم ملک کیخسرو به

* * *

Янги мулкдан яхши қултум эски май,
 Яша ўзгасига ҳеч парво қилмай.
 Бир қадаҳ минг авло Жамшид мулкидан,
 Хум фишти Қайхусрав подшо тожидай.

* * *

Дайте чашу, а царства не надобно мне,
 Неизменного друга нашел я в вине.
 Все короны владык не заменят кувшина,
 Все услады земные в кувшине на дне.

از درس علوم جمله بکویزی به
 و اندر سرزلف دلبر آویزی به
 ز ان پیش که روزگار خونت ریزد
 تو خون قنبنه قدح ریزی به

* * *

Қуруқ билимдондан қочганинг маъқул,
 Дилбар зулфи бўлсин ёдингда нуқул.
 Фалак тўкмасидан бурун қонингни,
 Косага шароб қуй, дард давоси шул.

* * *

Чем душою блуждать в лабиринтах наук,
 Лучше радость искать среди милых подруг.
 До того как всю кровь твою время иссушит,
 Виноградную кровь пей без устали, друг.

از هر چه بجز می است کوتاهی به
 می هم ز کف بتان خرگامی به
 مستی و قلندری و گمراهی به
 يك جرعه می زماه تا ماهی به

* * *

Майдан бошқасига қисқа он яхши,
 Майни ҳам узатса шўх жонон яхши.
 Еру кўкдан ортиқ бир пиёла май,
 Бўлмоқ маст, қаландар ҳам сарсон яхши.

* * *

Все возьмите — вина не лишайте меня
 И любовного не отнимайте огня.
 Был всю жизнь я беспутным и пьяным гулякой,
 Пусть таким и останусь до Судного дня.



خالق توئی و مرا چنین ساخته
 هستم به می و ترانه دلباخته
 چون روز ازل مرا چنین ساخته
 بس بهر چه در دوزخم انداخته

* * *

Тангри, ўзинг шундай яратдинг мени,
 Маю чолғувчига қаратдинг мени.
 Азалда шу хилда яратиб қўйиб,
 Нечун дўзахингга қулатдинг мени?!

* * *

Ты — творец, и таким ты меня сотворил,
 Дал вина и любовной тоской напоил.
 Если ты в первый день меня создал поэтом,
 Так за что же тогда ты мне ад посулил?

نقشیت که بر وجود ریخته
 صد بوالعجبی ز ما بر انگیخته
 من ز آن به از این نمیتوانم بودن
 کز پوته مرا بدین صفت ریخته

* * *

Вужудимизгаки, не нақш солибсен,
 Юзлаб ажойбот биздан олибсен.
 Мен бўла олмайман бундан яхшироқ,
 Ясашда сен ўзинг шундоқ қилибсен.

* * *

Этот мир ты, господь, сотворил для людей
 И повсюду расставил ловушки страстей.
 Разве я виноват, если в них попадаю? —
 Все случается только по воле твоей!

پیری دیدم به خواب مستی خفته
 و ز کرد شعور خانه شک رفته
 می خورده و مست خفته و آشفته
 و الله لطیف بعباده گفته

* * *

Бир кекса маст эрди, уйқуда эрди,
 Эс-хушин шипириб шамолга берди.
 Май ичиб, маст бўлиб, ухлаб гангираб,
 «Валлоҳу латифун биибодиҳ!» дерди.

* * *

Вижу: пьяный старик опрокинулся в ров,
 Он во власти блаженства и радостных снов.
 Я прислушался — он еле слышно лепечет:
 «Бог прощает своих неразумных рабов».

¹ Худо бандаларига лутф қилувчидир.

آنکور در میخانه بسپلت رفته
 ترك بد و نيك جمله عالم گفته
 گر هر دو جهان چو گوی افتد بگوی
 بروی به جوی چومست باشد خفته

* * *

Майхона шипирар кимнинг соқоли,
 Яхши-ю ёмондан у эрур холи.
 Човгону коптокдек ҳар икки жаҳон
 Тўқнашса, қарорга йўқдир мажоли.

* * *

Тот, кто пол в кабаке бороною метет,
 Тот свободен душой и живет без забот.
 Мир обрушится — он будет спать, как убитый,
 Небо свалится — глазом во сне не моргнет.

این پایه چرخ بین نگون افتاده
 دروی همه زیرکان زبون افتاده
 در دوستی شیشه و ساغر نگرید
 لب بر لب و در میانه خون افتاده

* * *

Тўнкарилган жомдай кўринар осмон,
 Остида забундур кимки билағон.
 Шиша-ю қадаҳнинг дўстлигини кўр,
 Лаб қўйиб ўпишар, ўрталикда қон.

* * *

Безучастно глядит небосвод голубой,
 Как под ним мудрецов истребляет разбой:
 Тесно чаша с бутылью слились в поцелуе,
 Хлещет кровь между ними багряной струей.

آبی بودیم در کمر بنهاده
 از آتش شهوتی برون افتاده
 فرداست که باد خاک مارا ببرد
 خوش میگذران این دو نفس با باده

* * *

Пушти камар ичра бир томчи эдик,
 Шаҳват ўти билан жойдан қўзғалдик,
 Эрта елга учиб кетар хокимиз,
 Бу дамни май ичиб, ўтказ бе ҳадик.

* * *

Капля жидкости чресла пожаром зажгла,
 Из нее наша жизнь, как тюльпан, расцвела,
 А на завтра наш прах буйный ветер развеет. —
 Так поспешно на свете вершатся дела.

در دل نتوان نشان اندوه نشانند
 همواره کتاب خرمی میباشد خوانند
 می باید خورد و کام دل باید راند
 پیداست که چند در جهان باید ماند

* * *

Дилингда бўлмасин қайғудан нишон,
 Хуррамлик китобин ўқигин ҳамон.
 Май ичиб, орзуга эришмоқ керак,
 Маълум-ку беш кунлик, ахир, бу замон.

* * *

Не давай печали сердце шрамом метить,
 Книгу наслажденья чти в мгновенья эти.
 Нужно пить вино, любовью сердце полнить, —
 Ведь не знаем, сколько жить дано на свете.

بنگر ز صبا دامن گل چاك شده
 بلبل ز جمال گل طر بناك شده
 در سايه گل نشين كه بسيار اين گل
 در خاك فرو ريزد و ما خاك شده

* * *

Сабодан бўлибди гул ёқаси чок,
 Гул юзидан булбул бўлмиш тарабнок.
 Гул тагида ўтир, чунки жуда тез
 Гул ерга тўкилур, биз бўлурмиз хок.

* * *

Утром роза раскрыла под ветром бутон,
 И запел соловей, в ее прелесть влюблен.
 Сядь в тени. Этим розам цвести еще долго.
 Когда будет наш горестный прах погребен.

تن در غم روزگار بی داد مده
 جان را ز غم گذشتگان یاد مده
 دل چون سر زلف یار بر باد مده
 بی باده مباحث و عمر بر باد مده

* * *

Ён берма, бу дунё аслида бедод,
 Утганлар гамин ҳам қилма менга ёд.
 Кўнгил берма гажак сочдан бўлакка,
 Майсиз бўлма, умринг айлама барбод.

* * *

Не печалься, тому, что неправда кругом,
 Не терзай свою душу тоской о былом.
 Сердцем милой владей до последнего часа,
 Полни жизнь, словно чашу, багряным вином.

افسوس که رفت عمر بر بیهوده
 هم لقمه حرام و هم نفس آلوده
 فرموده نا کرده سیه رویم کرد
 فریاد ز کرده‌های نافرموده

* * *

Афсус, умр беҳуда бўлмишдир барбод,
 Бўлмадик ҳаромдан бир нафас озод.
 Буюрганинг қилмай юзим қародир,
 Амрингдан ташқари ишларимдан дод!

* * *

Бесполезно и глупо мы жизнь провели,
 Пью вино, а во рту только привкус земли.
 Стыдно мне перед богом, что был непослушен.
 Сожалсю, что лучшие годы прошли.

تا چند بر ابرو زنی از غصه گره
 هرگز نبرد دژم شدن راه بده
 کار من و تو برون ز دست من و تست
 تسلیم قضا شو بر دانا این به

* * *

Токай қош чимиртар дунё ташвиши,
 Муродга етказмас кўнгил гиш-гиши,
 Сен-менинг ишимиз эркимиздамас,
 Қазога кўникиш — донолар иши.

* * *

Будешь днем горевать, будешь ночью страдать,
 Все равно не сойдет на тебя благодать.
 Все решили без нас — и дела, и поступки, —
 Тот мудрец, кто сумел это сразу понять.

تا چند ز مسجد و نماز و روزه
 در میکنده‌ها مست شو او در ویزه
 خیام بخور باده که این خاک ترا
 که جام کنند و که سبو که کوزه

* * *

Токай мачит дейсан, намозу рӯза,
 Майхонага кириб маст бўлгил тоза.
 Хайём, май ичавер, хокинг неча бор
 Гаҳ коса қилурлар, гаҳ хуму кӯза.

* * *

О постах и молитвах твердят простаки, —
 Нам мечеть не нужна, нам милей кабаки.
 Пей, Хайям, потому что наш прах после смерти
 Станет глиной и скоро пойдет на горшки.

ای بیخبر از کار جهان هیچ نه
 بنیاد تو باد است از آن هیچ نه
 شد حد وجود تو میان دو عدم
 اطراف تو هیچ و در میان هیچ نه

* * *

Эй онгсиз, билмайсан, бу олам ҳечдир,
 Негизинг шамолдир бир тутам, ҳечдир.
 Икки йўқлик аро қолмиш борлигинг,
 Атрофинг йўқлигу ўрта ҳам ҳечдир.

* * *

О невежда, вокруг посмотри, ты — ничто,
 Нет основы — лишь ветер царит, ты — ничто.
 Два ничто твоей жизни предел и граница,
 Заключен ты в ничто, и внутри — ты ничто.

اندیشه عمر بیش از شست منہ
 هر جا که قدم نهی بجز مست منہ
 ز آن پیش که کاسه سرت کوزه کنند
 تو کوزه زدوش و کاسه از دست منہ

* * *

Олтмишдан ортиқ умр истама ҳечам,
 Маст бўлмай бир ерга ташлама қадам,
 Кўза қилишмасдан бошинг косасин,
 Кўза қуч, косани ушлагил маҳкам.

* * *

Нужно лет шестьдесят беспечально прожить,
 Не богатством, а дружбой весь век дорожить.
 И покуда кувшины из нас не слепили,
 Нужно с полным кувшином и с чашей дружить.

در کارگاه کوزه‌گری کردم رای
 در پایه چرخ دیدم استاد بی‌پای
 می‌کرد دلبر کوزه‌را دسته و سر
 از کله پادشاه و ز دست گدای

* * *

Кулол дўконига кирдим бир сафар,
 Дастигоҳда ишларди уста кўзагар,
 Гадо қўлидану шоҳнинг бошидан
 Кўзанинг бўйни-ю дастасин ясар.

* * *

В мастерской гончара я взглянул на станок,
 Убедился, что мастер и вправду жесток:
 Руку нищего взял он и голову шаха,
 Замесил и слепил на продажу горшок.

خواهی که اساس عمر محکم یابی
 یکچند به گیتی دل خرم یا بی
 از خوردن می دمی تو فارغ منشین
 تا لذت عمر را دمامد یابی

* * *

Қилай десанг умринг асосин маҳкам
 Ва кўнглинг дунёда бир бора хуррам,
 Шароб сипқармоқдан бўшама ҳечам,
 Топгайсан умрингдан лаззат дамо-дам.

* * *

Держит жизнь нашу хрупкая, тонкая нить,
 Не надейся ее навсегда сохранить.
 Но не выпей отпущенной чаши до срока,
 Чтоб в конце за поспешность себя не винить.

ابريق مى مرا شكستى ربه
 بر من در عيش را بيستى ربه
 بر خاك بريختى مى گلگون را
 خاكم بدهن مگر كه مستى ربه

* * *

Кўзамни синдириб, ирғитдинг, тангри,
 Хуррамлик эшигин беркитдинг, тангри.
 Тупроққа тўкдинку гулгун майимни,
 Билмадим, мастмисен, на этдинг тангри.

* * *

Разбил кувшин с вином ты мой, о господи,
 Нет радости мне ни одной, о господи,
 Пурпурное вино на земле пролито,—
 Будь проклят я, ты сам хмельной, о господи.

هنكام صبح اى صنم فرخ بى
 بر ساز ترانه و به پيش آور مى
 كافكنند به خاك صد هزاران چم و كى
 اين آمدن تير مه و رفتن دى

* * *

Эрталик пайтида, э бахтли жонон,
 Май келтир, тарона созлагил чандон.
 Юз минг Жамшид, Қайни тупроққа тикди —
 Бу фалак ёз кетиб, қиш келар замон.

* * *

Встань, красавица, песню веселую спой,
 Мы сегодня с утра запируем с тобой.
 Ибо за ночь сто тысяч царей и героев,
 Мир покинув, ушли невозвратной тропой.

تا در تن تست استخوان و رگ و پی
 از خانه تقدیر منه بیرون پی
 کردن منه از خصم بود رستم زال
 منت مکش از دوست بود حاطم طی

* * *

Танангда бор экан томир, суяк, пай,
 Яшайвер тақдирнинг уйидан чиқмай.
 Ёв Рустам бўлса ҳам бўйнингни эгма,
 Миннат чекма дўстинг бўла Ҳотам Тай

* * *

Телу нашему — жилам, сосудам, костям —
 Круг пройти суждено по известным путям.
 Не клонись, если враг твой могуч, как Рустам,
 Не гордись, если друг твой богат, как Хатам.

شیخی به زن فاحشه گفتا: مستی
 هر لحظه بدام دیگری یا بستی
 گفتا: شیخا هر آنچه کوئی هستم
 اما تو چنانکه مینمایی هستی

* * *

Шайх фоҳишага дер: Нима бу ишинг,
 Маст бўлиб, қўлма-қўл қўниб юришинг?
 У дер: Мен шундаймен, аммо сен айт-чи,
 Сиртинг кўрсатгандай покми қилмишинг!

* * *

Шейх блудницу корил: «Ты распутна, пьяна...»
 «Это верно, — ему отвечала она.
 Я открыто грешу, ты скрываешь пороки, —
 В Судный день уравниется наша вина».

پر شاخ امید اگر بری یافتمی
 هم رشته خویش را سری یافتمی
 تا چند ز تنگنای زندان وجود
 ایکاش سوی عدم دری یافتمی

* * *

Кошки умид шохидан мева теролсам,
 Ё калавам учини топиб беролсам.
 Бу вужуд зиндонидан йўқлик сорига
 Эшик очиб, қадамим дадил қўёлсам.

* * *

Трясу надежды ветвь, но где желанный плод?
 Как смертный нить судьбы в кромешной тьме найдет?
 Тесна мне бытия печальная темница,—
 О если б дверь найти, что к вечности ведет!

ای آنکه نتیجه چهار و هفتی
 و ز هفت و چهار دائم اندر تفتی
 می خور که هزار بار بیشتر گفتم
 باز آمدنت نیست چو رفتی رفتی

* * *

Эй сен, тўрт унсуру етти сайёра
 Остида саргардон, бетоб, оввора,
 Нафс ғамин чекмакдан тўхтама асло,
 Улғач, тирилмассан иккинчи бора.

* * *

Держат Семь и Четыре нас вечно в жару,
 И недолго нам быть на веселом пиру.
 Но до смертного часа поверить не сможем,
 Что назад не вернемся, сгорев на ветру.

گر کار فلک بعدل سنجیده بدی
 احوال فلک جمله بستندیده بدی
 ور عدل بدی بکارها در گردون
 کی خاطر اهل فضل رنجیده بدی

* * *

Тўғрилиқ бўлсайди фалакнинг иши,
 Ёқтирган бўларди уни ҳар киши.
 Дунёнинг ишида бўлса адолат,
 Бўлмасди донолар кўнглин оғриши.

* * *

Если б небо вершило лишь праведный суд,
 И земной был закон справедлив, хоть и крут.
 Если бы там, наверху, справедливость царила,
 Благородные разве бы мучались тут?

از آمدن بهار و ز رفتن دی
 او راق وجود ما همی گردد طی
 می خور مخور اندوه که فرمود حکیم
 غمهای جهان چو زهر و تریاقش می

* * *

Қиш ўтиб, келади баҳор садоси,
 Етар умр варағин ҳам интиҳоси.
 Ғам ема, май ичгил, ҳаким дебдиким,
 Жаҳон ғами заҳар, шароб давоси.

* * *

Листья дерева жизни, отпущенной мне.
 В зимней стуже сгорают и в вешнем огне.
 Пей вино, не горюй. Следуй мудрым советам:
 Все заботы топи в искрометном вине.

ای کاش که جای آرمیدن بودی
 یا این ره دور را رسیدن بودی
 کاش از پی صد هزار سال ازدل خاک
 چون سبزه امید بر دمیدن بودی

* * *

Кошки тинч жой топиб, кетиб бўлсайди,
 Ё бу узоқ йўлни ўтиб бўлсайди.
 Юз минг йилдан кейин орзу-умидлар
 Тупроқдан кўкатдек униб кулсайди.

* * *

О, когда бы для отдыха место найти
 Иль конец увидеть роковому пути!
 О, когда бы надежда была — хоть травинкой
 Через тысячу лет из земли прорасти!

خوش باش که پخته اند سودای تودی
 فارغ شده اند از تمنای تودی
 قصه چه کنم که بی تفضای تودی
 دادند قرار کار فردای تودی

* * *

Шод бўл, сенга солмиш савдони азал,
 Хоҳишингдан ўзга ғавғони азал.
 Тақдирингни кеча аниқлаганлар,
 Қиссам не, ёзгач бу қазони азал.

* * *

Нас лишили надежды на счастье вчера,
 Отказали в любви и участие вчера.
 Оказались у бед мы во власти вчера,
 Дух сковали коварные страсти вчера.

از كوزه گری كوزه خریدم باری
 آن كوزه سخن گفت ز هر اسراری
 شاهی بودم كه جام زر نیم بود
 اکنون شده ام كوزه هر خجاری

* * *

Қўзагардан қўза олгандим бир кун,
 Бир сўз деб чиқорди қўза сирли ун:
 «Шоҳ эдим, қўлимда олтин жом эди,
 Хумор бошли қўза бўлибмен бугун».

* * *

Я в кувшини нацедил молодого вина,
 Он выбалтывать тайны мне начал спьяна:
 «Был я шахом и чашу держал золотую,
 А теперь мне дирхем — золотая цена».

زنهار کنون که میتوانی باری
 بردار ز خاطر عزیزی باری
 کاین مملکت حسن نماند جاوید
 از دست تو هم برون رود یکباری

* * *

Бу кун келар экан қўлингдан, зинҳор.
 Азизлар хотирин шод эт, э дилдор.
 Ҳуснинг салтанати турмас абадий,
 Тўсатдан қўлингдан кетиши ҳам бор.

* * *

Даже с самой прекрасной из милых подруг
 Постарайся расстаться без слез и без мук.
 Все пройдет, словно сон, красота скоротечна;
 Как ее ни держи, ускользает из рук.

چون آگهی ای دوست ز هر اسراری
 چندین چه خوری بیهده هر تیماری
 چون می نرود به اختیارت کاری
 خوش باش در این دمی که هستی باری

* * *

Ҳар сирдан огоҳсен: эй дӯстим, сен ҳам,
 На учун беҳуда чекасен алам.
 Ихтиёринг билан юришмас ҳеч иш,
 Хурсанд бўл, тириксен, сеники бу дам.

* * *

Что ты можешь без воли небес совершить?
 Что еще, кроме смерти, нас может страшить?
 Погруженный в пустые заботы о завтра
 И сегодня себя может счастья лишить.

افتاد مرا با می و مستی کاری
 خلقم چه میکند ملامت باری
 ایکاش که هر حرام مستی دادی
 تا من به جهان ندید می هشیاری

* * *

Менинг қисматимга маю мастлик ёр,
 Шундан мени барча қилур гуноҳкор,
 Барча гуноҳдан ҳам май ҳиди келса,
 Жаҳонда топилмас эди бир ҳушёр.

* * *

Осудили быть пьяницей в мире земном,
 Да еще обвиняют в пороке срамном.
 О когда б все грехи винный запах имели,
 То от каждого свежим тянуло б вином.

پیری دیدم بیخانه خماری
 گفتم: نکنی ز رفتگان اخباری
 گفتا: می خور که همچو ما بسیاری
 رفتند و خبر باز نیامد باری

* * *

Кўрдим майхонада мўйсафид хуммор,
 Кетганлар хабарин қил дедим изҳор.
 Дедиким: Май ичгил, биздеклар бисёр,
 Кетишди, хабарни келмади зинҳор.

* * *

Старика повстречал я в питейном дому.
 «Что слышать от ушедших?» — сказал я ему.
 Он сказал: «Кто ушел, тот назад не вернется.
 И вестей не подаст нам — видать по всему».

هان كوزه گرا بپای اگر هشیاری
 تا چند کتی بر کل مردم خواری
 انکشت فریدون و کف کیخسرو
 بر چرخ نهاده چه می پنداری

* * *

Ҳой кулол, қулоқ сол, гар бўлсанг хушёр,
 Қачонгача қилгунг тупроғимиз хор!
 Фаридун бармоғин, Қайхусрав кафтин
 Чархингга қўйибсан, на андишанг бор?!

* * *

Эй гончар! Я боюсь твоих пьяных затей,
 Ты глумишься над прахом достойных людей.
 Фаридуна персты и ладонь Кей—Хосрова
 Положил на станок. Ты безумен, злодей.

دانی که سپیده دم خروس سحری
 هر لحظه چرا همی کند نوحه گری
 یعنی که نمودند در آئینه صبح
 کز عمر شبی گذشت و تو بیخبری

* * *

Нечун, биласанми, хўроз ҳар саҳар
 Туриб, мотамзада оҳ-нола қилар.
 У бизга дейдики: «Тонг ойнасида
 Умрингдан тун ўтди ўзинг беҳабар!»

* * *

На рассвете ты спишь, и беспечен и глух.
 И не слышишь, как жалобно стонет петух.
 Первым видит он: ночь безвозвратно проходит,
 Как и день, что вчера отгорел и потух.

يارب بگشای بر من از رزق درى
 بى منت اين خسان رسان ما حضرى
 از پاده چنان منت نکه دار مرا
 کاز بيخبرى نباشدم درد سرى

* * *

Эй оллоҳ, оч менга ризқинг эшигин,
 Маҳлуқ миннатисиз ризқимни бергин,
 Соф бодадан мени шундоқ маст қилки,
 Хабарсиз ўтказай бошим оғриғин.

* * *

Дверь насущного хлеба, мне, боже, открой:
 Пусть не подлый подаст — сам дай щедрой рукой.
 Напой меня так, чтобы был я без памяти,
 Потому и заботы не знал никакой.

بر كوزه گرى پرير كردم گذرى
 از خاك همى نمود هر دم هنرى
 من ديدم اكر نديد هر بى بصرى
 خاك پدرم در كف هر كوزه گرى

* * *

Кулол дўконига кирдим, кўзагар —
 Лой ишлар, кўрсатиб ажойиб ҳунар.
 Ҳеч ким кўрмаганни мен кўриб қолдим,
 Ота-бобом лойин қўлида эзар.

* * *

Видел я, как гончар изошрjлся вчера,
 Глину мял — и горшков вырастала гора.
 Вдруг пронзило мне сердце жестокой догадкой:
 Прах отцов, а не глина в руках гончаров.

ز ان كوزه می که نیست در وی ضرری
 پر کن قدحی، بخور، به من ده دگری
 ز آن بیشتر ای صنم که در رهگذری
 خاک من تو كوزه کند كوزه گری

* * *

Бир кўза келтиргил, бўлсин безарар,
 Ўзинг ич, менга ҳам узат баробар.
 Даврон ўз изидан айланиб, охир —
 Тупроғимиз кўза қилур кўзагар.

* * *

Из кувшина, в котором вино — не вода,
 Выпьем вместе. Я в этом не вижу вреда.
 Вот когда превратят нас с тобою в кувшины,
 Натерпеться от жажды придется тогда.

گر شهره شوی به شهر شر الناسی
 ور گوشه نشین شوی همه وسواسی
 آن به که اگر خضر اگر الیاسی
 کس نشناسد ترا تو کس نشناسی

* * *

Шухрат топсанг, кишилар ҳасади ёмон,
 Ёлғиз қолсанг, сендан қилишар гумон.
 Хизр бўлсанг ҳамки ҳеч кимни билма,
 Сени ҳам билмасин майли бирар жон.

* * *

Вокруг героя рой врагов несметен,
 Отшельник станет жертвой грязных сплетен.
 Пусть ты талантом Хызр или Ильяс,
 Но счастлив тот, кто всюду не заметен.

ایدل تو با اسرار معما نرسی
 در نکته زیرکان دانا نرسی
 این جایی لعل بهشتی میساز
 کآنجا که بهشت است رسی یا نرسی



Э дил, бу жумбоқни ҳал этолмассан,
 Донолар сўзини сен этолмассан.
 Май ичиб, шу ерда жаннат пайдо қил,
 Жаннатга етарсан, ё етолмассан.



Смысла жизни открыть не пытайся секрет,
 Не постигнешь всю мудрость за тысячу лет,
 Лучше рай сотвори на зеленой лужайке —
 На небесный надежды особенной нет.

گویند مخور می که بلا کش باشی
 در روز مکافات در آتش باشی
 حقست، ولی بهر دور عالم بهتر اززد
 یک دم که تو از شراب سر خوش باشی

* * *

Май ичма дейдилар, ортар фиғонинг,
 Қиёматда дўзах бўлур маконинг.
 Бу ҳақ, аммо арзир икки жаҳонга —
 Май ичиб, ширакайф бўлган бир онинг.

* * *

Тот, кто пьет, — говорят, — попадет прямо в ад,
 В день возмездия будет кругом виноват.
 Ада я не страшусь, и не надо мне рая,
 Ибо миг опьянения блаженней стократ.

تا کی ز غم زمانه محزون باشی
 با چشم پر آب و دل پر خون باشی
 می نوش و به عیش کوش و خوشدل میباشی
 ز آن پیش کزین دائره بیرون باشی

* * *

Токай замонадан бўласан маҳзун,
 Токай кўзингда нам, токай дилинг хун.
 Май ичиб, жонона била бўл хуррам
 Бул чамбардан чиқиб кетасан бир кун.

* * *

Не помилует время. Зачем горевать?
 Кровью плакать и сердце тоской надрывать?
 Пей вино, постарайся забыть про печали,—
 Этот круг нам с тобой не дано разорвать.

بر سنگ زدم دوش سبوی کاشی
 سر مست بدم چو کردم این او باشی
 با من بزبان حال میگفت سبو
 من چون تو بدم تو نیز چون من باشی

* * *

Мастдим, тошга урдим кўзамни бир кун,
 Ул кўнгил тилидан чиқарди бир ун:
 «Мен ҳам сендек эдим, сен ҳам охири
 Бўлурсан менингдек — ранжитмоқ нечун?!»

* * *

Я об камень ударил кувшин обливной
 И терзаюсь с тех пор своей пьяной виной.
 Ибо помню, кувшин прошептал потаенно:
 «Пощади! Мы с тобою из глины одной...»

آن مایه زدنیآ که خوری یا پوشی
 معذوری اگر در طلبش میکوشی
 باقی همه را یگان نیرزد هس دار
 تا عمر گرانبها بدان نفروشی

* * *

Ғайратинг сарф этсанг киймоқ, ичмоққа,
 Арзийди бу ишни маъзур тутмоққа.
 Хушёр бұл қолганин бари арзимас,
 Умрингни сарф этиб, ўтиб кетмоққа.

* * *

Чтобы пить иль прикрыть свое брненное тело,
 Не позорно порою приняться за дело.
 Ну а все остальное не стоит того,
 Чтоб о нем еще сердце в заботах болело.

ای دهر به ظلمهای خود معترفی
 در خانقه جور و ستم معتکفی
 نعمت به خسان دهی و نعمت به کسان
 زین هر دو برون نیست خری یا خرفی

* * *

Ўзингга маълумдир, э дахр ситаминг,
 Ситам чодирیدا ўтар ҳар даминг.
 Ёмонга неъмату яхшига кулфат,
 Ёвмисан ё эшак? Бу не аламинг?!

* * *

Ты известный насильник, бессовестный рок!
 Произвол беспощаден и гнев твой жесток.
 Блага подлым даришь, благородным — невзгоды,
 Возлюбил ты ослов и возвысил порок.

گر جنس مرا خاصه بداند ساقی
 صد فصل زهر نوع براند ساقی
 چون و امانم برسم خود باده دهد
 و ز حد خودم در گذارند ساقی

* * *

Жинсимдан бир хослик топса гар соқий,
 Ҳар навдан юз фасл кашф этар соқий.
 Май берсин, баридан кечайин майли,
 Ҳаддимдан чиқарсин сарбасар соқий.

* * *

Виночерпий нас видит с тобою насквозь,
 Перед ним своей знатностью хвастаться брось.
 Как обычай велит, выпей полную чашу —
 И в застольное братство поверишь небось.

آنها که ز پیش رفته اند ای ساقی
 در خاک غرور خفته اند ای ساقی
 رو باده خور و حقیقت از من بشنو
 با دست هر آنچه گفته اند ای ساقی

* * *

Кетганлар қайтиши маҳол, эй соқий,
 Тупроқда уйқуда бе ҳол, эй соқий,
 Ҳақ гапимга қулоқ сен сол, эй соқий:
 Ҳар неки демишлар шамол, эй соқий.

* * *

Все ушедшие в лоне земном, о саки,
 Спят в могилах сырых крепким сном, о саки.
 Это правда, а все остальное — догадки,
 Веселись в этом мире хмельном, о саки.

تا چند حدیث پنج و چار ای ساقی
 مشکل چه یکی چه صد هزار ای ساقی
 خاکیم همه چنگ بساز ای مطرب
 بادیم همه باده بیار ای ساقی

* * *

Асли беш кунлик бу умр, эй соқий,
 Мушкул хоҳ минг бўлсин, хоҳ бир, эй соқий.
 Хокмизда, танбурни созла, эй мутриб,
 Бодмизда, бодани келтир, эй соқий.

* * *

Есть ли смысл, есть ли толк в умных спорах, саки?
 Нужно ль время терять в разговорах, саки?
 Все мы — ветер и прах. Пригласи музыканта,
 Дай нам чаши, забвенье в которых, саки!

در ده می لعل لاله کون ای ساقی
 بکشما ز گلوی شیشه خون ای ساقی
 کامروز برون ز جام می نیست مرا
 یک محرم پاک اندرون ای ساقی

* * *

Дурда бўлса-да май бўлсин лолагун,
 Эй соқий, кўзангни оч, қуйилсин хун.
 Садоқат топмадим дўсту яқиндан,
 Кўза ичидадир содиқ дўст бул кун.

* * *

Наклони свой кувшин над стаканом, саки,
 Дай упиться напитком багряным, саки.
 Все друзья изменили — кувшин не изменит,
 Буду с ним, буду вдребезги пьяным, саки.

تن زن چو بزير فلك بى باكى
 مى نوش چو در جهان آتشناكى
 چون اول و آخرت بجز خاكى نيست
 انكار كه خاك نه در خاكى

* * *

Жасорат кўрсатиб яшагил бебок,
 Бода ичгил, ул ҳам бўлсин оташнок.
 Яратилмиш эдинг бошда тупроқдан,
 Инкор этма, охир бўлажаксан хок.

* * *

На лазурное небо без страха взгляни,
 Влагой огненной грусть и печаль отгони.
 Дни придут — все на свете рассыплется прахом,
 Эти дни, — и тебя не минуют они.

از دفتر عمر گشودم فالی
 ناگاه ز سوز سینه صاحب حالی
 برگفت: خوشآن کسیکه اندر بر او
 یاریست چو ماهی به شبی چون سالی

* * *

Умр дафтаридан фол очганда дил,
 Хўрсиниб сўзлади бир куйган кўнгил:
 Бахтлидир ул кимса — ой юзли ёри —
 Бағрида бўлса-ю оқшоми бир йил,

* * *

Я над книгою жизни упорно гадал,
 Вдруг с сердечною болью мудрец мне сказал:
 «Нет прекрасней блаженства — забыться в объятьях
 Луноликой красы, чьи уста, словно лал».

گر دست بلوچه قضا داشتمی
 بر میل و مراد خویش بنگاشتمی
 غم را ز جهان یکسره برداشتمی
 و ز شادی سر بچرخ افراشتمی

* * *

Тақдир лавҳасида ҳукмим бўлганда,
 Майлимча ёзардим уни шу онда,
 Қайғуни дунёдан йўқотиб буткул,
 Шодликдан бўларди бошим осмонда.

* * *

Если б книгу судеб нашей жизни земной
 Написал бы я сам своевластной рукой,
 Я изгнал бы печали из этого мира
 И, ликуя, до неба достал головой.

گر آمدنم بخود بدی، نامدمی
 ور نیز شدن بمن بدی، کی شد می
 به زان بندی که اندر این دیر خراب
 نه آمدمی، نه شد می، نه بدمی.

* * *

Келмоқ қўлда бўлса, келмасдим бир дам,
 Кетмоқ қўлда бўлса, кетмас эдим ҳам.
 Жуда соз бўларди бу ғамхонага
 Келмасам, турмасам. келиб-кетмасам.

* * *

Не пришел бы сюда, будь я волен, друзья,
 Не ушел бы отсюда, будь воля моя.
 Хорошо, если б мир, мне измучивший душу,
 Никогда бы не знал и не видел бы я.

گر دست دهد ز مغز گندم نانی
 و ز می دو منی ز گوسفندی رانی
 با لاله رخی و گوشه بستانی
 عیشی بود آن نه حد هر سلطانی

* * *

Қўлимизда бўлса оқ буғдой нони,
 Бир коса шаробу қўйнинг бир сони.
 Дилбар билан майли вайронадамиз,
 Бу айшни тополмас жаҳон султони.

* * *

Если рядом красotka, а в сердце весна,
 Если хлеба господь мне пошлет и вина,
 Мяса добрый кусок и простое жилище -
 Мне и царская роскошь тогда не нужна.

در گوش دلم گفت فلک پنهانی
 حکمی که قضا بود ز من میدانی
 در گردش خویشی اگر مرا دست بدی
 خود را بر هاند می ز سر گردانی

* * *

Фалак қулоғимга гапирди секин:
 Қазо ҳукмин мендан кўрасан, лекин —
 Айланишим бўлса эди қўлимда,
 Ўзимни тўхтатиб, олар эдим тин.

* * *

Тихо на ухо мне прошептал небосвод:
 «Зря меня называет тираном народ.
 Я устал, словно раб, и, когда б моя воля,
 Я давно прекратил бы свой круговорот».

تا کی غم آن خوری که داری یا نی
 وین عمر به خوشدلی گذاری یا نی
 پر کن قدح باده که معلومت نیست
 کاین دم که فروبری بر آری یا نی

* * *

Токай бору йўқнинг ғамини ейман,
 Токай умрим яхши ё ёмон дейман.
 Қадаҳ бер, маълуммас олган нафасим.
 Қайтиб чиқараман ё чиқармайман.

* * *

Или сбудутся наши мечты — или нет,
 Вновь распустятся наши цветы — или нет.
 Нет нужды горевать, ничего мы не знаем:
 Вот вздохнул ты, а выдохнешь ты — или нет?

ای دوست حقیقت شنو از من سخنی
 با باده لعل باش و با سیم تنی
 کانس که جهان کرد فراغت دارد
 از سبلت چون تونی و ریش چو منی

* * *

Топилса икки жом майни қўлга ол,
 Ҳар қандай даврада ичгил бемалол,
 Керак эмас ахир, яратганга ҳеч,
 На сендек мўйлабу, на мендек соқол.

* * *

Коль вина ты имеешь немалый запас,
 Пей его каждый день, пей его каждый час,
 И не бойся, что бог за тобой наблюдает,—
 Много в мире забот у него и без нас.

گر روی زمین بجمله آباد کنی
 چندان نبود که خاطری شاد کنی
 گر بنده کنی بلطف آزادی را
 بهتر که هزار بنده آزاد کنی

* * *

Бир ғариб кўнглини қила олсанг шод —
 Яхшидир ер юзин қилгандан обод —
 Лутфинг-ла бир дилни қул қила олсанг,
 Афзалдир юз қулни қилмоқдан озод.

* * *

Осчастливить весь мир я, конечно, не прочь,
 Но разумнее ближнему братски помочь.
 Сердце друга к себе привяжи добротой,
 А всеобщей свободой себя не морочь.

آن به که ز جام باده دل شاد کنی
 وز نامده و گذشته کم یاد کنی
 وین عاریتی روان زندانی را
 یک لحظه ز بند عقل آزاد کنی

* * *

Бир коса шароб-ла кўнглимни шод эт,
 На ўтмиш, на келмиш кунингни ёд эт,
 Зиндоний қилинган омонат жонни,
 Ақлнинг бандидан лаҳза озод эт.

* * *

Гордый дух мой тоскует, он — пленник ума,
 Этот временный мир для него, как тюрьма.
 Принесите мне чашу, обрадуйте сердце, —
 Пусть оковы спадут, и развеется тьма.

ای چرخ دلم همیشه غمناک کنی
 پیراهن فرحی من چاک کنی
 بادی که به من وزد تو آتش کنی اش
 آبی که خورم در دهنم خاک کنی

* * *

Фалак, кўнглим доим ғамнок қилурсан,
 Қувончим кўйлагин чок-чок қилурсан,
 Менга эсан елдан оташ уфуриб,
 Сув ичсам оғзимда тупроқ қилурсан!

* * *

Только горести в сердце мне шлет небосвод,
 Скоро счастья рубашку совсем изорвет,
 Ветер пламенем адским меня обжигает,
 Воду пью, а землей набивается рот.

ای آنکه ز کنه تو خورد آگه نی
 و ز طاعت و از عسیت مستغنی
 مستم ز گناه و از رجا هشیارم
 امید برحمت تو دارم یعنی

* * *

Бор-йўғингдан ақлим эмас хабардор,
 Тоат-исёнимга эмассан ҳам зор.
 Гуноҳдан мастману, лутфингдан хушёр,
 Яъни раҳматингдан доим умидвор.

* * *

Знаю, сущность твоя недоступна уму,
 Мои бунт иль покорность тебе ни к чему,
 Я, погрязший в грехах, жив одною надеждой:
 Милосердный, простишь ты рабу своему.

جز راه قلندران میخانه میوی
 جز باده و جز سماع و جز یاد مجوی
 بر کف قدح باده و بردوش سبوی
 می نوش کن ای نگار و بیهورده مگوی

* * *

Қаландар йўлин тут, дайру маъбуда,
 Ҳеч бирида бўлмас дилинг осуда,
 Кафтингда қадаҳу, қучоғингда хум,
 Май ичгил бошқаси бари беҳуда.

* * *

Губы милой и кубок — весь мой интерес,
 В кабаке отыскал я немало чудес.
 В дружбе с чашей, обласканный полным кувшином,
 Пью вино и не трачу напрасно словес.

پر کیر پیاله و سبو ای دلجوی
 فارغ بنشین بکشته زارو لب جوی
 بس شخص عزیزا که چرخ بد خوی
 صد بار پیاله کرد و صد بار سبوی

* * *

Кўза-ю косангни кўтар, эй дилдор,
 Кўкалам сув бўйи, салқин жойга бор.
 Бу чарх кўп сарв қад, ой юзлиларни
 Гоҳ кўза, гоҳ коса қилмиш неча бор.

* * *

Луг в цветах, и под солнцем ручей засиял.
 Подними, моя радость, кувшин и фиал.
 И кружись, ибо все мы кувшинами будем,
 Нас на время людьми небосвод изваял.

جانا ز کدام دست برخاسته ای
 کز طلعت خویش ماہرا کاسته ای
 خوبان جهان به عید رو آریند
 تو عید روی خویش آراسته ای

* * *

Қайда камол топдинг, жононам ўзинг,
 Ойни уялтирар тунда юлдузинг.
 Базм учун юзларин безар гўзаллар,
 Жаҳон базмин безар бир сенинг юзинг.

* * *

О красе твоей звезды затеяли спор,
 Ты явилась — луна потускнела с тех пор.
 В праздник девушки лица свои украшают, —
 Ты сама, словно праздник, всем радуешь взор.

ای باده خوشگوار در جام بهی
 بر پای خرد تمام بند و گرمی
 هر کس که ز تو خورد امانش ندهی
 تا گوهر وی بر کف دستش ننهی

* * *

Эй бодаи хушбӯй, ўхшайсан гулга,
 Аммо дил гавҳарин берасан қўлга.
 Қим ичса омонлик топмайди сендан,
 Ақл кўзин боғлаб соласан йўлга.

* * *

О вино, ты, как роза, струишь аромат,
 Путь укажешь уму — и воротишь назад.
 Все нутро человека вино обнажает,
 Манит раем, а бросит несчастного в ад.

ای چرخ چه شد خسیس را چیز دهی
 گر ما به و آسیاب و دهلیز دهی
 آزاده به نان شب گروگان بدهد
 باید که بر این چنین فلک تیز دهی

* * *

Э чарх, нокасларни қилдинг фаровон —
 Ҳаммому уй бердинг, ер, сув, тегирмон,
 Тўғри киши гаров бир бурда нонга,
 Жиртатка аримас бундайин даврон.

* * *

Небо! Жалуешь ты почему подлецов?
 Бани, мельницы — им, им — сиянье дворцов,
 Человек благородный и хлеба не видит —
 Наплевать я на небо такое готов.

بر رهگذرم هزار جا دام نهی
 گویی که بلیرمت اگر گام نهی
 يك ذره حکم تو جهان خالی نیست
 حکم تو کنی و عاصیم نام نهی

* * *

'Қўйган тузоғингга тўлиқ бу олам,
 Илинамиз қайга ташласак қадам.
 Сенинг ҳукмингсизку силжимас зарра,
 Нечун мен осн-ю, жойим жаҳаннам?!

* * *

'Западней и ловушек не счесть на пути,
 Бог расставил их сам — и велел мне идти.
 Наперед каждый шаг мой единому ведом,—
 Почему же грозит — и не хочет спасти?

ای باده تو معشوق من شیدائی
 من میخورم و ترسم از رسوائی
 چندان خور می که هر که بیند گوید
 ای خم شراب از کجا میائی

* * *

Э май, сен маъшуқа, мен сенга шайдо,
 Ичаман, қўрқмайман бўлишдан расво.
 Майни шундай ички кўрганлар десин:
 — Э май хуми, қайдан бўлмишсан пайдо?

* * *

Я в безумной любви лишь вино поклянусь,
 А гулякой меня назовут — ну и пусть!
 «Ты откуда идешь, — спросят, — винная бочка?» —
 Так я кровью лозы благодатной упьюсь.

سرگشته به چوگان قضا همچون گوی
 چپ میرو و راست میرو و هیچ مگوی
 کانکس که ترا فگند اندر نگ و پوی
 او داند و او داند و او داند اوی

* * *

Қазо чавғонида коптокдек нуқул
 Чапу ўнг юмала, дема: номаъқул,
 Сени юмалашга солган ким бўлса,
 У билгай, у билгай, у билгай: ҳа, ул!

* * *

Гонит рок нас по жизни битой, как мячи,
 Ты то влево, то вправо беги — и молчи!
 Тот, кто бешеный гон в этом мире устроил,
 Он один знает смысл его скрытых причин.

چندانکه نگاه میکنم هر سویی
 در باغ روانست ز کوثر جوئی
 صحرا چو بهشت است، ز کوثر کم گوی
 بنشین به بهشت با بهشتی روئی

* * *

У ён-бу ёнимга ташлайман назар,
 Боғларда шилдираб оққан сув — кавсар.
 Кавсардан сўз очма, далалар жаннат,
 Шу жаннатда ўтир, ёнингда дилбар.

* * *

Посмотри, сколько в мире чудесных усад:
 Рай земной к нам пришел в расцветающий сад.
 Сядь под райским кустом с нежной гурией рядом,
 Сердцем счастье лови, райский пей аромат.

سازنده کار مرده و زنده تونی
 دارنده این چرخ پراکنده تونی
 من گرچه بدم خاجه ای این بنده تونی
 کسرا چه گناه چو آفریننده تونی

* * *

Улик-тирик ишин тузаткувчисен,
 Тарқоқ қоинотни кузаткувчисен,
 Емон бўлсам ҳамки, сенинг бандангман,
 Мен нима ҳам қилай? Яраткувчи — Сен.

* * *

Тел и душ наших грозный властитель ты сам,
 Наших дел и событий вершитель ты сам.
 Я, твой раб, лишь твои исполняю веленья, —
 Чья вина? Рассуди, обвинитель, ты сам!

از ترتیب دهنده

از دفتر خیام بخان راز جهان
دریاب در آن نقش و نگار دوران
بو ندر محك عقل بسنچ اینهمه نقش
خود ساز جدا نقش خوش ز ناخوش آن

ТУЗУВЧИДАН

Хайёмдан ўқигил жаҳон баҳсини,
Ундан топажаксан замон нақшини:
Ақлинг элагидан ўтказиб бир-бир,
Ўзинг ажратиб ол ёмон-яхшини.

ОТ СОСТАВИТЕЛЯ

Когда Хайяма станешь изучать,
Ты там найдешь иных времен печать.
Сквозь сито разума ты мудрость ту просей —
Добро и зло сумеешь различать.

ОМАР ХАЯМ

РУБАЙЯТ

На персидском, узбекском и русском языках

Тузувчи Ш. ШОМУҲАМЕДОВ

Составитель Ш. ШАМУХАМЕДОВ

Редакторлар Ж. Жаббаров, Б. Пармузин

Нашриёт редактори Н. Зуннунов

Рассам К. Маҳкамов

Расмлар редактори Д. Уразаев

Техн. редактор Н. Сорокина

Корректор Р. Ортиқова

Теришга берилди 18.06.84. Босишга рухсат этилди 30.01.85. Формати 70×108¹/₃₂. Босмаҳона қоғози № 1. Ҳағли 10, шпонсив. Литературная гарнитураси. Юқори босма усулида босилди. Шартли б. л. 19.95. Усл. кр.-отт. 20,3. Нашр. л. 8,22. Тиражи 60000. Заказ № 1823. Баҳоси 80 т. Нашр. № 30221.

СССР Нашриётлар, полиграфия ва китоб савдоси ишлари Давлат комитети, «Радуга» нашриётининг Тошкент бўлими, Тошкент, 700014, ГСП, Ц-14, уй 33.

Ўзбекистон ССР Нашриётлар, полиграфия ва китоб савдоси ишлари Давлат комитети, Тошкент «Матбуот» Полиграфия ишлаб чиқариш бирлашмасининг 3-босмаҳонаси, Тошкент, 700194, Юнусобод, Муродов кўчаси, 1.

Главное предприятие ТППО «Матбуот» Государственного комитета УзССР по делам издательства, полиграфии и книжной торговли. Книга изготовлена на линии бесшвейного скрепления блоков ТППО «Матбуот».